मुख्यमंत्री ने प्रदेश की 602 पंजीकृत... 08

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

द व्हाइट लोटस को ठुकराने की खबरों... 11

वर्ष - 01, अंक - 331 | गाजियाबाद / बुधवार 04 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

अमेरिका इजराइल-ईरान जंग

अमेरिका बोला-ईरान को न्यूक्लियर फ्यूल देने के लिए तैयार थे

- फिर भी परमाणु समझौता नहीं हुआ, इसके बाद इजराइल के साथ मिलकर हमला किया

तेहरान/येरुशलम (एजेंसी)। इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जंग का आज चौथा दिन है। अमेरिका के स्पेशल प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ ने कहा कि ईरान के साथ परमाणु समझौते की आखिरी कोशिश भी नाकाम रही।

अमेरिका ने ईरान से कहा था कि वह 10 साल तक यूरेनियम इनरिचमेंट पूरी तरह बंद कर दे। बदले में अमेरिका न्यूक्लियर फ्यूल देने को तैयार था। लेकिन ईरान ने प्रस्ताव मानने से इनकार कर दिया। विटकॉफ ने कहा कि दूसरी बैठक के बाद ही साफ हो गया था कि समझौता मुश्किल है, फिर भी एक आखिरी कोशिश की गई। लेकिन वह भी सफल नहीं हुई। बातचीत टूटने के बाद अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी। ईरान में अब तक 742 लोगों की मौत हो चुकी है, इनमें 176 बच्चे हैं। 750 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

खामेनेई की हत्या पर भारत की चुप्पी से हैरानी: सोनिया

कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर भारत सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा- दिल्ली की चुप्पी हैरान करने वाली है, यह तटस्थता (न्यूट्रल) नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से पीछे हटना है। उन्होंने लिखा- 1 मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की एक दिन पहले अमेरिका और इजराइल के टारगेटेड अटैक में हत्या कर दी गई। जब दो देशों की डिप्लोमैट लेवल की बातचीत चल रही हो, तब एक मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष की हत्या अंतरराष्ट्रीय संबंधों में गंभीर दरार को दिखाती है। सोनिया ने लिखा कि भारत सरकार ने न तो हत्या की निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। मोदी ने अमेरिका-इजराइल के हमले को अनदेखा किया, केवल यूएई पर ईरान की जवाबी कार्रवाई की निंदा की। बाद में पीएम ने 'गहरी चिंता' और 'बातचीत व कूटनीति' की बात कही। जबकि हमला उस समय हुआ, जब दो देशों के बीच कूटनीतिक प्रक्रिया जारी थी।

इजराइली सरकार ने सेना को लेबनान में कब्जे का दिया आदेश

रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और मैंने इजराइली सीमावर्ती समुदायों पर गोलीबारी रोकने के लिए लेबनान में क्षेत्रों पर कब्जा करने के लिए सेना को आगे बढ़ने का अधिकार दिया है। उन्होंने आगे कहा, सेना लेबनान में हिज्बुल्लाह के ठिकानों के खिलाफ जोरदार कार्रवाई जारी रखे हुए है। यह संगठन इजराइल पर गोलीबारी करने की कीमत चुका रहा है और चुकाएगा। इजराइली समुदायों पर सीधी गोलीबारी की संभावना को रोकने के लिए, कब्जा करने और वहां से सीमावर्ती समुदायों की रक्षा करने का अधिकार दिया है।

ईरान से जंग लंबी नहीं चलेगी: नेतन्याहू

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के खिलाफ चल रहा युद्ध लंबा और अंतहीन नहीं होगा। उनका कहना है कि यह युद्ध क्षेत्र में शांति लाने का रास्ता बना सकता है।

नेतन्याहू ने कहा कि पहले भी अब्राहम अकॉर्ड के तहत इजराइल ने अरब के 4 देशों के साथ शांति समझौते किए थे। नेतन्याहू ने कहा कि अब अमेरिका के साथ मिलकर काम करने से और भी देशों के साथ शांति समझौते हो सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर में खामेनेई की मौत का विरोध

- दुबई से 149 यात्री दिल्ली और 217 चेन्नई लौटे
- दिल्ली से 80+ इंटरनेशनल फ्लाइट कैंसिल

श्रीनगर (एजेंसी)। इजराइल-ईरान जंग का आज चौथा दिन है। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के विरोध में आज भी जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शन हो रहे हैं। बांदीपोरा के शादीपोरा में शिया समुदाय ने खामेनेई के पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। श्रीनगर आज लगातार दूसरे दिन बंद है। भारत सरकार ने सभी राज्यों को भड़काऊ भाषणों के लिए अलर्ट रहने का निर्देश दिया है।

जंग के कारण लगातार चौथे दिन दिल्ली एयरपोर्ट पर 80+ इंटरनेशनल फ्लाइट कैंसिल हैं। हालांकि आज सुबह एअर इंडिया की एआई916डी फ्लाइट दुबई से 149 यात्री और 8 केबिन क्रू के साथ दिल्ली लैंड हुई। वहां फंसी भारतीय शटलर पीवी सिंधु भी वापस आईं।

इसके अलावा सोमवार देर रात दुबई से अमीरात की 3 फ्लाइट ईके500 दुबई से मुंबई, ईके526 दुबई से हैदराबाद, ईके568 दुबई से बेंगलुरु और ईके542 दुबई से चेन्नई लैंड हुईं, इसमें 217 यात्री-क्रू सवाल थे। अबू धाबी से भी एक फ्लाइट दिल्ली लैंड हुई है।

इंडिगो भी सऊदी अरब के जेद्दा से हैदराबाद, मुंबई, दिल्ली और अहमदाबाद के लिए 10 स्पेशल फ्लाइट ऑपरेट कर रहा है। वहीं, एअर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट के लिए उड़ान शुरू की हैं।

इस बीच, अबू धाबी की एतिहाद, दुबई की एमीरात और फ्लाईदुबई ने चुनिंदा उड़ानें शुरू की हैं। अबू धाबी एयरपोर्ट से एतिहाद की 15 उड़ानें इस्लामाबाद, पेरिस, एम्सटर्डम, मुंबई, काहिरा, लंदन के लिए रवाना हुईं।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी होली की शुभकामनाएं

होली हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक: राज्यपाल

देहरादून/ एजेंसी । उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को होली के पावन पर्व पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

अपने संदेश में कहा है कि यह पर्व समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करते हुए राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूती प्रदान करता है।

राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि रंगों का त्योहार होली हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी लोग आपसी मतभेदों और कटुता को भुलाकर प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना को बढ़ावा दें तथा सुरक्षित एवं संयमित ढंग से होली का उत्सव मनाएं। राज्यपाल ने कामना की कि यह पर्व सभी के जीवन में सुख,समृद्धि और खुशहाली लेकर आए।

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि होली रंग और उल्लास का त्योहार होने के साथ ही हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया जाने वाला यह पर्व सामाजिक समरसता और एकता की भावना को सुदृढ़ बनाता है। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का ही त्योहार नहीं, बल्कि लोकसंस्कृति, शास्त्रीय संगीत परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों की जीवंत अभिव्यक्ति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि होली का पर्व नई पीढ़ी को अपनी जड़ों,परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने भगवान बद्रीविशाल और बाबा केदार से प्रार्थना की कि यह पर्व प्रदेश में समृद्धि और उन्नति के रंग लेकर आए और सभी के जीवन में सुख-शांति और सफलता का संचार करे।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर बस ने कार में मारी टक्कर, 6 लोगों की मौत

हाथरस (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में यमुना एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर बस ने आगे चल रही ईको कार में टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। मृतक धौलपुर राजस्थान के बताए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 141 पर मंगलवार तड़के करीब 4 बजे दिल्ली से गोरखपुर जा रही एक निजी डबल डेकर बस ने आगे चल रही इको वैन कार को टक्कर मार दी। कार सवार सभी लोग दिल्ली से राजस्थान के राजाखेड़ा धौलपुर जा रहे थे। हादसे में छह लोगों की जान चली गई। इनमें चार लोगों की पहचान हो गई। मृतकों में दिनेश उनकी पत्नी सुनीता, विजय और उनकी पत्नी पिंकी बघेल के रूप में हुई।

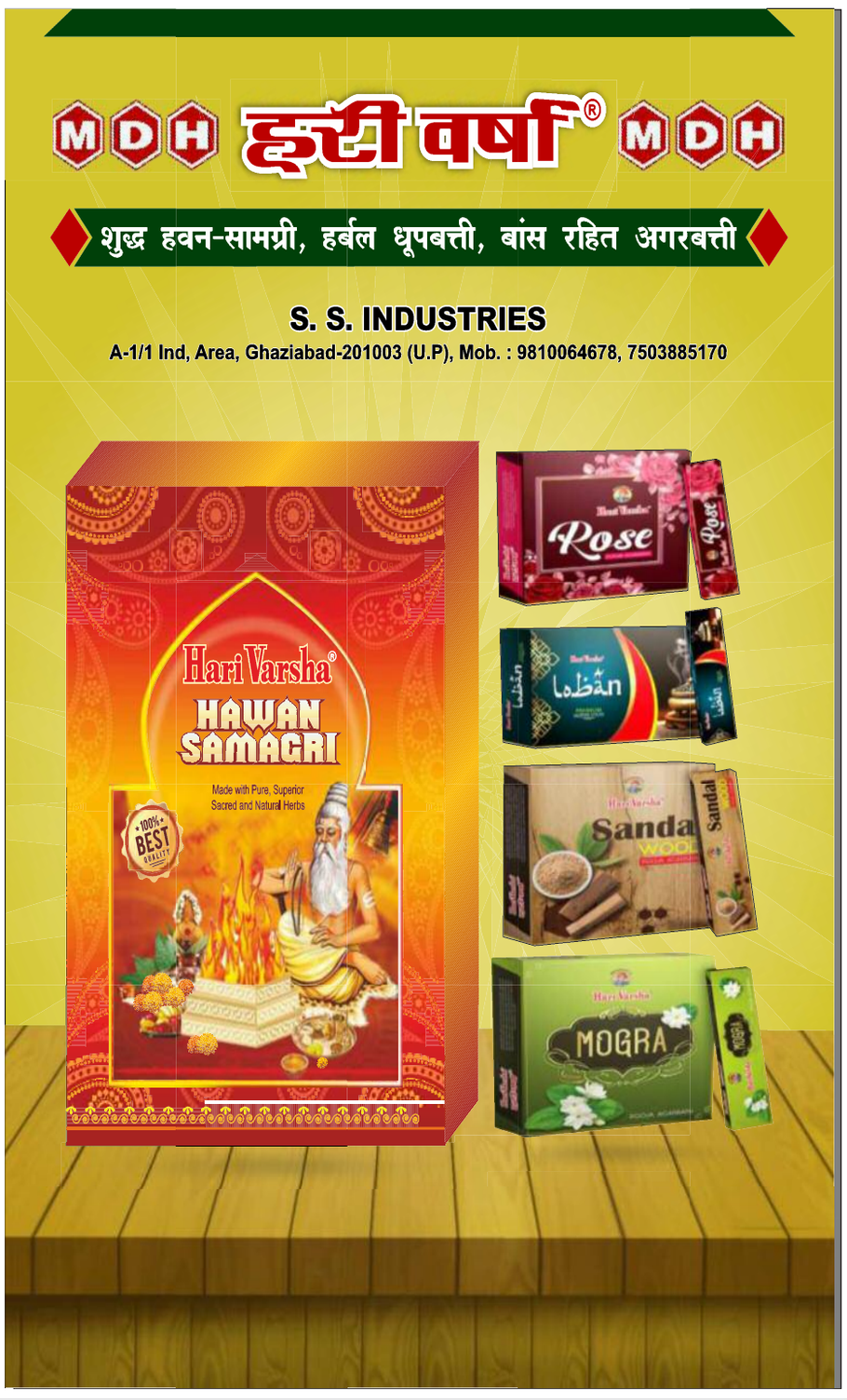

गुरु मार्ग पर चलकर ही अकाली दल होगा मजबूत : कालका, काहलों

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने कहा है कि शिरोमणि अकाली दल तभी पुन : सशक्त हो सकता है, जब हम गुरु साहिबानों के दिखाए मार्ग पर चलकर पंथ की निस्वार्थ सेवा करें। श्री आनंदपुर साहिब में आयोजित शिरोमणि अकाली दल पुनरुत्थान की विशाल सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 106 वर्ष पूर्व हमारे पूर्वजों ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की रक्षा के लिए अकाली दल की स्थापना की थी, किंतु आज अकाली दल पर काबिज परिवार को बचाने के लिए शिरोमणि कमेटी का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लगभग 70 वर्षों से प्रभाव में रहा यह परिवार हर उस व्यक्ति को किनारे कर देता है, जो हक और सच की बात करता है। उन्होंने कहा कि ज्ञानी रघबीर सिंह और ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने 2 दिसंबर को ऐसा ऐतिहासिक कदम उठाया, जो एक सदी में कभी नहीं देखा गया। जब ज्ञानी रघबीर सिंह ने शिरोमणि कमेटी में फैले भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया, तो उन्हें मुख्य ग्रंथी के पद से हटा दिया गया। पंजाब में धर्म परिवर्तन के विषय पर बोलते हुए उन्होंने बताया कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने सरदार मनजीत सिंह भोगा की अगुवाई में धर्म प्रचार प्रकोष्ठ पंजाब का गठन किया, जिसने परिश्रम के साथ लगभग 2000 लोगों को पुन : गुरु से जोड़ने में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि जितना अधिक सिखी का प्रचार होगा, उतनी ही अधिक मजबूती पंथ को मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि 2 दिसंबर के हुकमनामे के अनुसार इस अकाली दल में विधिवत भर्ती की गई और पूरी प्रक्रिया का पालन करते हुए ज्ञानी हरप्रीत सिंह को प्रधान चुना गया। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि अकाली दल को मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक परिवार के नेतृत्व में चल रहे अकाली दल ने 10 वर्षों तक सत्ता में रहते हुए कभी भी विधानसभा में बंदी सिखों के संबंध में प्रस्ताव पारित नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह परिवार 10 वर्ष तक केंद्र की सत्ता में सहभागी रहा, किंतु गठबंधन टूटते ही बंदी सिखों का मुद्दा उठाने लगा, जबकि पहले यही लोग उनकी रिहाई का विरोध करते थे।

सुमंगलम संस्था का होली मंगल मिलन समारोह संपन्न : पंकज शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुमंगलम संस्था द्वारा आयोजित होली मंगल मिलन समारोह जे.पी. फाउंडेशन पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही और पूरे परिसर में रंग, उमंग तथा आपसी सद्भाव का वातावरण देखने को मिला। संस्था पिछले चार वर्षों से रोहताश नगर के विधायक जितेन्द्र महाजन के संरक्षण में निरंतर कार्य कर रही है। सुमंगलम संस्था जरूरतमंद एवं स्वाभिमानी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रशिक्षण और सहयोग कार्यक्रम संचालित कर रही है, जिसकी अतिथियों ने सराहना की। मुख्य अतिथियों में अर्वाचीन पब्लिक स्कूल के संरक्षण एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संचालक अरुण शर्मा, आरती अरोड़ा, अनुपम भटनागर तथा पंकज शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने संस्था के प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। कार्यक्रम में होली के पारंपरिक गीतों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और आपसी मिलन ने वातावरण को और भी आनंदमय बना दिया। अंत में उपस्थित अतिथियों और सदस्यों ने सुमंगलम संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए समाज सेवा के इस अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

खालसा साजना दिवस पर पाकिस्तान जाने वाले जत्थे को स्वीकृति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने खालसा साजना दिवस के अवसर पर भारतीय श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान भेजने की अनुमति प्रदान कर दी है। जारी बयान में कहा गया कि पिछली बार अभियान सिंदूर के कारण जत्था भेजने का विषय लंबित रह गया था। उस समय कमेटी ने गृह मंत्री अमित शाह से भेंट कर मामले पर पुनर्विचार का अनुरोध किया था, जिसके उपरांत अनुमति प्रदान की गई थी। इस वर्ष भी कमेटी ने पूर्व में गृह मंत्री को पत्र लिखकर लगभग 3000 श्रद्धालुओं के जत्थे को खालसा साजना दिवस पर पाकिस्तान भेजने की स्वीकृति देने का आग्रह किया था। अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने औपचारिक अनुमति जारी कर दी है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त किया। कमेटी के अनुसार जत्था 10 अप्रैल को भारत से रवाना होगा। स्वीकृति के तहत शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा 1800 श्रद्धालु, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा 550 श्रद्धालु तथा हरियाणा गुरुद्वारा कमेटी द्वारा 300 श्रद्धालु भेजे जाएंगे। शेष श्रद्धालु अन्य राज्यों की संगतों से शामिल होंगे। कमेटी ने दिल्ली तथा देशभर की संगतों से अपील की है कि वे अपने पासपोर्ट और आवश्यक दस्तावेज समय पर संबंधित संस्थाओं के पास जमा कराएं, ताकि समस्त प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा में पूर्ण की जा सके। दिल्ली की संगतों को विदेश यात्रा विभाग के अध्यक्ष सरदार परमजीत सिंह चंढोक अथवा कमेटी कार्यालय से संपर्क करने की सलाह दी गई है। कमेटी पदाधिकारियों ने कहा कि खालसा साजना दिवस सिख समुदाय का अत्यंत महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और आध्यात्मिक पर्व है तथा इस अवसर पर पाकिस्तान स्थित गुरुधामों के दर्शन करना श्रद्धालुओं की गहरी आस्था से जुड़ा विषय है।

नाबालिग से दुष्कर्म व वेश्यालय में बिक्री के आरोपी को जमानत से इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नाबालिग का यौन शोषण करने के बाद उसे वेश्यालय में बेचने के आरोपित को जमानत देने से इनकार करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि इस तरके अपराध के समाज पर गंभीर असर होता है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि आरोपित के खिलाफ आरोप गंभीर हैं और रिकॉर्ड पर पेश की गई सामग्री से उसकी सीधी भूमिका का पता चला है। यह भी रिकॉर्ड पर आया है कि आरोपित ने पीड़िता को रहने की जगह और काम देने के बहाने उसका यौन शोषण किया था।

नाबालिग को अजमेरी गेट के पास एक कोठे रखा - इतना ही नहीं आरोपित ने उसे एक वेश्यालय के मालिक को बेचकर भी फायदा उठाया। अदालत ने कहा कि पीड़िता का बयान स्पष्ट है और आरोपित को नियमित जमानत नहीं दी जा सकती है। याचिका के अनुसार 12 जुलाई 2024 को पुलिस को सूचना मिली थी कि एक 14 साल की नाबालिग लड़की को अजमेरी गेट के पास एक कोठे रखा गया है और उसका शारीरिक शोषण किया जा रहा है।

यह वीडियो भी देखें- सूचना पर पुलिस ने नाबालिग को बचाया और आरोपित को गिरफ्तार किया। नाबालिग ने पुलिस को बताया कि आरोपित न सिर्फ उसका यौन शोषण किया, बल्कि उसे बेच दिया। पीड़िता के बयान पर मामला दर्ज किया गया था। याचिका के अनुसार बड़ी बहन से झगड़े के बाद नाबालिग लड़की दिल्ली आई थी और तिकोना पार्क में रहने लगी थी। पीड़िता ने बयान दिया कि आरोपित के साथ कई लोगों के साथ यौन संबंध बनाने के लिए उसे मजबूर किया गया था।

राजधानी को सुंदर बनाना सामूहिक जिम्मेदारी : श्रीमती रेखा गुप्ता

-सेंट्रल पार्क में चार दिवसीय पुष्प महोत्सव का सीएम रेखा गुप्ता ने किया शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 03 मार्च (वेब वार्ता)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि चूँकि दिल्ली देश की राजधानी है, इसलिए इसे और अधिक सुंदर तथा आकर्षक बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने यह बात नई दिल्ली नगरपालिका परिषद द्वारा सेंट्रल पार्क, कनॉट प्लेस में आयोजित चार दिवसीय पुष्प महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर कही।

मुख्यमंत्री ने महोत्सव का शुभारंभ करते हुए कहा कि एक समय था जब ट्यूलिप के फूल देखने के लिए दिल्लीवासियों को कश्मीर जाना पड़ता था, किंतु अब परिषद प्रतिवर्ष राजधानी में ही ट्यूलिप की बहार लेकर आती है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन अब लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुका है और बड़ी संख्या में नागरिक यहाँ आकर रंग-बिरंगे फूलों के साथ चित्र लेते हैं।

उन्होंने कहा कि फाल्गुन मास में नई दिल्ली का वातावरण स्वाभाविक रूप से उत्सवमय रहता है और परिषद द्वारा सेंट्रल पार्क में चुने हुए पुष्पों की प्रदर्शनी इस उल्लास को और बढ़ा देती है। मुख्यमंत्री ने बागवानी विभाग के कर्मचारियों और मालियों के परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि उनकी अथक मेहनत से पूरा क्षेत्र रंगों और सुगंध से भर उठा है। उन्होंने अन्य विभागों से भी अपील की कि वे परिषद की पहल से प्रेरणा लें और राजधानी के प्रत्येक क्षेत्र को हरित एवं पुष्पित बनाने की दिशा में कार्य करें।

इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष केशव चंद्रा ने कहा कि फाल्गुन मास में होली के आगमन के साथ नई दिल्ली को रंग-बिरंगे फूलों से सजाने की परिषद की परंपरा रही है। उन्होंने बताया कि बागवानी विभाग के अधिकारी और कर्मचारी विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप राजधानी को हरा-भरा बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान नई दिल्ली की साज-सज्जा में बागवानी विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप परिषद ने राजधानी की सांस्कृतिक विरासत, पर्यावरण जागरूकता और उत्कृष्टता को प्रदर्शित करने का प्रयास किया है।

चार दिवसीय यह पुष्प महोत्सव 6 मार्च 2026 तक आम जनता के लिए निःशुल्क खुला रहेगा। महोत्सव में 18 अनुभागों में 15 हजार 500 से अधिक गमलों में 48 प्रजातियों के पुष्प प्रदर्शित किए गए हैं। डहलिया, पेटुनिया, पैंसी, साल्विया और गेंदे सहित विभिन्न मौसमी पुष्प आकर्षण का केंद्र हैं। इसके अतिरिक्त पुष्पों से निर्मित पशु-पक्षियों की आकृतियाँ, रंगीन पुष्प पट्टिकाएँ, ट्रे उद्यान, विशाल लटकते पात्र, काँच पात्र उद्यान, पूर्वी

और पश्चिमी शैली की पुष्प सज्जा भी प्रदर्शित की गई है।

पार्क में पिरामिड, हृदयाकार संरचना, शंक्राकार सज्जा तथा अन्य आकर्षक संरचनाएँ दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। संध्या समय रंगीन प्रकाश व्यवस्था के साथ संगीतबद्ध फव्वारा भी वातावरण को मनोहारी बना रहा है। महोत्सव में उद्यान प्रेमियों के लिए पौधशालाओं, बोनसाई, जलकृषि, कैक्टस, रसीले पौधों और औषधीय पौधों के स्टॉल भी लगाए गए हैं। आगंतुक यहाँ से विभिन्न प्रकार के बीज, गमले, उर्वरक और पुष्प सज्जा सामग्री भी खरीद सकते हैं।

परिषद ने नागरिकों से अपील की है कि वे बसंत ऋतु के इस अवसर पर महोत्सव में पहुँचकर प्रकृति की सुंदरता का आनंद लें और राजधानी को स्वच्छ, हरित तथा आकर्षक बनाए रखने में अपनी सहभागिता निभाएँ।

ईरान पर हमलों के विरोध में वाम दलों का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और दिल्ली राज्य के वामपंथी दलों द्वारा आज ईरान की जनता पर अमेरिकी साम्राज्यवाद और जायोनी इजरायल के हमलों के विरोध में विशाल प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन को भाकपा की राष्ट्रीय सचिव कॉमरेड अमरजीत कौर, भाकपा दिल्ली राज्य परिषद के सचिव एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रो. दिनेश वार्ष्णेय, माकपा की वरिष्ठ नेता कॉमरेड वृंदा करात, माकपा दिल्ली राज्य के सचिव अनुराग सक्सेना, भाकपा (माले) के महासचिव कॉमरेड दीपांकर भट्टाचार्य, आरएसपी के सचिव आर.एस. डागर, एसयूसीआई के सचिव प्राण शर्मा, सीजीपीआई के बिरजू नायक तथा भाकपा (माले) न्यू डेमोक्रेसी और फॉरवर्ड ब्लॉक के नेताओं ने संबोधित किया।

कॉमरेड अमरजीत कौर ने ईरान के

खिलाफ लगाए गए मनगढ़ंत आरोपों के आधार पर संप्रभु राष्ट्र पर किए गए अमेरिकी और इजरायली हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के विरुद्ध है और किसी संप्रभु राष्ट्र के प्रमुख की हत्या सुनियोजित हत्या है। उन्होंने मांग की कि यह हमला तुरंत रोका जाए। उनके अनुसार यह कार्रवाई ईरान के प्राकृतिक संसाधनों, समुद्री क्षेत्र और तेल भंडार पर कब्जा करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि इराक पर हमले के समय भी अमेरिका ने इसी प्रकार के आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया कि हालिया हमलों में 150 छात्राओं की भी मृत्यु हुई है तथा इन हमलों से पूरे भूमध्यसागरीय क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है और विश्व शांति खतरे में पड़ गई है।

उन्होंने केंद्र सरकार की भी आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा सऊदी राजकुमार और इजरायल के राष्ट्रपति से संपर्क कर सहानुभूति व्यक्त करना भारत की पारंपरिक विदेश नीति के अनुरूप नहीं है। उन्होंने मांग की कि भारत को स्पष्ट रूप से अमेरिकी और इजरायली कार्रवाई की आलोचना करनी चाहिए तथा युद्ध को तुरंत रोका जाना चाहिए, ताकि शांति बहाल हो सके।

प्रदर्शन में अन्य प्रमुख नेताओं में अब्सार अहमद, शंकरलाल, बब्बन कुमार सिंह, संजीव कुमार राणा, शशि कुमार, रामशरण राजपूत, हैदर अली, मुकेश कश्यप, शिजो वर्गीस, सुखजिंदर महसेरी और रेहाना खातून सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इंस्टाग्राम पर रेकी कर लारेंस के वकील पर हुआ था हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी जिला पुलिस ने लारेंस बिश्नोई के वकील पर फायरिंग के मामले में मुख्य साजिशकर्ता रोहित सोलंकी को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। रोहित ने इंस्टाग्राम पर लारेंस के वकील की रेकी की थी। डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि 24 फरवरी को कश्मीरी गेट इलाके में वकील दीपक खत्री की कार पर बदमाशों ने फायरिंग की। इस घटना में दीपक के सहयोगी संदीप के कंधे में दो गोली लग गई। इस मामले में आर्म्स एक्ट एवं हत्या के प्रयास की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। चार टीमें गठित हुई डीसीपी ने बताया कि इंस्पेक्टर संजय गुप्ता, स्पेशल स्टाफ प्रभारी रोहित के नेतृत्व में चार टीमों ने जांच शुरू की।

पहले सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से एक शख्स की पहचान बाहरी दिल्ली निवासी रोहित सोलंकी के तौर पर हुई। रोहित की तलाश में टीम जयपुर पहुंची। फिर मालूम हुआ कि वह हमले के दो दिन बाद बैंकॉक चला गया है। फिर सूचना मिली कि सोमवार को वह अपने गांव में छिपा है। इसके बाद नारकोटिक्स और स्पेशल स्टाफ की टीम ने पूंठ कलां गांव से आरोपी रोहित सोलंकी कोगिरफ्तार कर लिया। 35 लाख में सौदा, लेकिन 20 लाख मिले थे जांच में सामने आया कि गांव के युविन सोलंकी के माध्यम से रोहित का संपर्क जेल में बंद कपिल मान से हुआ। फिर कपिल ने रोहित गोदारा की सोशल मीडिया आईडी दी। आरोपी ने बताया कि रोहित गोदारा ने लॉरेंस के वकील दीपक खत्री की हत्या की सुपारी विक्रम सोलंकी को दी थी। इसके लिए 35 लाख रुपये दिए जाने थे, जिसमें से 20 लाख विक्रम को मिल गए थे। विक्रम ने रोहित को हत्या के लिए स्कूटी और हथियार आदि लाने एवं दीपक की रेकी करने की जिम्मेदारी दी। देहरादून में नहीं मिला ठिकाना रोहित ने बताया कि वे लोग दीपक को उसके देहरादून स्थित फार्म हाउस में मारना चाहते थे, लेकिन पता नहीं मिल पाने की वजह से नहीं हो पाया। फिर रोहित ने दीपक की इंस्टाग्राम की आईडी देखी तो मालूम हुआ कि वह प्रत्येक मंगलवार को मरघट वाले हनुमान मंदिर जाता है। इसके बाद 17 फरवरी को उसने रेकी की। रोहित ने 24 फरवरी को पंजाब से दो शूटर हनुमान मंदिर के पास भेजे। रोहित दोनों को दीपक की कार के पास ले गया। फायरिंग के बाद तीनों स्कूटी से फरार हो गए। दोस्त की स्कूटी लेकर आया था जांच में सामने आया कि रोहित ने स्कूटी और हथियार दोनों को राजघाट के पीछे लावारिस छोड़ दिया। एक ट्रक ड्राइवर ने देखा तो पिस्टल उठा ली। पटपड़गंज में फायरिंग होने से ट्रक का सहायक घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने दोनों को जब्त कर कश्मीरी गेट पुलिस को सूचना दी। यह स्कूटी रोहित ने अपने दोस्त सागर से मांगी थी। क्राइम ब्रांच ने सागर को भी हिरासत में ले लिया है।

दिल्ली में स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर 17.1 लाख की ठगी, साइबर पुलिस ने तीन जालसाजों को दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टॉक मार्केट निवेश के नाम पर 17.1 लाख रुपये की ठगी करने वाले तीन आरोपितों को उत्तर-पश्चिमी जिला साइबर सेल ने गिरफ्तार किया है। वहीं, इस मामले में एक महिला आरोपित को पाबंद किया है। इनके कब्जे से अपराध में इस्तेमाल तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विनोद नगर निवासी इंदरजीत, पवन और गाजियाबाद के बालाजी विहार निवासी गौरव त्यागी के रूप में हुई है। महिला की पहचान महिमा शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिमा शर्मा आरोपित इंदरजीत के साथ संयुक्त खाता धारक थी, लेकिन अधिकृत हस्ताक्षर कर्ता नहीं थी। इसलिए उसे पाबंद किया गया है। जिला के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि आरोपितों के बैंक खातों के खिलाफ नेशनल क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर 17 शिकायतें दर्ज हैं। शालीमार बाग निवासी योगेश कुमार किराना की दुकान चलाते हैं। उन्होंने 28 जनवरी में साइबर सेल में ठगी की शिकायत की। जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें एक वॉट्सएप समूह में जोड़ा गया, जहां ठगों ने स्टॉक मार्केट निवेश में ऊंचे रिटर्न का लालच दिया।

कमीशन के बदले ठगों को दिया बैंक खाता- उन्होंने 17.10 लाख रुपये निवेश किए। लाभ होने पर जब पैसे निकालने की कोशिश की तो जालसाजों ने इसके एवज में अतिरिक्त राशि जमा करने के लिए कहा। ठगी का एहसास होने पर उन्होंने पुलिस में शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर निरीक्षक दिनेश दहिया के नेतृत्व में मामले की जांच शुरू की। जांच में पता चला कि ठगी की रकम को इंदरजीत के फर्म के खाते में ट्रांसफर किया गया था। पुलिस ने साक्ष्य मिलने पर इंदरजीत को गिरफ्तार कर लिया। उसने बताया कि कमीशन के बदले में उसने फर्म का चालू खाता साइबर ठग गिरोह को उपलब्ध कराया था। ठगी की रकम प्राप्त करने के बाद उसने पैसे को गेमिंग एप एवं अन्य डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से आगे ट्रांसफर किया। पुलिस ने उसके निशानदेही पर अन्य आरोपितों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वह संगठित गैंग का हिस्सा थे, जो ठगी करते थे। इंदरजीत कमीशन के बदले अपना बैंक खाता गिरोह को उपलब्ध कराया। पवन कुमार बैंक खातों की व्यवस्था कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाता था, जबकि गौरव त्यागी संचालन एवं समन्वय में सहयोग करता था। गिरोह वॉट्सएप निवेश समूहों एवं फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफार्म के जरिए पीड़ितों को फंसाता था। ठगी की रकम म्यूल खातों में डालकर गेमिंग एप व अन्य डिजिटल माध्यमों से तुरंत आगे भेज देता था। बाद में सक्रिय सदस्यों को उनकी भूमिका के मुताबिक कमीशन दिया जाता था। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

एक वर्ष में 1460 सफाई कर्मियों को स्थायी नियुक्ति : संदीप कपूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम की पर्यावरण प्रबंधन सेवाएं समिति के अध्यक्ष संदीप कपूर ने बताया कि पिछले एक वर्ष में निगम ने 1460 सफाई कर्मचारियों को स्थायी किया है। इसके अतिरिक्त 562 मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को करुणामूलक आधार पर दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारी के रूप में नियुक्ति दी गई है। उन्होंने कहा कि पात्र आश्रितों को समय पर सहायता देने के उद्देश्य से यह प्रक्रिया आगे भी तीव्र और पारदर्शी ढंग से जारी रहेगी। श्री कपूर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सफाई कर्मचारियों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने जानकारी दी कि निगम ने सेनेटरी गाइड, सहायक सेनेटरी निरीक्षक, सेनेटरी निरीक्षक तथा सेनेटरी अधीक्षक के पदों पर पदोन्नति प्रक्रिया को भी गति दी है, ताकि कर्मचारियों को समयबद्ध उन्नति का लाभ मिल सके और उनका मनोबल बढ़े। दिल्ली के महापौर राजा इक़बाल सिंह ने बताया कि निगम ने करुणामूलक आधार पर 86 मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को नियुक्ति प्रदान की है। इन सभी को पर्यावरण प्रबंधन सेवाएं विभाग में दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारी के पद पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह कदम उन परिवारों को संबल देने के लिए उठाया गया है, जिन्होंने सेवा के दौरान अपने परिजन को खोया है। महापौर ने कहा कि निगम प्रशासन कर्मचारियों और उनके परिवारों के हितों की रक्षा के लिए संवेदनशील और प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निगम कर्मचारियों के कल्याण, सुरक्षा और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है तथा भविष्य में भी इसी भावना से कार्य करता रहेगा।

अरविंद केजरीवाल ने विशेषाधिकार समिति को लिखा पत्र, होली के अगले दिन होंगे उपस्थित

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति को पत्र लिखकर सूचित किया है कि वे समन के अनुसार 6 मार्च को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होंगे। यह मामला दिल्ली विधानसभा परिसर में कथित फांसी घर की मौजूदगी से जुड़े विवाद से संबंधित है, जिसमें पूर्व आआपा सरकार के दौरान उठाए गए दावों की प्रामाणिकता पर सवाल हैं। अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि उन्होंने समिति को पत्र भेज दिया है और पारदर्शिता के लिए कार्यवाही का सीधा प्रसारण करने की अपील की है। केजरीवाल ने पत्र में दिल्ली सरकार पर हमला करते हुए कहा कि शहर प्रदूषण से जूझ रहा है, सड़कें टूटी हुई हैं, हर जगह कूड़े के ढेर लगे हैं और अस्पतालों में दवाइयां नहीं हैं, लेकिन सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही। उल्लेखनीय है कि विशेषाधिकार समिति ने अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, राम निवास गोयल और राखी बिरला को पहले समन जारी किए थे, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुए। फरवरी में समिति ने उन्हें अंतिम मौका देते हुए 6 मार्च की तारीख तय की, जिसे अब केजरीवाल ने स्वीकार कर लिया है। 9 अगस्त, 2022 को तत्कालीन मुख्यमंत्री केजरीवाल ने ब्रिटिश काल की दिल्ली विधानसभा की इमारत के एक कमरे का उद्घाटन 'फांसीघर' के रूप में किया था। पिछले साल भाजपा के सत्ता में आने के बाद विधानसभा में यह मुद्दा उठाया गया था। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दावा किया कि जिसे 'फांसीघर' कहा जा रहा है, वह वास्तव में भोजन वितरण के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला 'टिफिन रूम' था। उन्होंने विधानसभा भवन के वास्तुशिल्प डिजाइन के 2011 के एक मानचित्र के माध्यम से इसकी पुष्टि की।

स्वरूप नगर में सिलेंडर फटने से धमाका, सात लोग झुलसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस के बाहरी उत्तर जिला अंतर्गत थाना स्वरूप नगर क्षेत्र में मंगलवार को एलपीजी सिलेंडर फटने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में महिलाओं और बच्चों समेत सात लोग झुलस गए। सभी घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार को मकान संख्या 134, एफ-ब्लॉक, गली नंबर-4, स्वरूप नगर की तीसरी मंजिल पर सिलेंडर फटने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि तीसरी मंजिल पर 25 वर्ग गज के कमरे में रखा छोटा एलपीजी सिलेंडर अचानक फट गया। बताया जा रहा है कि कमरे में किराएदार का परिवार रह रहा था, जिसमें चार सदस्य थे। धमाके में तीसरी मंजिल पर मौजूद पांच लोग जिनमें एक महिला और दो बच्चे शामिल हैं झुलस गए। इसके अलावा दूसरी मंजिल पर रहने वाली दो महिलाएं भी घायल हुईं। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मादीपुर में भाजपा मंडल ने मनाया होली मंगल मिलन कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मादीपुर विधानसभा क्षेत्र के मादीपुर गांव की पक्की चौपाल में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय मंडल द्वारा होली मंगल मिलन कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस रंगारंग समारोह में राजनीतिक और जनप्रतिनिधि नेतृत्व ने भी भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैलाश गंगवाल रहे, जो मादीपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक हैं। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों को होली की शुभकामनाएँ दीं और कहा कि होली का पावन पर्व सभी के जीवन में प्रेम, सौहार्द और नए उत्साह के रंग भरता है। कैलाश गंगवाल ने अपने संबोधन में देश में सामाजिक सद्भाव और विकास के महत्व पर भी ज़ोर दिया।

वर्तमान कार्यक्रम में पूर्व महापौर और प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष सुनीता कांगड़ा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुईं। सुनीता कांगड़ा ने पार्टी के कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से स्थानीय जनता के बीच आपसी भाईचारा और संगठन की मजबूती को बढ़ावा मिलता है। वे दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की पूर्व महापौर तथा दिल्ली भाजपा की वरिष्ठ नेता के रूप में जानी जाती हैं।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रदीप यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और सभी अतिथियों तथा उपस्थित जनों का स्वागत किया। कार्यक्रम में पार्टी के ब्लॉक-स्तर के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे, जिन्होंने गुलाल और रंगों के साथ होली की गर्मजोशी से एक-दूसरे को शुभकामनाएँ दीं। ये आयोजन पारंपरिक उल्लास के साथ-साथ पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच एकता और साझेदारी का प्रतीक भी बना।

विधायक कैलाश गंगवाल ने अपने संबोधन में कहा कि होली सिर्फ एक त्योहार नहीं है, बल्कि यह सामाजिक सद्भाव, भाईचारे और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस शुभ अवसर पर सभी को एक दूसरे का मान-सम्मान करते हुए प्रेम के साथ देशहित में कार्य करना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास के संकल्प को भी याद करते हुए कहा कि देश तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है और जनता अपने जीवन में बदलाव महसूस कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक रंग और सामुदायिक भावना का समावेश भी देखा गया, जिसमें लोग परम्परागत गीत-भजन तथा अबीर-गुलाल के साथ होली का उत्सव मनाते दिखे। उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर और मिठाइयाँ बांटकर त्योहार का आनंद लिया। यह आयोजन स्थानीय लोगों के बीच भाईचारे, एकता और त्योहार की खुशी को साझा करने का अवसर बना।

भाजपा के इस होली मंगल मिलन कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल होली के पारंपरिक उत्साह को साझा करना था, बल्कि अपने पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता के बीच जुड़ाव को भी मजबूत करना था। इस तरह के आयोजनों से स्थानीय स्तर पर राजनीतिक आमोद-

प्रमोद के साथ सामाजिक सौहार्द्र को भी बढ़ावा मिलता है, जो त्योहारों को और भी यादगार बनाता है।

इस प्रकार मादीपुर में आयोजित होली मंगल मिलन कार्यक्रम ने लोगों के चेहरों पर मुस्कान और दिलों में उमंग भर दी, तथा यह संदेश दिया कि त्योहार केवल रंगों का उत्सव ही नहीं, बल्कि एकजुटता और भाईचारे का प्रतीक भी है।

गाजियाबाद में डबल एनकाउंटर से कांपा पाताल : तीन दिन में दूसरा सूपड़ा साफ, 1 लाख का इनामी गुलफाम ढेर

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)

गाजियाबाद पुलिस आयुक्त कार्यालय ने अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर जानलेवा हमले के मुख्य आरोपी और एक लाख रुपये के इनामी बदमाश गुलफाम को मुठभेड़ में मार गिराया है। महज 72 घंटे के भीतर यह दूसरा बड़ा एनकाउंटर है। इससे पहले 1 मार्च को उसके भाई जीशान की भी मुठभेड़ में मौत हो चुकी है।

योगी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत हुई इस कार्रवाई के बाद दोनों सगे भाइयों और मुख्य शूटरों का अंत हो गया है।

क्या था मामला?

26 फरवरी 2026 की सुबह करीब 8 बजे लोनी थाना क्षेत्र में यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर उनके कार्यालय में घात लगाकर धारदार हथियारों से हमला किया गया था। गंभीर रूप से घायल सलीम का अभी अस्पताल में उपचार चल रहा है। मामले में मुकदमा अपराध संख्या 50/2026 धारा 109(1)/333/3(5) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया

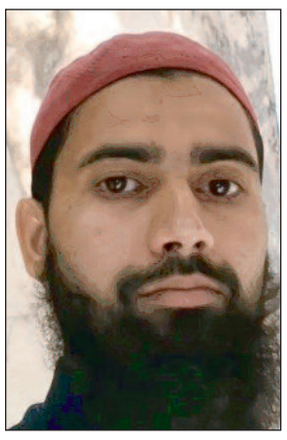

था।

सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने जीशान और गुलफाम पुत्र बुनियाद अली, निवासी सैदनगली, अमरोहा (हाल पताः खोड़ा, गाजियाबाद) को चिन्हित किया था। दोनों पर पुलिस आयुक्त द्वारा 1-1 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

कैसे हुई मुठभेड़?

3 मार्च की रात स्वाट टीम और अपराध शाखा को सूचना मिली कि गुलफाम अपने एक साथी के साथ इंदिरापुरम क्षेत्र में मौजूद है।

वसुंधरा बिजलीघर के सामने घेराबंदी की गई। रात करीब 9:20 बजे बिना नंबर प्लेट की केटीएम बाइक पर दो संदिग्ध आते दिखाई दिए। रोकने की कोशिश पर वे एलिवेटेड रोड के नीचे भागने लगे। पीछा करने पर बाइक मिट्टी के टीले से फिसल गई।

इसके बाद बदमाशों ने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग की।

मुठभेड़ में

दो पुलिसकर्मी गोली लगने से घायल हुए।

सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) अमित सक्सेना और दो अन्य अधिकारियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोलियां लगीं।

एक गोली स्वाट प्रभारी के कान के पास से निकल गई।

आत्मरक्षा में की गई जवाबी फायरिंग में गुलफाम घायल हुआ। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उसका साथी अंधेरे और भौगोलिक परिस्थितियों का लाभ उठाकर फरार हो गया।

बरामदगी

मौके से पुलिस ने बरामद किए:

.32 बोर पिस्टल, जिंदा व खोखा कारतूस

.315 बोर तमंचा

दिल्ली से चोरी की गई बिना नंबर प्लेट केटीएम बाइक

चाकू

मोबाइल फोन

आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस

कपड़ों व अन्य सामान से भरा बैग

72 घंटे में दो 'फुल एनकाउंटर

1 मार्च को निठोरा रोड रेलवे अंडरपास के पास मुठभेड़ में जीशान घायल हुआ था, जिसकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी।

अब 3 मार्च को गुलफाम भी ढेर हो गया।

इस तरह सलीम वास्तिक हमले के दोनों मुख्य आरोपी पुलिस कार्रवाई में मारे जा चुके हैं।

पुलिस का सख्त संदेश

गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने स्पष्ट कर दिया है कि जिले में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के लिए अब सिर्फ दो ही रास्ते हैं जेल या फिर मुठभेड़।

इस त्वरित और आक्रामक कार्रवाई के बाद शहर में पुलिस की कार्यशैली को लेकर चर्चा तेज है और आम जनता ने राहत की सांस ली है।

थानाभवन में भारतीय हलधर किसान यूनियन की बैठक, रामभूल राणा बने जिलाध्यक्ष

थानाभवन/ शामली (शिखर समाचार)

थानाभवन क्षेत्र के भनेड़ा उद्दा गांव में मंगलवार को भारतीय हलधर किसान यूनियन की एक महत्वपूर्ण बैठक का भव्य आयोजन किया गया। बैठक में संगठन विस्तार और मजबूती को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को उत्साहपूर्ण और ऐतिहासिक बना दिया।

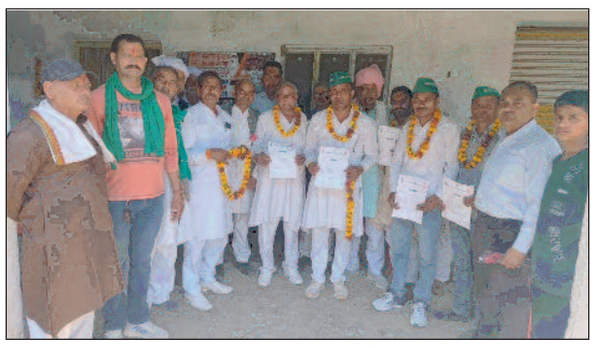

बैठक के दौरान गांव भनेड़ा निवासी रामभूल सिंह राणा को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए संगठन का शामली जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। पदभार ग्रहण करते हुए उन्होंने कहा कि वह किसानों के अधिकारों और समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। संगठन पदाधिकारियों ने उनके नेतृत्व में जिले में किसान हितों की लड़ाई को और सशक्त बनाने का भरोसा जताया।

इस अवसर पर नई जिला कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई। ऋषिपाल राणा को जिला उपाध्यक्ष, कँवरपाल सिंह को जिला महामंत्री नियुक्त किया गया। वहीं रविंदरपाल को ऊन तहसील अध्यक्ष तथा रविंदरपाल (टीटू) को तहसील उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में संगठन मंत्री राजेंद्र राणा, प्रदेश प्रवक्ता राकेश राणा और मंडल उपाध्यक्ष अर्जुन राणा विशेष रूप से मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि संगठन किसानों की समस्याओं जैसे फसल मूल्य, बिजली दरें, सिंचाई, और सरकारी योजनाओं का लाभ को लेकर लगातार संघर्षरत है और भविष्य में इसे गांव गांव तक और मजबूत किया जाएगा।

संगठन मंत्री राजेंद्र राणा ने अपने संबोधन में कहा कि किसानों की एकजुटता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। यदि किसान संगठित रहेंगे तो उनकी आवाज को अनदेखा नहीं किया जा सकता। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से सक्रिय भूमिका निभाने और किसानों की समस्याओं को प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाने का आह्वान किया।

बैठक के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर किसान हितों की रक्षा और संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में ग्राम संगठन मंत्री राजेंद्र सिंह, राकेश राणा, ब्रह्मसिंह, प्रधान इंतजार, नीटू शास्त्री, नरपत राणा, मदन राणा, प्रदीप मास्टर, यूसुफ, रविंदरपाल, सतपाल, कँवरपाल सिंह मुखिया, श्रीपाल राणा, जयपाल चौहान, देवा राणा, नीटू मनट सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

नगीना में होली जुलूस मार्गों का प्रशासनिक निरीक्षण, संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता के निर्देश

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)

होली पर्व के मद्देनजर नगीना नगर में निकलने वाले विभिन्न जुलूसों और शोभायात्राओं को लेकर पुलिस व प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। मंगलवार को प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने संयुक्त रूप से जुलूस मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों व आयोजकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्रकाश कुमार एवं अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित ने एसडीएम विजय शंकर मिश्रा तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार चतुर्वेदी के साथ नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया। अधिकारियों ने प्रस्तावित जुलूसों और शोभायात्राओं के रूट का बारीकी से अवलोकन करते हुए संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों को चिह्नित किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने आयोजकों से संवाद स्थापित कर सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था और आपसी समन्वय बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जुलूसों के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह,

हुड़दंग या कानून व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस बल को निर्देशित किया गया कि वह अपने अपने निर्धारित प्वाइंट पर सतर्कता के साथ तैनात रहे और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखे।

गौरतलब है कि नगीना में होली के अवसर पर नरसिंह देवता की पारंपरिक शोभायात्रा (जुलूस) निकाली जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। इसके अतिरिक्त रंग-गुलाल एवं गीले रंग का जुलूस भी नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरता है। इन आयोजनों को लेकर स्थानीय स्तर पर पहले से ही तैयारियां की जाती रही हैं।

अधिकारियों ने मार्गों की भौगोलिक स्थिति, संकरी गलियों, बाजार क्षेत्रों और संभावित भीड़ वाले स्थानों का विशेष निरीक्षण किया। साथ ही बिजली के तारों, अस्थायी अवरोधों और अन्य संभावित जोखिमों को भी जांचा गया, ताकि जुलूस के दौरान किसी प्रकार की दुर्घटना की आशंका न रहे। प्रशासन ने ट्रैफिक डायवर्जन योजना को भी अंतिम रूप देने के निर्देश दिए, जिससे आमजन को अनावश्यक असुविधा न हो।

संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे स्थानीय स्तर पर शांति समिति की बैठकों के माध्यम से लोगों से संवाद बनाए रखें और आपसी सौहार्द का संदेश दें।

अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि त्योहारों का उद्देश्य आपसी भाईचारे और सौहार्द को मजबूत करना है, इसलिए सभी नागरिकों का सहयोग अपेक्षित है। वहीं अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ने भरोसा दिलाया कि प्रशासन की ओर से पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी निगरानी रखी जाएगी।

निरीक्षण के दौरान मौजूद अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आयोजकों से अपील की गई कि वे निर्धारित समय और तय मार्ग का ही पालन करें तथा ध्वनि प्रदूषण के नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करें।

प्रशासनिक सक्रियता से यह स्पष्ट है कि होली पर्व को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस व प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। स्थानीय नागरिकों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए भरोसा जताया कि प्रशासनिक सतर्कता से पर्व का उल्लास सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जा सकेगा।

एपीके फाइल भेज कर ठगी करने वाले गैंग के 3 सदस्यों को थाना साइबर पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। साइबर सेल पुलिस ने ऐसे तीन ठगों को गिरफ्तार किया है, जो एपीके फाइल भेज कर लोगों के फोन को हैक कर लिया करते थे। ठग फोन को हैक करके उसका डाटा निकाल लिया करते थे। उत्तर का प्रयोग करके यह गैंग लोगों के खाते से पैसे निकाल लिया करता था। थाना साइबर सेल पुलिस ने संबंध में पिंटू, आदर्श और प्रशांत को गिरफ्तार किया है। यह गैंग झारखंड और बिहार से ऑपरेट करके लोगों को अपना निशाना बनाया करता है। थाना साइबर सेल पुलिस ने इन तीनों को विजयनगर से गिरफ्तार किया है। डीसीपी सिटी नगर धवल जायसवाल ने बताया कि थाना साइबर सेल पुलिस ने ऐसे तीन ठगों को गिरफ्तार किया है, जो टेक्स्ट मैसेज, व्हाट्सएप या सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को एपीके फाइल भेज कर ठगा करते हैं। लोग जैसे ही इनकी एपीके फाइल पर क्लिक करते हैं तो उनका फोन हैक हो जाता है। गैंग इसका फायदा उठाकर उनका डाटा निकाल लेती है और उनका अकाउंट खाली कर देती है। यह गैंग अब तक 16 राज्यों में लगभग 100 से ज्यादा वारदात एपीके फाइल भेजकर कर चुका है। पुलिस इस गैंग के अन्य साथियों की तलाश इस समय कर रही है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उन्होंने एपीके फाइल भेज कर ठगी करने का गुरु मंत्र झारखंड में अभिषेक से सीखा था। इसके लिए उन्होंने फर्जी सिम 800 से लेकर 1200 रुपए में खरीदी थी। सिम खरीदने के बाद उन्होंने लोगों को एपीके फाइल भेजनी शुरू कर दी थी और इस एपीके फाइल के माध्यम से वह ठगी की वारदात को अंजाम दिया करते थे।

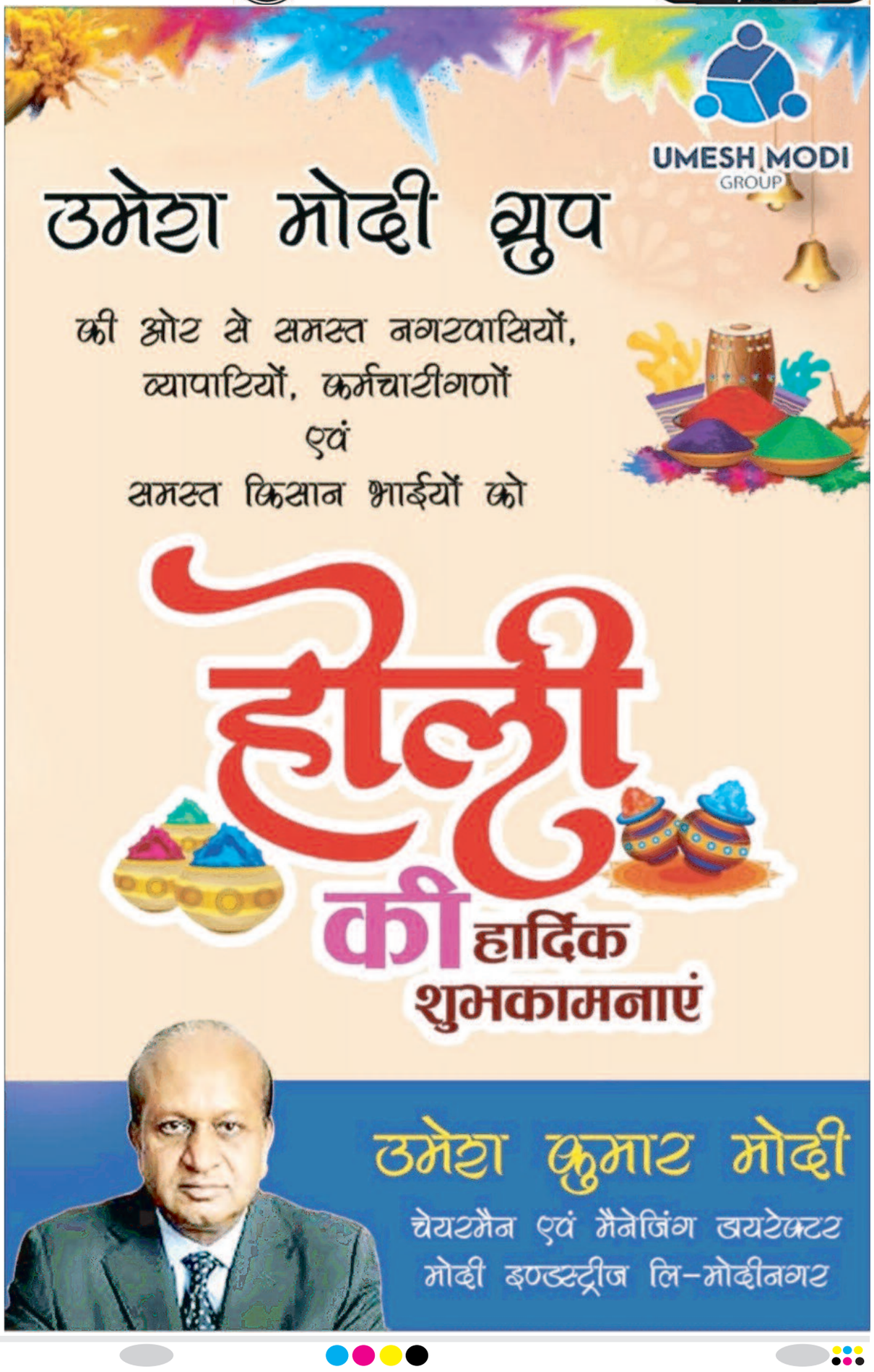

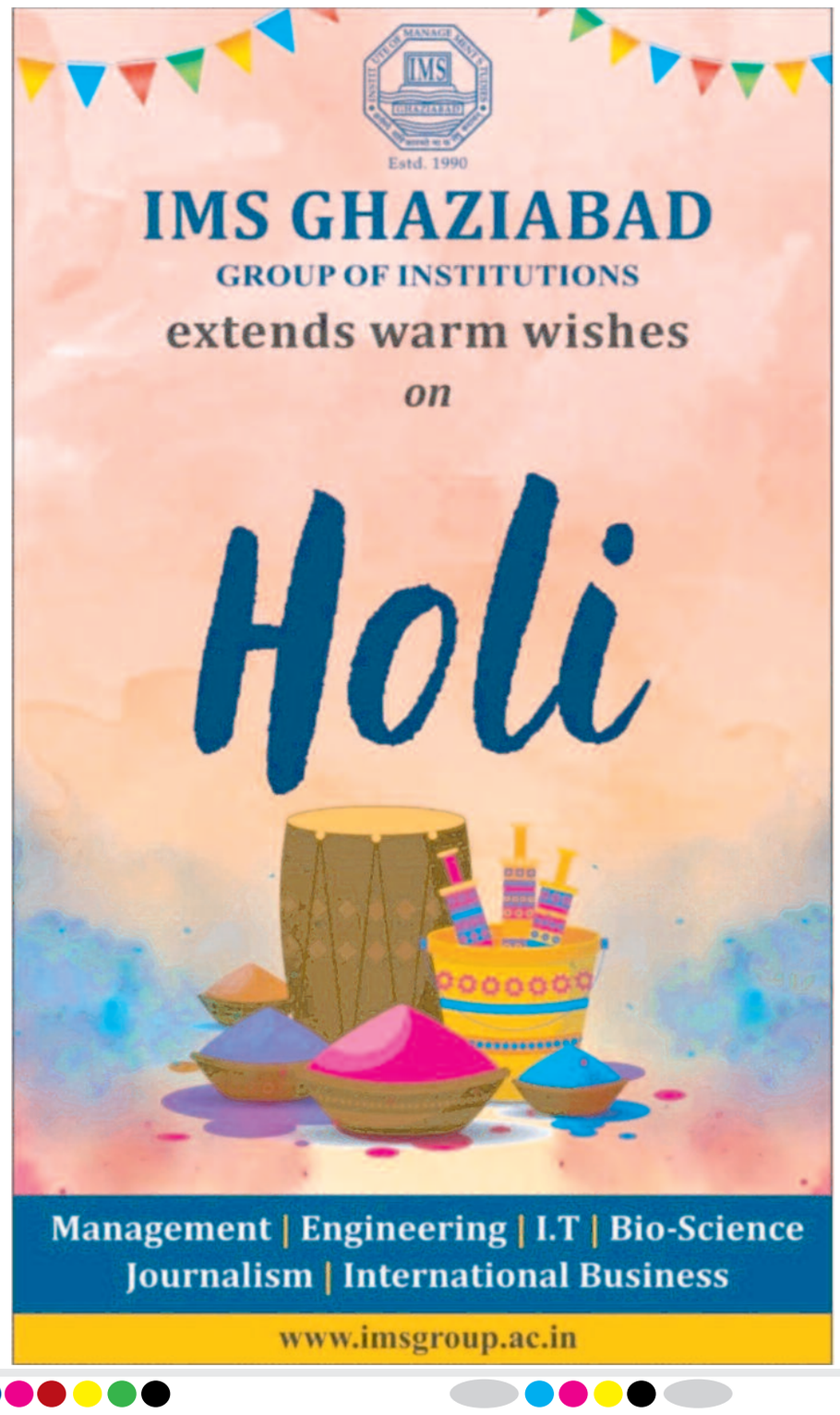

संक्षिप्त डायरी

जन्मदिन पार्टी के दौरान चली गोली में किशोर की मौत

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के कृष्णा नगर थाना इलाके में सोमवार देर शाम को जन्मदिन पार्टी मना रहे एक किशोर की गोली लगने से मौत हो गई। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। परिवार की तहरीर पर पुलिस ने किशोर के तीन दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण ने बताया कि कृष्णा नगर थाना पुलिस को सूचना मिली कि सरोजिनी नगर के ट्रांसपोर्ट नगर निवासी जमीर का बेटा उनैज (12) को जन्मदिन की पार्टी मनाने के लिए उसके दोस्त उसे अपने साथ लेकर गए थे। थोड़ी देर बाद खबर मिली कि गोली लगने से उनका बेटा घायल हो गया है, जिसे इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल भेजा गया हैं। परिजन मौके पर पहुंचे तो देखा कि उनके बेटे की मौत हो गई हैं। परिजनों ने इसे हत्या बताते हुए तीन युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया हैं। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

ट्रैक्टर-टवेरा की भीषण टक्कर, चार गंभीर घायल

प्रयागराज, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित बारा थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात ट्रैक्टर और टवेरा वाहन के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि टवेरा का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक वाहन के अंदर फंस गया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए वाहन का दरवाजा तोड़कर चालक को बाहर निकाला, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि ट्रैक्टर और टवेरा की आमने-सामने टक्कर में चार लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी स्थिति की निगरानी की जा रही है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

चंद्रग्रहण के चलते मां विंध्यवासिनी मंदिर के कपाट रहेंगे बंद

मीरजापुर, (एजेंसी)। चंद्रग्रहण को देखते हुए मंगलवार को मां विंध्यवासिनी मंदिर के कपाट निर्धारित अवधि तक बंद रहेंगे। ग्रहण समाप्ति के बाद विधि-विधान से पूजन-अर्चन और आरती के उपरांत श्रद्धालुओं को दर्शन-पूजन की अनुमति दी जाएगी। श्रीविंध्य पंडा समाज के अध्यक्ष पंकज द्विवेदी ने बताया कि सूतक काल के कारण मंदिर के कपाट दोपहर 3 बजकर 15 मिनट से रात 8 बजे तक, कुल 4 घंटे 45 मिनट के लिए बंद रहेंगे। इस दौरान मंदिर परिसर में नियमित पूजा-पाठ स्थगित रहेगा। उन्होंने बताया कि शास्त्रीय परंपराओं के अनुसार ग्रहण के समय मंदिरों के द्वार बंद कर दिए जाते हैं। ग्रहण समाप्त होने के बाद शुद्धिकरण और विशेष पूजन के पश्चात ही दर्शन की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ की जाती है। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय का ध्यान रखते हुए दर्शन की योजना बनाएं, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर बस ने कार में मारी टक्कर, 6 की मौत

हाथरस (एजेंसी)। । उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में यमुना एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर बस ने आगे चल रही ईको कार में टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। मृतक धौलपुर राजस्थान के बताए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 141 पर मंगलवार तड़के करीब 4 बजे दिल्ली से गोरखपुर जा रही एक निजी डबल डेकर बस ने आगे चल रही इको वैन कार को टक्कर मार दी। कार सवार सभी लोग दिल्ली से राजस्थान के राजाखेड़ा धौलपुर जा रहे थे। हादसे में छह लोगों की जान चली गई। इनमें चार लोगों की पहचान हो गई। मृतकों में दिनेश उनकी पत्नी सुनीता, विजय और उनकी पत्नी पिंकी बघेल के रूप में हुई। दो लोगों की शिनाख्त अब तक नहीं हो पाई है। सभी गंगोली, राजाखेड़ा राजस्थान के बताए जा रहे हैं। हादसे में इको चालक वीरेंद्र भी घायल है। इनके अलावा राजाखेड़ा के ही मनोज, आर्यन, अंशु, मृतक विजय का बेटा लक्ष्य, बेटी प्राची और उनकी साली पूनम बघेल घायल हैं। घायलों को खंदौली थाना क्षेत्र के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिए गया हैं। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में हादसा तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण हुआ प्रतीत हो रहा है। बस चालक से पूछताछ की जा रही है।

घर में फांसी के फंदे से लटकी मिली महिला की लाश

अमेठी, (एजेंसी)। अमेठी जिले के पीपरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सवनगी गांव में मंगलवार की सुबह एक महिला की लाश अपने ही घर में फांसी के फंदे से लटकती मिली। सूचना पर पहुंची थाने की पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पीपरपुर थाना प्रभारी श्रीराम पांडेय ने बताया कि सवनगी गांव में युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलने पर तत्काल घटनास्थल पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर परिवार स पूछताछ की। मृतक महिला का नाम करिश्मा पाल (27) है। उसकी अप्रैल 2025 में जनपद सुलतानपुर के थाना धम्मौर अंतर्गत नरहरपुर गांव में हुई थी। मायके पक्ष का कहना है कि ससुराल से कुछ अनबन चल रही थी इसीलिए करिश्मा पिछले नवंबर माह से अपने मायके में ही रह रही थी। फिलहाल घटना के कारणों की जानकारी स्पष्ट रूप से अभी प्राप्त नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिनी ट्रक पलटने से पत्नी की मौत, पति घायल

अमेठी, (एजेंसी)। कमरौली थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर गढ़ा गांव के पास मंगलवार को साइकिल से दवा लेने बाजार जा रहे दंपति के ऊपर अनियंत्रित मिनी ट्रक पलटा। हादसे में पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति गंभीर रूप से घायल हो गया है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस आवश्यक वैधानिक कार्रवाई में जुटी हुई है। कमरौली थाना प्रभारी मुकेश कुमार पटेल ने बताया कि सूबेदार का पुरवा मजरेबहुआ गांव निवासी वसीम अपनी पत्नी अनवरी (60)को साइकिल पर बैठाकर घर से दवा लेने के लिए निकले थे। वे अभी गढ़ा गांव के पास पहुंचे थे, तभी लखनऊ से सुल्तानपुर की ओर जा रही मिनी ट्रक पलट गया। उसके नीचे दबकर अनवरी की मौत हो गई और वसीम घायल हो गये। चालक वाहन छोड़कर भाग गया। घटना पर कुछ समय के लिए आवागमन बाधित हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घायल को ट्रामा सेंटर जगदीशपुर में भर्ती कराया। वाहन को रास्ते से हटाकर आवागमन पूरी तरह से बहाल कराया गया।

बेफिक्र होकर उपचार कराएं, सरकार देगी भरपूर आर्थिक सहायता : मुख्यमंत्री योगी

-जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर में 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

गोरखपुर, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने आए लोगों को आश्वस्त किया कि वे बेफिक्र होकर अच्छे अस्पताल में उपचार कराएं। सरकार उनको भरपूर आर्थिक सहायता देगी। मुख्यमंत्री ने इसे लेकर अधिकारियों को निर्देशित भी किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। होलिकोत्सव मनाने के लिए सोमवार को गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात की। मंदिर

परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों के पास जाकर, एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। समस्याओं के निस्तारण के लिए लोगों को आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को भरोसा दिया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का प्रभावी समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं, ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में एक व्यक्ति ने किडनी की बीमारी में धन की कमी आड़े आने की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले उससे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। कार्ड न होना बताए जाने पर उन्होंने कहा कि चिंता मत करिए। इलाज के लिए पर्याप्त आर्थिक मदद मिलेगी। अन्य कई लोग भी गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। योगी ने सभी को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी। विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता दी जाएगी। जनता दर्शन में कुछ परिजनों के साथ उनके बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने सभी को स्नेहिल आशीर्वाद के साथ चॉकलेट दीं और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

शराबी ने बड़े भाई को पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट, गिरफ्तार

औरैया, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के फफूंद थाना क्षेत्र के कुडिया अमेला गांव में बड़े भाई लालू की पीट-पीटकर हत्या करने वाले छोटे भाई गुड्डू यादव को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर लिया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पारिवारिक विवाद में रविवार को मारपीट में बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया था और अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई थी। जानकारी के अनुसार कुडिया अमेला निवासी राजेंद्र सिंह यादव के तीन पुत्र थे। सबसे बड़ा बेटा दीपु करीब 20 वर्ष पहले लापता हो गया था। दूसरा बेटा लालू (32) दिल्ली में निजी नौकरी करता था और होली के चलते एक सप्ताह पहले घर आया था। सबसे छोटा बेटा गुड्डू गांव में रहकर खेती करता है और उसे शराब पीने का आदी बताया जा रहा है। रविवार रात शराब के नशे में गुड्डू ने मां से गाली-गलौज शुरू कर दी। बड़े भाई लालू ने इसका विरोध किया तो दोनों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया और गुड्डू ने लालू को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद परिजन और पड़ोसियों की मदद से लालू को एंबुलेंस से सीएचसी दिबियापुर ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर सैफई रेफर कर दिया गया। आर्थिक तंगी के कारण परिजन उसे वापस घर ले आए। सोमवार शाम पैसों की व्यवस्था होने पर पत्नी निशा और मां उर्मिला देवी उसे सैफई लेकर जा रही थीं, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मृतक अपने पीछे छह वर्षीय पुत्र ऋषव, चार वर्षीय बेटी परी और दो वर्षीय बेटी वैष्णवी को छोड़ गया है। परिवार में कोहराम मचा हुआ है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने मंगलवार को बताया कि मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी गुड्डू यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दो चचेरे भाइयों को डंपर ने रौंदा, दोनों की मौत

महोबा, (एजेंसी)। कानपुर सागर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार दो भाइयों को कुचल दिया,दर्दनाक हादसे में दोनों भाइयों की मौत हो गई । जबकि बाइक के परखच्चे उड़ गए । त्यौहार पर हुए हृदय विदारक हादसे से मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। खुशियों के त्यौहार पर घर में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा । मंगलवार को सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। मध्य प्रदेश के छतरपुर जनपद के लवकुश नगर थाना क्षेत्र स्थित रामपुरा गांव निवासी मुन्ना कुशवाहा (40) अपने चचेरे बड़े भाई अनंतराम (45) पुत्र के साथ सोमवार को बाइक से बेटे के लिए खुजली की देशी दवा लेने के लिए महोबा जिले के मकरबई गांव गए थे। जहां से वह दवा लेकर वापस घर लौट रहे थे तभी रास्ते में कानपुर सागर राष्ट्रीय राजमार्ग में काली पहाड़ी के पास तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवारों को बुरी तरह कुचल दिया, जिसमें बाइक सवार दोनों चचेरे भाइयों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। खुशियों के त्यौहार के बीच एक ही परिवार में एक साथ दो मौतें होने से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। तो वहीं इलाके में शोक की लहर दौड़ गई ।

हर्बल रंग अपनाएं, केमिकल रंगों से दूरी बनाएं : डॉ. युगल राजपूत

कानपुर, (एजेंसी)। रंगों और उमंग से भरे पर्व होली के दौरान थोड़ी सी असावधानी त्वचा और सेहत के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। बाजार में बिकने वाले केमिकल युक्त रंग कई बार एलर्जी, जलन और खुजली जैसी दिक्कतें पैदा कर देते हैं। ऐसे रंग आंखों में चले जाने पर सूजन और जलन की समस्या भी बढ़ सकती है। इसे लेकर मेडिकल कॉलेज के चर्म रोग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. युगल राजपूत से बातचीत की गई। भड़कीले रंग दिखने में अच्छे, असर में नुकसानदेह होली में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में खासा उत्साह रहता है। लोग एक-दूसरे को गुलाल और रंग लगाकर त्यौहार की खुशियां साझा करते हैं। चिकित्सकों के अनुसार, बाजार में हर्बल रंगों के साथ-साथ रासायनिक तत्वों से बने चमकीले रंग भी खुलेआम बिक रहे हैं। ये रंग देखने में आकर्षक लगते हैं, लेकिन इनमें मौजूद केमिकल त्वचा की ऊपरी परत को प्रभावित करते हैं। कई बार इनसे त्वचा पर लाल चकत्ते, जलन, खुजली और रूखापन जैसी समस्याएं उभर आती हैं, जो आगे चलकर उपचार की जरूरत पैदा कर सकती हैं। होली खेलने से पहले और बाद में रखें खास ध्यान मेडिकल कॉलेज के चर्म रोग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. युगल राजपूत ने मंगलवार को बताया कि होली खेलने पर कोई रोक नहीं है, लेकिन एहतियात बरतना जरूरी है। रंग खेलने से पहले पूरे शरीर पर मॉइस्चराइजर, नारियल, सरसों या जैतून का तेल अथवा कोल्ड क्रीम लगाने से रंग त्वचा में गहराई तक नहीं जमते और बाद में उन्हें हटाना आसान हो जाता है। उन्होंने बताया कि रंग हटाने के लिए बार-बार साबुन या डिटर्जेंट का इस्तेमाल करने से त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है, जिससे जलन और खिंचाव बढ़ सकता है। ऐसे में हल्के क्लींजर या घरेलू उपाय जैसे दही का उपयोग अधिक सुरक्षित माना जाता है। इसके अलावा जिन लोगों को सांस या दमा से जुड़ी परेशानी रहती है, उन्हें उड़ते रंगों से दूरी बनाए रखनी चाहिए, क्योंकि ये रंग सांस की नली में पहुंचकर तकलीफ बढ़ा सकते हैं। होली के दौरान आंखों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें और रंग आंखों में चले जाने पर तुरंत साफ पानी से धो लें। इन बातों का रखें खास ध्यान होली खेलने से पहले पूरे शरीर पर मॉइस्चराइजर या तेल जरूर लगाएं। चेहरे पर हल्की क्रीम या सुरक्षित सिल्वर कलर का प्रयोग किया जा सकता है। केमिकल रंगों से बचें, हर्बल रंगों को प्राथमिकता दें। रंग छुड़ाने के लिए त्वचा को जोर से न रगड़ें। साबुन और डिटर्जेंट का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल न करें। सांस व दमा से पीड़ित लोग रंगों से दूरी बनाए रखें। चेहरे से रंग हटाने के लिए दही जैसे घरेलू उपाय अपनाएं। रंग आंखों में चले जाएं तो तुरंत साफ पानी से धोएं।

शंकराचार्य के मुद्दे पर अखिलेश-केशव आमने-सामने, डिप्टी सीएम बोले- वो हमारे भगवान, सपा प्रमुख ढोंगी

लखनऊ (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जगदुरू शंकराचार्य भगवान हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ढोंगी हैं। शंकराचार्य जहां भी जाएंगे हम रामभक्त होने के नाते उनका स्वागत करेंगे। हिंदू धर्म में शंकराचार्य का स्थान सर्वोच्च है। डिप्टी सीएम सोमवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यूपी में कानून का राज है। किसी अपराधी या गो तस्कर की इतनी हिम्मत नहीं है कि वह गोमाता की हत्या करे। गाय में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। वह समस्त सृष्टि का पालन करती है इसलिए उन्हें किसी सरकारी दर्जे की आवश्यकता नहीं है, वे स्वतः पूज्यनीय हैं। कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में विकास और सुशासन की जो लहर चल रही है उसके दम पर 2047 तक भाजपा सरकार बनी रहेगी। विपक्ष के गठबंधनों ताश के पत्तों की तरह बिखर जाएंगे। शंकराचार्य को समर्थन देना अखिलेश का राजनीतिक पैंतरा

उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा, सपा के शासनकाल में रामभक्तों और शिवभक्तों का दमन किया गया। गो तस्करों को संरक्षण मिला। अखिलेश का शंकराचार्य को समर्थन देना केवल राजनीतिक पैंतरा है ताकि वे हिंदू मतदाताओं को भ्रमित कर सकें। जब भी सपा या कांग्रेस हिंदुत्व की बात करते हैं तो वह केवल वोट बैंक की खातिर किया गया एक राजनीतिक ढोंग होता है। सपा- कांग्रेस के नेताओं पर हिंदू विश्वास नहीं करते हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एसआईआर पर कहा है कि दिन-रात चौबीसो घंटे के दबाव के अलावा प्रदेश में बीएलओ पर गलत काम करने का दबाव भी है। पहले जो दबाव फार्म 7 से सही लोगों के नाम कटवाने का था, वैसा ही दबाव अब फार्म 6 के माध्यम से नये फर्जी नाम जोड़ने का है। ऐसा गलत काम करने के लिए अधिकतर बीएलओ का मन गवाही नहीं देता है, इसीलिए वो हताश होकर आत्महत्या जैसे प्राणघातक फैसले तक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर-2026 जीवनमुक्ति के शीर्षक से आत्महत्या की चिट्ठी लिखकर ग्राम अलियाबाद, बिंदकी फतेहपुर में शिक्षामित्र बीएलओ अखिलेश कुमार सविता ने शनिवार शाम को सरकारी प्राथमिक विद्यालय के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कारण स्पष्ट रूप से एसआईआर का अत्यधिक दबाव व 10 दिन बाद होने वाली बेटी की शादी के लिए अधिकारियों द्वारा छुट्टी न देना था। अखिलेश यादव ने बीएलओ से अपील की है कि निराश-हताश न हों। आपका जीवन आप और आपके परिवार के लिए अनमोल है। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण हैं जब खलनायक बन चुकी सत्ताओं का घोर पतन दुनिया ने देखा है। उन्होंने कहा कि भाजपाई स्वयं तो निर्मम-निर्दयी हैं ही, इन्होंने अधिकारियों को भी दयहीन-संवेदनहीन बना दिया है। बेटी की शादी का भावनात्मक महत्व और जिम्मेदारी कितनी होती है

होली पर विधायक को कवि ने सुनायी 'विकास की गाथा' कविता

वाराणसी, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में नगवा क्षेत्र की शिवपुरी कॉलोनी निवासी चन्द्रनाथ ओझा के आवास पर मंगलवार को कैंट विधानसभा से विधायक सौरभ श्रीवास्तव पहुंचे और होली की अग्रिम शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कवि चन्द्रनाथ ओझा ने विधायक सौरभ श्रीवास्तव को होली पर ₹विकास की गाथा₹ कविता सुनायी। कविता कैंट क्षेत्र काशी का प्रतिनिधि हरिश्चंद्र का लाल, डॉ. ज्योत्स्ना का तपः पुत्र, विधायक नहीं- धमाल..., यह पंक्तियां सुनकर विधायक प्रसन्नचित हुए और उन्होंने कवि को धन्यवाद ज्ञापित किया। कवि चन्द्रनाथ ओझा ने कविता को आगे बढ़ाते हुए कहा कि रिकॉर्ड मतों से जीता, सबने विश्वास जताया, जन-जन सेवा का मोदी धर्म, श्री सौरभ ने अपनाया। बीएचयू, बरेका, गंगा से अस्सी-वरुणा तक छाए, छित्तूपुर-भगवानपुर तक सेवा दीप जलाए। मंडुवाडीह अब बना बनारस, ट्रेनों का उद्गम स्थान, आए दिन शूटिंग से गूँजे, चहुँओर क्षेत्र महान। क्षेत्र के वासी बाढ़ न झेलें-भागीरथ प्रयास किया, फ्लेपर गेट से बाढ़ को रोका, जन-मन में विश्वास भरा। एच.एफ.एल हो या विपदा कोई, सबका उद्धार करें, कृत्य आपका ऐसा निखरे, जन-जन आपसे प्यार करें। ओज-तेज से भरा हो जीवन, परिवार सदा सानंद रहे

सरकारी दस्तावेजों में हेरफेर कर फर्जी नामांकन की शिकायत का आरोप, इंचार्ज प्रधानाध्यापिका ने दी तहरीर

हापुड़ (शिखर समाचार) थाना सिम्भावली क्षेत्र के एक कंपोजिट विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका ने गांव के एक ग्रामीण पर सरकारी दस्तावेजों में कथित हेरफेर कर फर्जी नामांकन की शिकायत जिलाधिकारी से करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। मामले को लेकर शिक्षा विभाग में भी जांच शुरू हो गई है। जानकारी के अनुसार सिम्भावली क्षेत्र के गांव न्याजपुर खैय्या स्थित कंपोजिट विद्यालय में फर्जी नामांकन का आरोप लगाते हुए गांव निवासी रतनवीर सिंह ने जिलाधिकारी व ऑनलाइन पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया कि वर्ष 2019 में उनके पुत्र का फर्जी प्रवेश दिखाया गया और वर्ष 2020 में उसका नाम काट दिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके केवल दो बच्चे हैं, जबकि विद्यालय अभिलेखों में तीसरे बच्चे का नाम दर्ज दशार्या गया है।

इंचार्ज प्रधानाध्यापिका ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उन्होंने वर्ष 2025 में विद्यालय का कार्यभार संभाला था, जबकि शिकायत वर्ष 2019 और 2020 की घटनाओं से संबंधित है। शिकायतकर्ता द्वारा संलग्न नामांकन रजिस्टर की फोटोकॉपी को उन्होंने फर्जी बताया और कहा कि उस प्रकार का कोई रजिस्टर विद्यालय में उपलब्ध नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागीय नियमों

के अनुसार नामांकन रजिस्टर पर न तो अभिभावकों और न ही इंचार्ज के हस्ताक्षर होते हैं।

प्रधानाध्यापिका ने आरोप लगाया कि एक शिक्षक के साथ मिलीभगत कर झूठी शिकायतें की जा रही हैं। उनका कहना है कि विद्यालय का मूल नामांकन रजिस्टर सुरक्षित है और उसमें किसी प्रकार की अनियमितता नहीं है। उन्होंने संबंधित ग्रामीण पर अभद्र व्यवहार करने और दबाव बनाने का भी आरोप लगाया है।

उधर खंड शिक्षा अधिकारी योगेश गुप्ता ने बताया कि मामले में प्रधानाध्यापिका को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। जवाब मिलने के बाद जांच कर दोषी पाए जाने वाले के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस और शिक्षा विभाग दोनों स्तरों पर जांच जारी है।

खतौली में शांतिपूर्वक हुआ होलिका दहन, सीओ समेत पुलिस फोर्स ने किया पैदल मार्च

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) खतौली क्षेत्र में होलिका दहन का पर्व पूर्णतः शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। प्रशासन की मुस्तैदी और पुलिस की सतर्कता के चलते नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सभी 88 निर्धारित स्थलों पर होलिका दहन विधिवत संपन्न कराया गया।

पर्व के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया। नगर क्षेत्र में होली चौक स्थित प्रमुख होलिका दहन स्थल पर पुलिस क्षेत्राधिकारी राम आशीष यादव, कोतवाली प्रभारी दिनेश बघेल तथा नगर चौकी प्रभारी तेजवीर सिंह अपनी टीम के साथ देर शाम तक मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्वयं विभिन्न होलिका दहन स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस बल द्वारा नगर में फ्लैग मार्च और पैदल गश्त भी की गई। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

सीओ ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दिशा निदेर्शों के अनुपालन में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और आयोजकों से लगातार संवाद स्थापित किया गया। लोगों से अपील की गई कि होली का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें।

कोतवाली प्रभारी ने भी नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा जताते हुए कहा कि दुलेहंडी के दिन भी पुलिस पूरी तरह सतर्क रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि शांति व्यवस्था भंग करने या हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की सक्रियता और नागरिकों के सहयोग से क्षेत्र में होलिका दहन का पर्व हर्षोल्लास और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

शारदा यूनिवर्सिटी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया होली मिलन समारोह

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) शारदा यूनिवर्सिटी में होली मिलन समारोह उत्साह और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय परिसर रंग बिरंगे गुलाल, पुष्पों की सुगंध और खुशियों की गूंज से सराबोर नजर आया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं, प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने एक साथ मिलकर प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक विधि से हुई। इसके बाद सभी ने एक दूसरे को पुष्पों और प्राकृतिक रंगों से होली खेलकर शुभकामनाएं दीं। पूरे परिसर में होली है के स्वर गूंजते रहे। विद्यार्थियों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर आपसी प्रेम और एकता का परिचय दिया। मधुर संगीत की धुनों पर सभी ने सामूहिक नृत्य कर उत्सव का आनंद लिया और वातावरण को उल्लासमय बना दिया।

जनसंपर्क निदेशक डॉ. अजीत ने कहा कि होली का यह आयोजन विश्वविद्यालय परिवार के लिए अत्यंत विशेष है। उन्होंने कहा कि जब विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी एक साथ मिलकर त्योहार मनाते हैं तो आपसी संबंध और अधिक सुदृढ़ होते हैं। ऐसे आयोजन सभी को एक परिवार की तरह जोड़ते हैं और कार्य के साथ साथ आनंद के क्षण भी प्रदान करते हैं।

कुलसचिव विवेक गुप्ता ने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली का पर्व सदैव प्रसन्नता और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में समय समय पर सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिलता है। पुष्पों और अबीर गुलाल के साथ मनाए गए इस उत्सव ने सभी के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी।

समारोह में विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन और सौहार्द का विशेष ध्यान रखा गया तथा अंत में सभी ने एक दूसरे को सुरक्षित और सुखद होली की शुभकामनाएं दीं।

आईआईए व डीआईए होली उत्सव में उद्यमियों ने जमकर मस्ती की

हापुड़ (शिखर समाचार) धीरखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित चामुंडा पार्क में आईआईए (इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन) एवं डीआईए (धीरखेड़ा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन) के संयुक्त तत्वावधान में होली मिलन उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उद्यमियों ने भाग लेकर एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। पूरे आयोजन स्थल पर रंग, उमंग और भाईचारे का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। डीआईए अध्यक्ष मनोज गुप्ता और सचिव धीरज चुग 'सोनू' ने सभी सदस्यों एवं अतिथियों का पटका पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि होली रंगों और खुशियों का त्योहार है, जो आपसी प्रेम और सौहार्द को बढ़ावा देता है। औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत सभी उद्यमियों को मिल जुलकर ऐसे आयोजनों में भाग लेना चाहिए, जिससे आपसी समन्वय मजबूत हो। आईआईए हापुड़ चैप्टर अध्यक्ष पवन शर्मा और सचिव लवलीन गुप्ता ने कहा कि होली हमें भेदभाव भुलाकर एक-दूसरे के साथ प्रेमपूर्वक रहने की प्रेरणा देती है। यह पर्व सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने सभी उद्यमियों से उद्योग के साथ साथ सामाजिक दायित्व निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मोदीनगर और गाजियाबाद सहित आसपास के शहरों से भी उद्यमियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत संगीत की धुन पर उद्यमियों और व्यापारियों ने जमकर नृत्य किया। होली के पारंपरिक गीतों और रंगों की फुहारों ने माहौल को और भी आनंदमय बना दिया। समारोह में डीआईए चेयरमैन मनोज गुप्ता, कोषाध्यक्ष अतुल गोयल, पूर्व सचिव प्रमोद गोयल सहित अनेक उद्यमी मौजूद रहे। सभी ने एक दूसरे को होली की बधाई देते हुए आपसी एकता और सहयोग को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने औद्योगिक क्षेत्र में भाईचारे और सौहार्द का सकारात्मक संदेश दिया।

प.उ.प्र. संयुक्त व्यापार मंडल हापुड़ मंडल ने मनाया होली मिलन उत्सव

हापुड़ (शिखर समाचार) होली के पावन पर्व पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त व्यापार मंडल, हापुड़ मंडल द्वारा रेलवे रोड स्थित एक प्रतिष्ठान पर होली मिलन उत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में व्यापारियों व गणमान्य अतिथियों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी सौहार्द का संदेश दिया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेशाध्यक्ष आशु शर्मा, चेयरमैन नरेन्द्र अग्रवाल, जिला संरक्षक रविन्द्र गुप्ता तथा हापुड़ कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद पांडे उपस्थित रहे। मंडल पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों को पटका पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में रंग बिरंगे गुलाल और होली गीतों के बीच उत्साह का माहौल बना रहा। प्रदेशाध्यक्ष आशु शर्मा ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारे और एकता का प्रतीक है। यह पर्व मतभेदों को मिटाकर समाज को जोड़ने का कार्य करता है। उन्होंने व्यापारियों से सामाजिक समरसता बनाए रखने की अपील की। जिलाध्यक्ष संजय डाबर ने कहा कि होली हमें आपसी भेदभाव भुलाकर मिल जुलकर रहने की प्रेरणा देती है। व्यापार मंडल सदैव समाजहित के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है और आगे भी निभाता रहेगा। कार्यक्रम में राजेश नारंग, कपिल अग्रवाल, गौरव गोयल, अशोक शर्मा, यशपाल तनेजा, विनोद थापर, अनिल तनेजा, अमन चुग, विजय शर्मा सहित अनेक व्यापारी उपस्थित रहे। अंत में सभी ने शांति, प्रेम और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लिया।

चंद्र ग्रहण के चलते शामली में नहीं मना होली पर्व, मंदिरों के कपाट रहे बंद

शामली (शिखर समाचार) चंद्र ग्रहण के कारण मंगलवार को जिले में होली पर्व नहीं मनाया गया। ग्रहण के सूतक काल को ध्यान में रखते हुए शहर के प्रमुख मंदिरों के कपाट निर्धारित समय से पूर्व बंद कर दिए गए, जिससे श्रद्धालुओं को नियमित पूजा अर्चना से वंचित रहना पड़ा। हालांकि देर शाम जैसे ही कपाट दोबारा खोले गए, मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और लोगों ने भगवान की पूजा अर्चना कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की।

मंगलवार को चंद्र ग्रहण के चलते शहर के श्री मंदिर हनुमान टीला हनुमान धाम, शिव चौक स्थित शिव मंदिर, श्री गुलजारी वाला शिव मंदिर, बलभद्र मंदिर, सदाशिव मंदिर रेलपार तथा गढमुक्तेश्वर महादेव शिव मंदिर पंसारियान सहित अन्य प्रमुख मंदिरों के कपाट सूतक काल प्रारंभ होते ही बंद कर दिए गए। मंदिरों में सुबह 6 बजे से पूर्व भगवान को भोग लगाकर विधिवत पूजा अर्चना संपन्न कराई गई और इसके बाद श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी गई।

हनुमान धाम के प्रधान सलिल द्विवेदी ने बताया कि सुबह 6:20 बजे से सूतक काल प्रारंभ हो गया था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूतक काल के दौरान मंदिरों के कपाट बंद रखने की परंपरा है। उन्होंने जानकारी दी कि चंद्र ग्रहण का समापन शाम 6:45 बजे तक रहा। ग्रहण समाप्ति के बाद मंदिर परिसर में साफ सफाई और शुद्धिकरण की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके उपरांत रात लगभग 8 बजे तक मंदिरों के कपाट श्रद्धालुओं के लिए पुनः खोल दिए गए। कपाट खुलते ही मंदिरों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने भगवान के दर्शन कर पूजा अर्चना की और परिवार की सुख शांति व समृद्धि की प्रार्थना की।

ग्रहण के कारण प्रतिदिन दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना करना पड़ा। कई श्रद्धालुओं ने घरों में ही पूजा पाठ कर धार्मिक नियमों का पालन किया। देर शाम मंदिरों में महाआरती और प्रसाद वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे क्षेत्र में धार्मिक आस्था और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला।

बिजनौर में होली का स्थानीय अवकाश निरस्त, 5 मार्च को खुलेंगे सभी कार्यालय

बिजनौर (शिखर समाचार) जिलाधिकारी जसजीत कौर ने 5 मार्च 2026 को घोषित होली के स्थानीय अवकाश को निरस्त कर दिया है। जिला प्रशासन की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि जनहित और प्रशासनिक कार्यों की निरंतरता को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। जिला मजिस्ट्रेट ने स्पष्ट किया कि 5 मार्च 2026, दिन बृहस्पतिवार को जनपद के सभी शासकीय एवं अर्धशासकीय कार्यालय पूर्व की भांति नियमित रूप से खुले रहेंगे और समस्त कार्य सामान्य दिनों की तरह संपादित किए जाएंगे। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यह भी कहा गया है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। प्रशासन के इस निर्णय के बाद अब 5 मार्च को जनपद के सरकारी कार्यालयों में सामान्य कार्य दिवस रहेगा।

संपादकीय

मध्य पूर्व का धधकता मोर्चा : ईरान की मौजूदा स्थिति और संभावित विश्व संकट

3 मार्च 2026 को वैश्विक राजनीति का केंद्र एक बार फिर मध्य पूर्व बन गया है। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ता टकराव अब केवल बयानबाजी या सीमित सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह एक व्यापक सामरिक तनाव में बदल चुका है। बीते महीनों में जिस प्रकार आरोप प्रत्यारोप, प्रतिबंध, साइबर हमले और परोक्ष संघर्ष चलते रहे, उसने अब प्रत्यक्ष टकराव का रूप ले लिया है। आज की तारीख में ईरान आंतरिक अस्थिरता, बाहरी सैन्य दबाव और आर्थिक संकट तीनों से एक साथ जूझ रहा है। यह स्थिति केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक चिंता का विषय बन चुकी है।

ईरान के भीतर हालात सामान्य नहीं कहे जा सकते। पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण पहले से दबाव झेल रही अर्थव्यवस्था पर अब युद्धजनित परिस्थितियों ने और बोझ डाल दिया है। ईंधन, खाद्यान्न और दवाइयों की आपूर्ति पर असर पड़ा है। राजधानी तेहरान सहित कई प्रमुख शहरों में सुरक्षा चौकसी बढ़ा दी गई है। सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य गतिविधियाँ तेज हैं और आम नागरिकों में अनिश्चितता का माहौल है। सरकार राष्ट्रवाद और आत्मरक्षा की भावना को उभारते हुए जनता से एकजुट रहने की अपील कर रही है, वहीं विपक्षी स्वर यह सवाल उठा रहे हैं कि क्या यह टकराव कूटनीतिक स्तर पर टाला नहीं जा सकता था। इजराइल की ओर से ईरान पर यह आरोप लंबे समय से लगाया जाता रहा है कि वह क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा दे रहा है और अपने परमाणु कार्यक्रम के माध्यम से संतुलन बिगाड़ रहा है। अमेरिका ने भी इसी तर्क के आधार पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध और सामरिक दबाव बनाए रखा। हाल के सप्ताहों में इजराइल द्वारा लक्षित हमलों और अमेरिका की रणनीतिक समर्थन भूमिका ने इस तनाव को नई दिशा दी है। ईरान ने भी स्पष्ट संकेत दिए हैं कि वह अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय प्रभाव से पीछे हटने को तैयार नहीं है। मिसाइल परीक्षणों और सैन्य अभ्यासों के माध्यम से उसने अपनी तैयारी का प्रदर्शन किया है। इस संघर्ष का सबसे संवेदनशील पहलू ऊर्जा सुरक्षा है। फारस की खाड़ी और होरमुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाला वैश्विक तेल व्यापार किसी भी सैन्य झड़प से प्रभावित हो सकता है। यदि यह मार्ग बाधित होता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेल की कीमतों में उछाल स्वाभाविक है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देशों के लिए यह स्थिति आर्थिक दबाव बढ़ाने वाली हो सकती है। महंगाई, परिवहन लागत और औद्योगिक उत्पादन पर इसका प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ेगा। इसलिए यह संघर्ष केवल तीन देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी छाया विश्व अर्थव्यवस्था पर पड़ रही है। युद्ध की संभावना को लेकर विशेषज्ञों की राय बंटी हुई है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह तनाव सीमित दायरे में ही रहेगा क्योंकि प्रत्यक्ष युद्ध सभी पक्षों के लिए विनाशकारी सिद्ध होगा। इजराइल और अमेरिका जानते हैं कि ईरान के पास पारंपरिक और असममित दोनों प्रकार की जवाबी क्षमता है। वहीं ईरान भी समझता है कि पूर्ण युद्ध उसकी आंतरिक स्थिरता को गहरा आघात पहुँचा सकता है। परंतु इतिहास यह भी बताता है कि कभी-कभी छोटी चिंगारी बड़े विस्फोट का कारण बन जाती है। यदि किसी हमले में नागरिक हताहत अधिक होते हैं या कोई सामरिक प्रतिष्ठान गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होता है, तो प्रतिशोध की श्रृंखला नियंत्रण से बाहर जा सकती है। राजनीतिक दृष्टि से यह संघर्ष पश्चिम एशिया के शक्ति संतुलन को पुनर्परिभाषित कर सकता है। सऊदी अरब, तुर्किये, रूस और चीन जैसे देशों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

~ मौलिक चिंतन ~

कोशिश किए बिना हार मान लेना, सबसे बड़ी कायरता है।

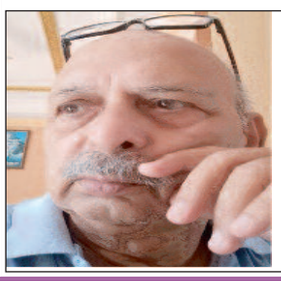

© विनय संकोची

अमेरिका और इजराइल पर भारी पड़ा ईरान?

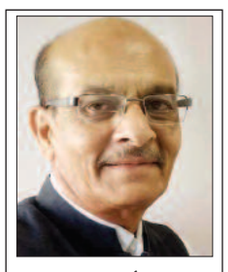

सनत जैन

ईरान पर इजराइल और अमेरिका द्वारा किए गए संयुक्त हमले के तीसरे दिन स्थिति बड़ी विकराल हो गई है। ईरान के सुप्रीमो लीडर खामेनेई की हत्या के बाद ईरान ने जिस तरह का पलटवार किया है, उससे दुनियां हैरान है। एक ही झटके में 13 देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानो पर ईरान ने हमला कर दिया। अमेरिका के सैन्य ठिकाने धू-धू कर-के जलने लगे। इन हमलों से मध्य पूर्व के इस्लामी देशों में बढ़ता तनाव एक बार फिर वैश्विक राजनीति के केंद्र में आ गया है।

ईरान ने अमेरिका और इजराइल के हमले का जवाब जिस तरह से दिया है, उसे देखते हुए अमेरिका और इजराइल भी हतप्रभ होकर रह गए हैं। पहली बार अमेरिका को पश्चिम एशिया के देशों में तनाव बढ़ने से अपने वर्चस्व को बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। ईरान की ओर से दावा किया गया है, उसने जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। बहरीन स्थित जुफैर बेस और कतर के अल उदैद एयरबेस जैसे ठिकानों पर किए गए हमले के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए जिनमें भारी नुकसान की तस्वीरें सामने आई हैं। इसके बाद सारी दुनिया में एक नई हलचल देखने को मिली। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने संकेत दिया है। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने उसकी मिसाइलों के निशाने पर हैं। दूसरी ओर, कतर ने दावा किया, पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने संभावित हमलों को विफल कर बड़े नुकसान को रोका है। ऐसे परस्पर विरोधी दावों के बीच वास्तविक स्थिति का सही अंदाजा लगा पाना कठिन है। यह भी चर्चा है कि खाड़ी क्षेत्र के लगभग 13 देशों में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी है। तनाव बढ़ने पर वह भी अप्रत्यक्ष रूप से इस संघर्ष की चपेट में आ सकते हैं। ईरान ने जो फोटो और वीडियो जारी किए हैं उसके अनुसार 13 देशों के ठिकाने धू-धू करके जल रहे हैं। अभी तक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा ईरान के दावों को सत्यापित नहीं किया गया है। युद्धकालीन माहौल में सूचनाओं का प्रवाह तेज होता है, परंतु सत्यापन की जानकारी जुटाना बहुत मुश्किल होता है।

रणनीतिक दृष्टि से देखें, तो ईरान का मुकाबला दो परमाणु-सक्षम अमेरिका और इजराइल से है। इसके बावजूद तेहरान की त्वरित जवाबी क्षमता ने यह साबित कर दिया है। युद्ध के मैदान में सैन्य संतुलन एकतरफा नहीं है। चार दिन में ईरान इस युद्ध में अमेरिका और इजराइल को बराबरी से जवाब देने में सक्षम है।

सवाल यह है, क्या यह टकराव सीमित रहेगा या व्यापक वैश्विक युद्ध के रूप में परिवर्तित हो जाएगा? इस युद्ध की शुरूआत से ही कच्चे तेल की आपूर्ति, समुद्री मार्गों को ईरान द्वारा बाधित किए जाने से वैश्विक बाजारों पर इसका प्रभाव पहले ही चार दिनों में बड़े पैमाने पर दिखने लगा है।

विशेषज्ञों का मानना है, सैन्य शक्ति के प्रदर्शन से अधिक महत्वपूर्ण कूटनीतिक उपाय अपनाने की पहल तुरंत की जानी चाहिए। यदि संवाद के रास्ते नहीं खुले, तो दावों और प्रतिदावों के बीच पूरी दुनिया को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। दुनिया भर के शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। भारत का शेयर बाजार एक तरह से क्रेस हो गया है। खाड़ी देशों में भारत का निर्यात-आयात पिछले चार दिनों से एक तरह से बंद हो गया है। लगभग 90 लाख भारतीय खाडी के देशों में काम करते हैं। इसके अलावा दुबई में भी भारतीयों का भारी निवेश है। ईरान जिस तरह से यूएई को निशाना बना रहा है उसके कारण भारत की आर्थिक सामरिक एवं राजनीतिक स्थिति पर चुनौतियां स्पष्ट रूप से दिखने लगी हैं। अमेरिका ईरान युद्ध शुरू होने के बाद जिस तरह से भारत के शेयर बाजार में निवेशकों को लगभग 8 लाख करोड रुपए का नुकसान 1 दिन में उठाना पड़ा है, वैश्विक व्यवस्था में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में जो रोक लगी है, सारी दुनिया का आयात और निर्यात व्यापार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है, इसको लेकर आर्थिक विशेषज्ञों द्वारा यह आशंका जताई जा रही है कि यह युद्ध जल्द बंद नहीं हुआ तो सारी दुनिया के देश आर्थिक मंदी के शिकार हो जाएंगे।

इसके साथ-साथ तृतीय विश्व युद्ध जैसी स्थितियां बनते देर नहीं लगेंगी। सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है भारत स्वयं एक पार्टी बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजाराइल दौरे के तुरंत बाद ईरान पर हमला किया गया है। भारत की विदेश नीति में अब भारत का झुकाव अमेरिका और इजराइल की तरफ है। ऐसी स्थिति में भारत के ईरान और खाड़ी देशों के साथ बेहतर संबंध होते हुए भी भारत की मध्यस्थ के रूप में कोई भूमिका सामने नहीं आ रही है। उल्टे इस युद्ध में भारत को युद्ध में शामिल नहीं होते हुए भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। खाड़ी के देशों में लगभग 90 लाख से ज्यादा भारतीय नागरिक कार्यरत है उनसे विदेशी मुद्रा भी भारत को मिलती थी अब उनकी जान जोखिम में है। कच्चे तेल और गैस के दामों में जिस तरह की तेजी देखने को मिल रही है, शेयर बाजारों में जिस तरह से गिरावट का दौर देखने को मिल रहा है उससे स्पष्ट हो गया है, इस युद्ध का असर भारत पर सबसे ज्यादा पड़ने वाला है। भारत सरकार को बहुत सजग रहने की जरूरत है।

राग, रंग, रस,संस्कृति और हर्षोल्लास का महापर्व-होली

बिनोद कुमार सिंह

सदाआनंद रहें यही द्वारे, मोहन खेले होरी हो... भारत पर्व-त्योहारों का देश है -विविधताओं से भरा, .किंतु सांस्कृतिक आत्मा से एकसूत्र में गुँथा हुआ।इसी सांस्कृतिक चेतना के विराट आकाश में यदि कोई उत्सव अपनी बहुरंगी छटा,लोक ध्वनि,पौराणिक स्मृतियों और प्रेमरस की मधुरता के कारण सर्वाधिक जीवंत प्रतीत होता है, तो वह होली है।होली केवल रंगों का उत्सव नहीं,यह ऋतु-परिवर्तन का सांस्कृतिक विधान, लोकजीवन का उत्स, संगीत और किंदन्तियों का आलोक तथा सामाजिक समरसता का सजीव प्रतीक है।

फाल्गुन के आगमन के साथ जब शीत ऋतु की कठोरता शिथिल पड़ती है,आम्र-मंजरियों की सुगंध वातावरण में घुलती है और प्रकृति नवयौवन से दीप्त होती है, तब भारतीय जनमानस में होली की स्मृतियाँ और परम्पराएँ जाग उठती हैं। यह केवल मौसम का परिवर्तन नहीं,जीवन के नवोन्मेष का संकेत है-जड़ता से चेतना की ओर, संकुचन से विस्तार की ओर।होली का पौराणिक आधार भारतीय मानस में गहरे प्रतिष्ठित है।भक्त प्रह्लाद,असुरराज हिरण्यकशिपु और होलिका की कथा धर्म और अधर्म, आस्था और अहंकार के शाश्वत संघर्ष की प्रतीक है।फाल्गुन पूर्णिमा की रात्रि को प्रज्वलित होलिका- दहन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं,अपितु आत्मशुद्धि और सामाजिक चेतना का संस्कार है। अग्नि की परिक्रमा करते समय व्यक्ति अपने अंतःकरण की नकारात्मकताओं को त्यागने और सत्य, करुणा तथा नवजीवन का संकल्प लेने का भाव जगाता है।कृषि-संस्कृति से जुड़े समाज में यह पर्व नई फसल के स्वागत का भी प्रतीक रहा है।खेतों की हरियाली, श्रम की सार्थकता और सामूहिक उल्लास - ये सब होली की अग्नि में मानो संस्कारित होते हैं। इस प्रकार होली केवल पौराणिक स्मृति नहीं, ग्रामीण जीवन की धड़कन भी है।

ब्रजभूमि में होली का स्वरूप विशिष्ट सांस्कृतिक आयाम ग्रहण करता है। मथुरा,वृंदावन और बरसाना की होली भारतीय लोकपरम्परा का सजीव उदाहरण है। यहाँ यह उत्सव केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि राधा-कृष्ण की प्रेमलीलाओं की सांस्कृतिक पुनर्रचना है।बरसाना की लठमार होली में स्त्रियाँ पारम्परिक परिधान धारण कर लाठियों के साथ प्रतीकात्मक नृत्य-नाट्य प्रस्तुत करती हैं और पुरुष ढाल लेकर उस रसपूर्ण परम्परा को निभाते हैं।यह आयोजन केवल हास्य-परिहास नहीं, लोकनाट्य की सशक्त अभिव्यक्ति है,जिसमें प्रेम का अल्हड़पन और सामाजिक संवाद का सहज स्वर मिलता है।

वृंदावन के मंदिरों में फूलों की होली का विशेष महत्व है। पुष्पवर्षा के बीच गाए जाने वाले होरी-गीत वातावरण को भक्ति और श्रृंगार-रस से परिपूर्ण कर देते हैं। ह्लआज बिरज में होरी रे रसियाह्व जैसे पद केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्मृति के संवाहक हैं।उनमें राधा का मान, कृष्ण की चंचलता, गोपियों की अनुरक्ति और ब्रज की रसमयी चेतना सजीव हो उठती है।

होली के साथ जुड़ी एक अन्य किंदन्ती शिव-पार्वती से भी सम्बद्ध है। फाल्गुन की मादकता में जब कामदेव ने भगवान शिव की तपस्या भंग करने का प्रयास किया,तब शिव के तृतीय नेत्र की ज्वाला से उसका दहन हुआ।किंतु रति के करुण विलाप से प्रसन्न होकर शिव ने उसे अनंग रूप में पुनर्जीवन दिया। इस कथा में काम,संयम और करुणा का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है - जो होली के प्रेमरस को एक आध्यात्मिक आधार प्रदान करता है।

भारतीय शास्त्रीय संगीत में भी होरी का विशिष्ट स्थान है।धमार,ठुमरी और दादरा जैसी शैलियों में होली के पदों का गायन होता रहा है। श्रृंगार और भक्ति का यह अद्भुत संगम भारतीय संगीत परम्परा की गहराई को दर्शाता है।लोक और शास्त्र का यह सेतु ही हमारी सांस्कृतिक पहचान है।

उत्तर भारत में फाग या फगुआ के नाम से प्रचलित लोकगीत होली की आत्मा हैं।ढोलक,मंजीरा और झांझ की थाप पर गूँजते ये गीत समाज को एक सूत्र में बाँधते हैं। अवध में चौताल और धमाल की परम्परा,बिहार और पूर्वांचल में फगुआ की विशिष्ट शैली, राजस्थान में गेर नृत्य - ये सभी होली के विविध रंग हैं।पंजाब में आनंदपुर साहिब में आयोजित होला मोहल्ला सामुदायिक अनुशासन और शौर्य का प्रतीक है।पश्चिम बंगाल में डोल पूर्णिमा के अवसर पर कीर्तन और सांस्कृतिक शोभायात्राएँ इस पर्व को भक्ति और संगीत से आलोकित करती हैं।इस प्रकार क्षेत्रीय विविधताएँ मिलकर राष्ट्रीय एकता का विराट स्वर रचती हैं।प्रकृति से जुड़ी रंग-परम्परा भी होली की विशिष्ट पहचान रही है।टेसू या पलाश के फूलों से केसरिया रंग,गुलाब और कचनार की पंखुड़ियों से गुलाल,हल्दी और चंदन का प्रयोग - ये सब केवल सौंदर्य के लिए नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और पवित्रता के प्रतीक थे।रंगों की यह सृष्टि प्रकृति के प्रति संवेदन शीलता और सामूहिक श्रम की संस्कृति को पुष्ट करती थी।

सामाजिक दृष्टि से होली समता और संवाद का पर्व है।रंग लगाने की परम्परा यह संदेश देती है कि बाह्य भेद अस्थायी हैं; अंतःकरण का प्रेम ही शाश्वत है।ग्रामीण समाज में इस अवसर पर पुराने विवाद भुलाकर मेल-मिलाप की परम्परा रही है।समय के साथ होली का स्वरूप परिवर्तित अवश्य हुआ है। शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली ने इसकी अभिव्यक्ति को नया रूप दिया है - तेज ध्वनि वाले संगीत,कृत्रिम रंग और भव्य आयोजनों के माध्यम से।किंतु इसके मूल में स्थित प्रेम, उल्लास और सांस्कृतिक चेतना आज भी अक्षुण्ण है।

ब्रज की रसमयी होली,बरसाने की लठमार परम्परा,अवध का फाग,बिहार का फगुआ,राजस्थान की गेर,पंजाब का होला और बंगाल की डोल-ये सभी मिलकर होली को राष्ट्रीय सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बनाते हैं।विविधता में एकता का यह स्वरूप भारतीय संस्कृति की आधारशिला है।फाल्गुन की मदमस्त बयार में जब ढोलक की थाप और फाग के स्वर गूँजते हैं,तब प्रतीत होता है कि होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय समाज की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। इसमें पौराणिक स्मृति,लोककला, संगीत,प्रकृति और सामाजिक समरसता का अद्भुत सामंजस्य दिखाई देता है।

इसीलिए होली सदियों से हमारी सांस्कृतिक धारा में अविरल प्रवाहित है और आगे भी प्रेम,राग और रस के साथ समाज को एक सूत्र में बाँधती रहेगी-मानो हर द्वार पर यही मंगल कामना गूँजती रहेः

'सदाआनंद रहें यही द्वारे, मोहन खेले होरी हो।'

युद्ध नहीं, शांति ही बदलती दुनिया की अनिवार्य अपेक्षा

ललित गर्ग

निश्चित तौर पर युद्ध किसी भी देश के लिए स्थायी लाभ का माध्यम नहीं बन सकता। इतिहास गवाह है कि शक्ति-प्रदर्शन से अस्थायी विजय मिल सकती है, किंतु स्थायी शांति केवल न्याय, संवाद और सहयोग से ही आती है। नई बनती दुनिया को यदि स्थिर और मानवीय बनाना है, तो उसे हथियारों की दौड़ से आगे बढ़कर सहअस्तित्व की संस्कृति अपनानी होगी।

नई बनती दुनिया का चेहरा जितनी तेजी से बदल रहा है, उतनी ही तेजी से वैश्विक असुरक्षा की भावना भी गहराती जा रही है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं है, बल्कि वह एक ऐसे वैश्विक असंतुलन का संकेत है जिसमें शक्ति संतुलन की पुरानी व्यवस्थाएं टूट रही हैं और नई विश्व-व्यवस्था अभी स्थिर रूप नहीं ले सकी है। जब महाशक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष युद्ध में उतरती हैं, तब उसका प्रभाव सीमाओं से परे जाकर समूची मानवता को प्रभावित करता है। ऊर्जा बाजार, आपूर्ति श्रृंखलाएं, मुद्रा विनिमय दरें, शेयर बाजार, खाद्य सुरक्षा, शांतिपूर्ण मानव जीवन और कूटनीतिक समीकरण-सब कुछ अनिश्चितता के घेरे में आ जाता है। मध्यपूर्व में किसी भी बड़े युद्ध का पहला असर तेल आपूर्ति पर पड़ता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाली वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति यदि बाधित होती है तो तेल की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देश के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती लेकर आती है-एक ओर आयात बिल बढ़ता है, दूसरी ओर महंगाई और राजकोषीय दबाव में वृद्धि होती है। यदि कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं तो परिवहन, उर्वरक, बिजली और विनिर्माण लागत में वृद्धि अनिवार्य है, जिसका सीधा असर आम नागरिक की जेब पर पड़ता है। वैश्विक वित्तीय बाजार पहले ही अनिश्चितता से जूझ रहे हैं, ऐसे में लंबा खिंचता युद्ध निवेश और विकास की गति को भी धीमा कर सकता है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था की परीक्षा है। ऐसे समय में युद्ध को तेज करने के बजाय उसे रोकने की कोशिशों को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। दोनों पक्षों से परिपक्वता और संयम की अपेक्षा है, विशेषकर अमेरिका से, जो स्वयं को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में देखता है और जिसे शक्ति के साथ-साथ जिम्मेदारी का भी परिचय देना चाहिए। एक तेल उत्पादक देश के रूप में ईरान का अस्तित्व और स्थिरता विश्व अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है; वहां की अस्थिरता ऊर्जा बाजार से लेकर विकासशील देशों की वित्तीय संरचना तक को प्रभावित कर सकती है। हालिया हमलों में सैकड़ों लोगों के मारे जाने, हजारों के घायल होने और बड़ी संख्या में लोगों के फंसे होने की खबरें मानवता के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। ईरान में शीर्ष नेतृत्व पर हमलों और उसके बाद तेहरान आदि मुस्लिम देशों की तीखी प्रतिक्रियाओं ने पश्चिम एशिया के हालात को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा; इसका प्रभाव दक्षिण एशिया की भू-राजनीति, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, वैश्विक कूटनीतिक संतुलन और विश्व अर्थव्यवस्था पर दूरगामी होगा।

युद्ध आर्थिक संकट ही नहीं लाता, वह सामाजिक ताने-बाने को तोड़ता है, सांस्कृतिक संवाद को बाधित करता है और राष्ट्रों के बीच अविश्वास की दीवारें ऊंची करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि बदलती दुनिया में सह-अस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की भावना को पुनर्जीवित किया जाए। शक्ति प्रदर्शन के स्थान पर समझदारी, प्रतिशोध के स्थान पर कूटनीति और वर्चस्व के स्थान पर साझी जिम्मेदारी-इन्हीं मूल्यों से विश्व को स्थिरता मिल सकती है। यह संघर्ष केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैचारिक और भू-राजनीतिक भी है। यूक्रेन संकट के बाद विश्व पहले ही ध्रुवीकरण की दिशा में बढ़ चुका था। अब यदि पश्चिम एशिया में स्थायी अस्थिरता पैदा होती है तो वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संतुलन साधना कठिन हो जाएगा। भारत एक ओर अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध भी रहे हैं। इसके साथ ही इजरायल के साथ रक्षा और तकनीकी सहयोग भी मजबूत हुआ है। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ खुलकर खड़े होना भारत की बहुस्तरीय विदेश नीति के लिए जटिल प्रश्न बन सकता है।

भारत की विशेष चिंता यह भी है कि मध्यपूर्व में लगभग 90 लाख भारतीय कार्यरत हैं। यदि युद्ध की आग फैलती है तो न केवल उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ेगी, बल्कि भारत को मिलने वाली अरबों डॉलर की प्रेषण राशि पर भी प्रभाव पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, लाल सागर और खाड़ी क्षेत्र में समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ने से व्यापारिक शिपमेंट महंगे हो सकते हैं। यह परिस्थिति भारत के विकास पथ पर दबाव डाल सकती है, जो अभी विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है। ऐसे समय में भारत की भूमिका केवल एक प्रभावित राष्ट्र की नहीं, बल्कि एक संभावित मध्यस्थ और संतुलनकर्ता की भी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में बहुध्रुवीय कूटनीति की जो नीति अपनाई है, वह इसी प्रकार की जटिल परिस्थितियों में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। भारत ने एक ओर अमेरिका के साथ सामरिक साझेदारी को सुदृढ़ किया है, वहीं रूस से ऊर्जा सहयोग बनाए रखा है और पश्चिम एशिया के देशों के साथ भी संतुलित संबंध कायम रखे हैं। यह ह्यरणनीतिक स्वायत्तताह्ण की नीति भारत को किसी एक खेमे में बंधने से बचाती है। भारत का यह दृष्टिकोण उसे संवाद और शांति प्रयासों के लिए विश्वसनीय मंच प्रदान कर सकता है।

भारत इस समय ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, जिसमें ईरान भी सदस्य बन चुका है। यह मंच वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त करने का अवसर देता है। यदि भारत इस मंच के माध्यम से युद्धविराम, संवाद और बहुपक्षीय समाधान की पहल करता है, तो वह न केवल अपनी कूटनीतिक विश्वसनीयता बढ़ा सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी योगदान दे सकता है। संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता या सीमित प्रभाव के बीच मध्यम शक्तियों की भूमिका बढ़ना स्वाभाविक है। भारत, जो स्वयं उपनिवेशवाद और शीत युद्ध की राजनीति से सीख लेकर उभरा है, शांति-आधारित बहुपक्षवाद का पक्षधर बन सकता है। दूसरी ओर, दक्षिण एशिया में भी चुनौतियां कम नहीं हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और आंतरिक अस्थिरता का प्रभाव भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन पर पड़ सकता है। यदि पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ती है और साथ ही दक्षिण एशिया में भी उथल-पुथल होती है, तो भारत को दो मोर्चों पर रणनीतिक सतर्कता रखनी होगी। आतंकवाद, कट्टरता और अवैध हथियारों का प्रसार ऐसे वातावरण में बढ़ सकता है। अतः भारत के लिए यह समय केवल आर्थिक प्रबंधन का नहीं, बल्कि सुरक्षा और कूटनीतिक संयम का भी है।

समाधान क्या हो सकता है? प्रथम, युद्धविराम और संवाद की बहुपक्षीय पहल को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वैश्विक शक्तियों को यह समझना होगा कि स्थायी शांति केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि राजनीतिक समझौते और पारस्परिक सम्मान से आती है। द्वितीय, ऊर्जा आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोतों और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश को तेज करना होगा, ताकि तेल-निर्भरता कम हो और भू-राजनीतिक संकटों का असर सीमित किया जा सके। तृतीय, वैश्विक संस्थाओं का पुनर्गठन आवश्यक है, ताकि वे केवल महाशक्तियों के प्रभाव का साधन न बनकर न्यायपूर्ण और प्रभावी मंच बन सकें। चतुर्थ, क्षेत्रीय संवाद मंचों-जैसे ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। भारत के लिए भी यह अवसर है कि वह ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ण की अपनी परंपरा को व्यवहार में उतारे। शांति, सहअस्तित्व और संवाद का संदेश केवल भाषणों तक सीमित न रहकर ठोस कूटनीतिक पहलों में दिखना चाहिए। यदि भारत ऊर्जा विविधीकरण, रक्षा आत्मनिर्भरता, डिजिटल और हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाता है, तो वह वैश्विक संकटों के बीच भी स्थिरता बनाए रख सकता है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सक्रियता-चाहे वह बहुपक्षीय मंचों पर भागीदारी हो या क्षेत्रीय देशों के साथ प्रत्यक्ष संवाद-भारत की अस्मिता और हितों की रक्षा के प्रयास का संकेत देती है।

निश्चित तौर पर युद्ध किसी भी देश के लिए स्थायी लाभ का माध्यम नहीं बन सकता। इतिहास गवाह है कि शक्ति-प्रदर्शन से अस्थायी विजय मिल सकती है, किंतु स्थायी शांति केवल न्याय, संवाद और सहयोग से ही आती है। नई बनती दुनिया को यदि स्थिर और मानवीय बनाना है, तो उसे हथियारों की दौड़ से आगे बढ़कर सहअस्तित्व की संस्कृति अपनानी होगी। भारत, जो स्वयं विविधता और सहिष्णुता का प्रतीक है, इस परिवर्तन का अग्रदूत बन सकता है। चुनौती बड़ी है, किंतु अवसर भी उतना ही व्यापक है-शर्त यह है कि विश्व नेतृत्व युद्ध की भाषा छोड़कर शांति की भाषा सीखे और भारत अपने संतुलित, स्वायत्त और दूरदर्शी दृष्टिकोण से इस वैश्विक उथल-पुथल में स्थिरता का स्तंभ बने।

संक्षिप्त समाचार

चंद्र ग्रहण के कारण पूरे दिन नहीं होंगे बाबा आनंदेश्वर के दर्शन

कानपुर , एजेंसी। चंद्र ग्रहण के चलते तीन मार्च को आनंदेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना और दर्शन व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है। मंदिर प्रशासन ने रविवार को इसकी सूचना जारी की। सूतक काल को ध्यान में रखते हुए भोर 4 :30 बजे होने वाली मंगला आरती के बाद मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। भक्त केवल मंगला आरती के समय ही बाबा के दर्शन कर सकेंगे। चंद्र ग्रहण दोपहर 3 :20 बजे प्रारंभ होकर शाम 6 :48 बजे समाप्त होगा। कानपुर में चंद्रोदय शाम 6 :00 बजे होगा, जिससे ग्रहण का प्रभाव लगभग 48 मिनट तक रहेगा। ग्रहण पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र एवं सिंह राशि में लगेगा और संपूर्ण भारत में दिखाई देगा। ग्रहण समाप्ति के बाद मंदिर परिसर की शुद्धि और साफ-सफाई की जाएगी। इसके बाद बाबा आनंदेश्वर का विधिवत जलाभिषेक और पूजन कराया जाएगा। शाम 7 :30 बजे भक्तों के लिए मंदिर के कपाट फिर खोले जाएंगे। शाम की भोग आरती के बाद कपाट बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद फिर से दर्शन की व्यवस्था रहेगी।

श्रमजीवी महिलाओं को किया सम्मानित

लखनऊ , एजेंसी। गोमती नगर स्थित रेल विहार कॉलोनी परिसर में रविवार को द ग्रेट शक्तिस्वरूपा उत्सव के तहत नव अंशिका श्रमदेवी शक्ति सम्मान हुआ। इसमें श्रमजीवी महिलाओं को सम्मानित किया गया। साड़ी और किचन किट दी गई। भजनों और गीतों पर महिलाओं ने नृत्य किया। नव अंशिका फाउंडेशन की संस्था की अध्यक्ष नीशू त्यागी, उपाध्यक्ष नीरा लोहानी और अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी खिलाड़ी मंजू बिष्ट ने अपने विचार रखे। अनीता, सीमा, माया, नेहा, रेखा, रंजीता, पूनम, वर्षा आदि मौजूद रहीं।

राशिद नसीम की दौलत दबाने वालों की खुलेगी कुंडली, डकार गए रकम; ठगी की बदौलत फर्श से अर्श पर पहुंचे

वाराणसी, एजेंसी। यदि राशिद नसीम को रिमांड पर लेकर पूछताछ हुई तो कई लोगों के नाम सामने आएंगे, जिन्होंने बिचौलियों की भूमिका निभाते हुए एजेंटों और किसानों का पैसा हजम किया। शाइन सिटी के पैसे से कई सफेदपोश और कॉलोनाइजर फर्श से अर्श पर पहुंच गए। लखनऊ जेल में बंद शाइन सिटी इंफ्रा के स्थानीय निदेशक मंडुवाडीह के सिंधुरिया कॉलोनी निवासी अमिताभ श्रीवास्तव की पर्सनल असिस्टेंट, पीआरओ और स्थानीय जमीन कारोबारियों को निशाने पर लिया जाएगा। सिगरा के छित्तूपुर निवासी एक कॉलोनाइजर का नाम अमिताभ श्रीवास्तव ने पूर्व में ईओडब्ल्यू की पूछताछ में लिया था, लेकिन ठोस साक्ष्य के अभाव में उक्त कॉलोनाइजर पर पुलिस हाथ नहीं डाल पाई थी। अमिताभ श्रीवास्तव और उसकी पत्नी मीरा श्रीवास्तव दोनों जेल में हैं। चौकाघाट जेल से लखनऊ जेल ट्रांसफर हुए हैं। एक-एक आरोपी पर 35 से 40 प्राथमिकी दर्ज हैं। जमानतदार के अभाव में रिहा नहीं हो पा रहे हैं। शाइन सिटी पर दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने जांच के क्रम में दिसंबर 2023 में आजमगढ़ लालगंज के पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि उद्धव सिंह उर्फ सोनू की गिरफ्तारी की थी। आरोप रहा कि 500 करोड़ रुपये वसूलने के साथ ही सोनू ने उत्तर प्रदेश, मुंबई और गुजरात में कई कमर्शियल प्लॉट और प्रॉपर्टी खरीदी थीं। सोनू सिंह ने लखनऊ से ही शाइन सिटी का कारोबार पूरे पूर्वांचल में फैलाया था। जमीन की बुकिंग कराने वाले एजेंटों को कार उपहार में देने वाले राशिद नसीम 2017 के दौरान नेपाल में पकड़ा गया था। वह जेल में बंद रहा। उसी समय उसे जेल से रिहा कराने के लिए वाराणसी से गोरखपुर तक मजबूत पैरवी हुई थी। इस बीच शाइन सिटी के मिर्जामुराद प्रोजेक्ट में जमकर ठगी हुई। इसके बाद से ही राशिद नसीम पर प्राथमिकी दर्ज होनी शुरू हुई तो उसके इनर सर्किल में शामिल लोगों ने रुपये हड़पने के साथ ही जमीन भी हड़प ली।

व्हाट्सएप के नए नियम, साइबर ठगों की आएगी आफत

हर हरकत पर रहेगी पुलिस की नजर : एडीसीपी क्राइम

आगरा , एजेंसी। नई 'सिम बाइंडिंग' गाइडलाइन से अब व्हाट्सएप के जरिए होने वाली साइबर ठगी पर लगाम कसने की तैयारी है। होली के मौके पर सक्रिय ठगों से बचने के लिए पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और 1930 हेल्पलाइन पर तुरंत शिकायत करने की अपील की है।

साइबर अपराधी कभी निवेश तो कभी नौकरी का झांसा देकर ठग रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर खातों में रकम जमा करा रहे हैं। आरोपी धोखाधड़ी के लिए व्हाट्सएप का इस्तेमाल करते हैं। पुलिस को व्हाट्सएप नंबर मिल भी जाए तो भी पकड़ना आसान नहीं होता। मगर अब नए नियम से न सिर्फ गिरफ्तारी में आसानी होगी बल्कि पीड़ितों की रकम भी वापस दिलाने में मदद मिलेगी।

केंद्र सरकार की नई गाइडलाइन के मुताबिक, जिस मोबाइल नंबर से आपने व्हाट्सएप अकाउंट बनाया है, वही सिम मोबाइल में सक्रिय होना चाहिए। सिम नहीं है, या सक्रिय नहीं है तो सर्विस बंद हो जाएगी। नया नियम एक मार्च से लागू होना था। इस नई व्यवस्था को सिम बाइंडिंग कहा जा रहा है। आगरा पुलिस के आंकड़ों की बात करें तो वर्ष 2025 में साइबर ठगी की 209 और जनवरी व फरवरी में 31 प्राथमिकी दर्ज की गईं। इनमें ज्यादातर मामले व्हाट्सएप की मदद से धोखाधड़ी के थे। अपराधी नाममात्र के पकड़े गए।

एडीसीपी क्राइम आदित्य सिंह ने बताया कि साइबर अपराधी लोगों को ठगने के लिए फर्जी दस्तावेज़ से लिए गए सिम और खातों का प्रयोग करते हैं। जिस स्थान का सिम होता है, उस स्थान पर व्हाट्सएप अकाउंट नहीं होता है।

भारत से बाहर भी व्हाट्सएप संचालित हो रहा होता है। वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क का भी प्रयोग किया जाता है। ऐसे में अपराधी को पकड़ना आसान नहीं होता है। नई व्यवस्था से अपराधियों को पकड़ने में आसानी होगी।

केस-1

अकोला, कागारौल निवासी बिजेंद्र सिंह चाहर को कमीशन का लालच देकर 11 लाख रुपये ठग लिए गए थे। उन्हें 17 दिसंबर को व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा गया। ग्रुप पर ऑनलाइन लिंक भेजकर खाते में रकम ट्रांसफर करा ली गई।

केस-2

खंदारी निवासी प्रमोद कुमारी सिंह को डिजिटल अरेस्ट कर 33 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई। उन्हें व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल किया गया। पुलिस अधिकारी बनकर धमकाया गया। पुलिस जांच में पता चला कि वाईफाई का प्रयोग कर व्हाट्सएप चलाया जा रहा था।

केस-3

हनुमान नगर, एत्माद्दौला निवासी शैलेंद्र कुमार यादव के नंबर को 4 जनवरी को एक व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा गया। पार्ट टाइम जॉब के नाम पर 11 लाख रुपये अलग-अलग खाते में जमा करा लिए गए। आरोपी व्हाट्सएप पर बात किया करते थे।

होली पर भी हैं सक्रिय, झांसे में नहीं आएं

एडीसीपी ने बताया कि त्योहार पर साइबर अपराधी ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं। ऑफर का लालच देते हैं। रिवॉर्ड पॉइंट दिलाने की बात करते हैं। निवेश का झांसा देते हैं। ऑनलाइन टिकट, होम डिलीवरी के नाम पर ठगी करते हैं। परिचित और मित्र बनकर कॉल करते हैं। खातों में रकम जमा करा लेते हैं। किसी के झांसे में नहीं आएं। अनजान व्यक्ति रकम की मांग करता है तो कॉल काट दें। अनजाने लिंक पर क्लिक नहीं करें। एपीके फाइल डाउनलोड नहीं करें। पुलिस, सीबीआई और कस्टम अधिकारी बनकर कोई डिजिटल अरेस्ट करने की बात करता है तो समझ जाएं कि ठगी होने वाली है। कॉल काट दें। किसी तरह की

किदवई नगर अग्निकांड: कपड़ा कारोबारी परिवार से मिले सांसद चंद्रशेखर आजाद

मेरठ , एजेंसी। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद चंद्रशेखर आजाद रविवार को मेरठ के किदवई नगर अग्निकांड के पीड़ित कपड़ा कारोबारी परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। उन्होंने सरकार से पीड़ित परिवार को पांच करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग की। सांसद ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। वह करीब आधा घंटा पीड़ित परिवार के यहां रहे। हाल में ही इस कपड़ा कारोबारी परिवार के छह सदस्यों की आग में जलकर मौत हो गई थी।

सांसद चंद्रशेखर पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ दोपहर 12 बजे के बाद किदवई नगर के कारोबारी इकबाल के घर पहुंचे। इकबाल अहमद को उन्होंने गले लगाकर सांत्वना दी। उनके बेटे से भी वह मिले। आजाद ने कहा कि आग्निकांड में जान गंवाने वाले छह माह से लेकर चार साल के मासूमों तक की तस्वीरें देखकर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उन्होंने राजस्थान की एक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि वहां एक बच्चे को चोट लगी थी। उस बच्चे की जगह मैंने अपने बच्चों को रख कर देखा तो एहसास हुआ कि पिता का दर्द क्या होगा। यहां तो एक साथ छह जानें चली गई हैं। उन्होंने कहा कि इस परिवार के दुख को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्हें जानकारी मिली कि इस परिवार ने इतना बड़ा नुकसान होने के बावजूद किसी भी तरह की मदद लेने से साफ निकल कर दिया। प्रदेश सरकार को चाहिए कि वह खुद आगे आकर आर्थिक रूप से टूट चुके इस परिवार की मदद करे।

कम से कम पांच करोड़ रुपये का मुआवजा इस परिवार को दे। सांद ने कहा कि वह खुद सरकार से इसकी मांग करेंगे। परिजनों ने बताया कि इस हादसे के हफ्ते भर बाद भी वह बेघर हैं। हादसे वाले दिन अफसरों ने जांच कमेटी बनाकर भेजने की बात कही थी। यह कहा था कि तब तक कोई भी घर में प्रवेश नहीं करेगा। लेकिन, अभी कोई कमेटी नहीं आई है। प्रशासन इस परिवार का दुख समझे और जांच पूरी कर जल्द से जल्द घर परिवार को सौंप दे।

23 फरवरी की शाम किदवई नगर में रहने वाले इकबाल अहमद के घर में अचानक आग लग गई थी, जिसमें उनकी एक पुत्रवधू रुखसार के अलावा पांच बच्चों की दम घुटने से मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद से ही किदवई नगर में सांत्वना देने वालों का तांता लगा है। सपा और आप के नेता मिलकर जा चुके समाजवादी पार्टी के विधायक शाहिद मंजूर, रालोद विधायक गुलाम मोहम्मद के अलावा आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी परिवार से मिलकर सांत्वना दे चुके हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा भविष्य की समस्याओं का समाधान: प्रो. पाठक

लखनऊ , एजेंसी। गोमतीनगर स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में रविवार को भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर अकादमिक कार्यक्रम हुआ। इसका उद्देश्य प्राचीन भारतीय विद्याओं की आधुनिक संदर्भ में प्रासंगिकता पर चर्चा करना और उनके संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में संवाद स्थापित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. मदन मोहन पाठक ने किया। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों का समाधान भी अपने भीतर समेटे हुए है। आधुनिक समस्याओं के समाधान के लिए पारंपरिक ज्ञान को समझना और अपनाना आवश्यक है।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रियव्रत मिश्र ने भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयामों विज्ञान, दर्शन, गणित और आयुर्वेद पर विस्तार से प्रकाश डाला। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारतीय जीवन दर्शन और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियां अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं। इन विधाओं को आधुनिक शिक्षा प्रणाली के साथ जोड़ने की आवश्यकता है। ताकि नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ सके। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. सर्व नारायण झा ने भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण और संवर्धन को समय की प्रमुख आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि प्राचीन ग्रंथों में निहित ज्ञान को समाज और लोक-कल्याण के लिए व्यापक स्तर पर प्रसारित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में शिक्षक, शोधार्थी और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। व्याख्यान के बाद आयोजित विचार-विमर्श सत्र में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया।

संपत्ति के लिए बेटे ने खेला खूनी खेल, माता-पिता, दादी और बहन को कुल्हाड़ी से काट डाला

बहराइच , एजेंसी। संपत्ति के लिए बेटे ने खूनी खेल खेला। माता-पिता, दादी और बहन को कुल्हाड़ी से काट डाला। वहीं दो की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना से गांव में सनसनी फैल गई। भारी पुलिस बल तैनात है।

यूपी के बहराइच में रविवार की आधी रात करीब 1:30 बजे पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। संपत्ति के मामले को लेकर शुरू हुई कहासुनी में बेटे ने कुल्हाड़ी से हमला करके माता-पिता, दादी और बहन को मौत के घाट उतार दिया। चीख-पुकार सुनकर पहुंचे बड़े भाई ने विरोध किया तो उस पर भी छोटे भाई ने हमला कर कर दिया। इससे वह भी घायल हो गया। संघर्ष में हमलावर भाई भी घायल हुआ है।

घटना रुपईडीहा थाना क्षेत्र के रामनगर गांव की है। ग्रामीणों की सूचना पर, चौकी प्रभारी बाबागंज शिवेश कुमार शुक्ला व 112 पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चरदा भेजा। वहां चिकित्सकों ने दादी शीतला देवी (82), पिता बदलूराम (62), मां संजू देवी (60) तथा बहन पार्वती (35) के मृत होने की पुष्टि की। वहीं हमले में गंभीर रूप से घायल गुरुदेव (33) तथा निरंकार (27) को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। निरंकार की हालत नाजुक देखते हुए उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर के लिए रेफर किया गया है।

मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा है : तड़के पहर ही थाना प्रभारी आरएस रावत, क्षेत्राधिकारी पहुप सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद त्रिपाठी तथा पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। हालांकि, हर पहलू पर जांच की जा रही है।

वहीं, फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। घर के भीतर खून के निशान और टूटी-फूटी वस्तुएं बिखरी मिली हैं। घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी घर के बाहर से बरामद की गई है। एहतियातन अतिरिक्त पुलिस बल और पीएसी के जवानों को तैनात किया गया है।

इजराइल में फंसे यूपी के 6 हजार से अधिक श्रमिक, पूरी तरह सुरक्षित; दूतावास से संपर्क में सरकार

लखनऊ, एजेंसी। इजराइल में यूपी के 6 हजार से ज्यादा श्रमिक फंसे हैं। हालांकि वह पूरी तरह सुरक्षित हैं। प्रदेश सरकार तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास से लगातार संपर्क में हैं। 24×7 हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। श्रमिकों को सुरक्षित स्थानों पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

मध्य एशिया में मौजूदा तनावपूर्ण हालात के बीच इजराइल में कार्यरत उत्तर प्रदेश के 6004 निर्माण श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर योगी सरकार पूरी तरह सतर्क है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि सभी श्रमिक सुरक्षित हैं और उनकी स्थितिपर लगातार निगरानी रखी जा रही है। ये सभी श्रमिक वर्ष 2024 में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और इजराइल की सरकारी संस्था पॉपुलेशन, इमिग्रेशन एंड बॉर्डर अथॉरिटी (पीआईबीए) के माध्यम से चयनित होकर इजराइल की विभिन्न निर्माण परियोजनाओं में काम के लिए भेजे गए थे।

तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास द्वारा जारी सुरक्षा परामर्श के अनुसार सभी भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने, स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने और अनावश्यक आवाजाही से बचने की सलाह दी गई है। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एम.के. शन्मुगा सुन्दरम् ने इजराइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह से फोन पर वार्ता की। राजदूत ने अवगत कराया कि स्थिति नियंत्रण में है और दूतावास सभी भारतीय श्रमिकों के संपर्क में है। प्रथम सचिव डॉ. गारिका तेजेश्वर ने भी आश्वस्त किया कि अधिकांश भवनों में सुरक्षा शेल्टर उपलब्ध हैं और श्रमिकों को सुरक्षित स्थानों पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : राजभर : श्रम, सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने श्रमिकों और उनके परिजनों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार सभी श्रमिकों की सुरक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

विभाग राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और भारतीय दूतावास के साथ निरंतर संपर्क में है, ताकि किसी भी परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। निदेशक, सेवायोजन नेहा प्रकाश और अपर निदेशक पीके पुंडीर ने भी एनएसडीसी अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था की निरंतर समीक्षा के निर्देश दिए हैं।

भारतीय दूतावास, तेल अवीव (इजराइल) द्वारा 24 घंटे संचालित हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं: +972-54-7520711, +972-54-2428378। इसके साथ ही पीआईबीए ने भी हेल्पलाइन नंबर 1-700-707-889 जारी किया है, जिसका संचालन सेंटर फॉर इंटरनेशनल माइग्रेशन एंड इंटीग्रेशन कर रहा है।

ईरान संकट के चलते लखनऊ से खाड़ी के देशों की सभी फ्लाइट हुईं रद्द

लखनऊ , एजेंसी। अमेरिका व इस्त्राइल की ओर से ईरान पर किए गए हमले के बाद खाड़ी देशों से लखनऊ का एयर नेटवर्क पूरी तरह कट गया है। दुबई व ईरान का एयरस्पेस बंद होने से विमानों का संचालन ठप हो गया है, जिससे लखनऊवासी खाड़ी देशों में फंसे हैं। रविवार को खाड़ी देशों को आने-जाने वाली 17 उड़ानों को निरस्त कर दिया गया। इसमें दम्माम, रियाद, आबूधाबी, शारजाह आदि एयरपोर्टों की उड़ानें शामिल हैं। आलम यह रहा कि रविवार को लखनऊ से इन देशों के लिए एक भी उड़ान रवाना नहीं हो सकी। इतना ही नहीं करीब ढाई हजार यात्रियों को अपने टिकट निरस्त करने पड़े।

चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रविवार को अलग ही नजारा देखने को मिला। नए टर्मिनल टी थ्री पर जहां से इंटरनेशनल उड़ानों का संचालन होता है, वह पूरी तरह खाली नजर आया। लखनऊ से खाड़ी देशों मस्कट, अबुधाबी, शारजाह, दम्माम, रियाद, दुबई को जाने के लिए यात्री नहीं थे। न ही इन देशों से विमान लखनऊ आ रहे थे। ईरान व दुबई का एयरस्पेस बंद होने से विमानों का संचालन पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। इसके चलते लखनऊ से खाड़ी देशों को जाने वाली नौ उड़ानों को निरस्त करना पड़ा। जबकि खाड़ी देशों से आने वाली आठ उड़ानें संचालित नहीं हुई। लखनऊ से बड़ी संख्या में रोजगार के लिए बहराइच, गोंडा, सुलतानपुर, बलरामपुर सहित आसपास के कई जिलों के लोग दुबई, सऊदी अरब सहित कई देशों को जाते हैं।

2500 टिकट हुए कैंसिल, आठ मार्च के बाद जारी होंगे टिकट : लखनऊ से खाड़ी देशों को जाने वाले विमानों के ढाई हजार टिकट रविवार को निरस्त किए गए। इसमें मस्कट, दुबई, आबूधाबी, दम्माम, रियाद आदि के विमानों के टिकट शामिल रहे। हालांकि एयरलाइनों की ओर से यात्रियों को जानकारी दी गई कि अभी हालात सामान्य नहीं हैं। ऐसे में आठ मार्च के बाद ही यात्रियों को एयर टिकट जारी किए जाएंगे।

पूछताछ काउंटरों पर उमड़ी भीड़ : लखनऊ एयरपोर्ट पर एयरलाइन कंपनियों के काउंटरों पर रविवार को भीड़ नजर आई। इसमें जिन यात्रियों की रविवार व आने वाले दिनों में फ्लाइट थे, वे परेशान नजर आए। एयरलाइन कंपनियों ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। बावजूद इसके जो लोग खाड़ी देशों में फंसे हुए हैं, उनके परिजन एयरपोर्ट पर पूछताछ काउंटरों तक पहुंचे। उनके सवालों के जवाब एयरलाइन प्रतिनिधियों ने दिए।

ट्रेवेल एजेंटों से मांग रहे मदद : लखनऊ से खाड़ी देशों को ऐसे लोग भी गए, जो कामकाज या घूमने के सिलसिले में गए थे। अचानक एयरस्पेस बंद होने से उनके सामने लौटने का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में लोग उन ट्रेवेल एजेंटों से भी मदद मांग रहे हैं, जिनसे उन्होंने टिकट बुक करवाए हैं। एयरवॉक ट्रेवेल एजेंसी के आतिफ ने बताया कि खाड़ी देशों में कई ऐसे लोग भी फंसे हुए हैं, जो दो से तीन दिन के लिए गए हुए थे और उन्हें गत दिवस वापस लौटना था। अब उनके सामने रुकने, खाने-पीने आदि का संकट पैदा होगा, इससे उनकी परेशानियां बढ़ गई हैं। मदद मांग रहे हैं।

ये फ्लाइटें हुईं निरस्त : मस्कट से लखनऊ आने वाली ओवी 705, दिल्ली से लखनऊ आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस आइएक्स 2171, अबुधाबी से लखनऊ आने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई-1416, शारजाह से लखनऊ आने वाली 6ई-1424, रियाद से लखनऊ आने वाली एक्सवाइ 333, दुबई से लखनऊ आने वाली आइएक्स 194, रियाद से लखनऊ आने वाली आइएक्स-190, दम्मा से आने वाली 6ई-098 निरस्त रहीं। वहीं लखनऊ से दुबई जाने वाली आइएक्स 193, लखनऊ से मस्कट जाने वाली ओवी 706, लखनऊ से रियाद जाने वाली आइएक्स 18 व एक्सवाइ 334, लखनऊ से दुबई जाने वाली आइएक्स 197, लखनऊ से दिल्ली जाने वाली आइएक्स 2170, आबुधाबी जाने वाली 6ई-1415, दम्माम जाने वाली 6ई-097 व शारजाह जाने वाली 6ई-1423 कैंसिल रहीं।

हाईकोर्ट ने उम्रकैद की सजा को 14 साल में बदला, कहा- वकील से एफआईआर लिखवाने से रिपोर्ट गलत नहीं हो जाती

लखनऊ, एजेंसी। हाईकोर्ट ने एक दोषी की उम्रकैद की सजा को 14 साल में बदल दिया। कहा कि वकील से स्रद्धक्रलिखवाने से रिपोर्ट गलत नहीं हो जाती है।

उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने दो महिलाओं पर एसिड हमला करके गैर इरादतन हत्या के मामले में दोषी व्यक्ति की सजा में राहत देते हुए उम्रकैद को घटाकर 14 साल के कारावास में बदल दिया है। हालांकि अदालत ने उसकी दोष सिद्धि बरकरार रखी है।

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि एफआईआर वकील की मदद से लिखवाना गलत नहीं माना जा सकता। कानूनी सहायता लेना हर व्यक्ति का अधिकार है और इससे रिपोर्ट की सच्चाई पर संदेह नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति ए.के. चौधरी की खंडपीठ ने प्रतापगढ़ निवासी जगदम्बा हरिजन की अपील पर यह फैसला सुनाया। सत्र न्यायालय ने उसे आजीवन कारावास की सजा दी थी। हाईकोर्ट ने साक्ष्यों, गवाहों के बयान और मेडिकल रिपोर्ट को सही मानते हुए दोष बरकरार रखा, लेकिन आरोपी द्वारा पहले ही लगभग 14 वर्ष जेल में बिताने के आधार पर सजा कम कर दी।

घर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ के आरोप में फरार आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, (एजेंसी)। कोतवाली थाना पुलिस ने प्रॉपर्टी विवाद के चलते घर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान गांव छांयसा निवासी त्रिलोक चंद के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, एनआईटी निवासी गुरूचरण ने पुलिस को शिकायत दी थी कि 13 अगस्त 2025 की रात करीब 11:00 बजे पड़ोसी संजीव भाटिया का फोन आया था। उन्होंने बताया कि कुछ लोग उनके घर का ताला तोड़ रहे हैं। सूचना मिलते ही वह अपने बेटों के साथ मौके पर पहुंचे तो देखा कि उदय भारद्वाज और त्रिलोक चंद पांच-छह युवकों के साथ उनके घर में मौजूद थे। जब उन्होंने ताला तोड़ने का विरोध किया तो आरोपियों ने लाठी-डंडों और रॉड से हमला कर दिया। इस दौरान घर में लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए गए और घर में रखी नगदी भी लेकर फरार हो गए। घटना के बाद कोतवाली थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी का गुरुचरण के साथ प्रॉपर्टी को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया था।

ऑपरेशन आक्रमण में 26 शराब तस्कर गिरफ्तार

पलवल, 03 मार्च (एजेंसी)। पलवल पुलिस ने ऑपरेशन आक्रमण के तहत अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। 25 मामलों में 26 आरोपियों को गिरफ्तार कर लाखों रुपये की शराब बरामद की गई। सभी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अलग-अलग थाना क्षेत्रों में एक साथ दबिश दी गई। पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला के निर्देशन में क्राइम यूनिट और थाना टीमों ने समन्वय के साथ कार्रवाई को अंजाम दिया। अभियान का उद्देश्य अवैध शराब की सप्लाई चेन को तोड़ना और तस्करी पर रोक लगाना है।थाना कैंप पलवल की टीम ने जाटोला निवासी सुरेंद्र कुमार को पिकअप गाड़ी सहित पकड़ा। वाहन से 50 पेटी अंग्रेजी शराब और 6 पेटी बीयर बरामद हुई। इसे अब तक की सबसे बड़ी खेप बताया जा रहा है। थाना कैंप पलवल में तीन, चांदहट में तीन, शहर पलवल और गदपुरी में चार-चार मामले दर्ज हुए। हसनपुर और हथीन में दो-दो, होडल में तीन, मुंडकटी में एक और सदर पलवल में तीन मामले दर्ज किए गए। कार्रवाई के दौरान 368.5 बोतल देशी, 631.5 बोतल अंग्रेजी शराब, 72 बोतल बीयर और 28 लीटर लाहन बरामद की गई। तस्करी में इस्तेमाल एक मोटरसाइकिल और स्कूटी भी जब्त की गई है। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। आगे भी अभियान जारी रहेगा और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

अपहरण कर दो लाख की फिरौती मांगने के आरोप में एक और आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, 03 मार्च (एजेंसी)। अपराध शाखा एवीटीएस-टू ने पुलिसकर्मी बताकर अपहरण कर जबरन वसूली के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जीवन नगर निवासी सन्नी के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में अर्जुन और दीपक नामक दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस के अनुसार, भूपानी निवासी अजय ने थाना भूपानी में शिकायत दी थी कि गत वर्ष 18 अगस्त को वह स्कूटी परसवार होकर अपने काम से घर लौट रहा था। भूपानी मोड़ नाला बाईपास रोड के पास एक कार ने उसकी स्कूटी को रोक लिया था । कार से उतरे दो-तीन युवकों ने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए उस पर सरिया चोरी का झूठा आरोप लगाया और जबरन गाड़ी में बैठा लिया।आरोपियों ने पीड़ित को अलग-अलग स्थानों पर घुमाते हुए मारपीट की और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर दो लाख रुपये की मांग की। डर के माहौल में अजय ने अपने भाई गुरमीत को फोन कर रुपये लाने के लिए कहा। गुरमीत 50 हजार रुपये लेकर बताए गए स्थान पर पहुंचा, जहां आरोपियों ने रकम लेकर उसे वापस भेज दिया। इसके साथ ही पीड़ित की अंगूठी और लॉकेट भी छीन लिए तथा किसी को घटना की जानकारी न देने की धमकी दी। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी सन्नी पूर्व में गिरफ्तार हो चुके आरोपी अर्जुन का भाई है। अर्जुन और दीपक ने वारदात की योजना बनाई थी । बाद में सन्नी को भी इसमें शामिल किया था। तीनों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस आरोपियों से वारदात में प्रयोग की गई कार बरामद कर चुकी है।

बोर्ड की परीक्षा शांतिपूर्ण करवाने के लिए टीमों का गठन

पलवल, 03 मार्च (एजेंसी)। पलवल में बोर्ड की परीक्षा शांतिपूर्ण करवाने के लिए टीमों का गठन किया गया है। उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने छह रूट बनाकर नोडल अधिकारी तैनात किए हैं। ये टीमें परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करेंगी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की फरवरी-मार्च 2026 की माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षाओं को लेकर जिला प्रशासन ने विशेष प्रबंध किए हैं। प्रत्येक निर्धारित रूट पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो परीक्षा शुरू होने से पहले केंद्रों का सघन निरीक्षण करेगा। जरूरत पड़ने पर वे अन्य अधिकारियों को भी टीम में शामिल कर सकेंगे। टीमों का मुख्य काम परीक्षा केंद्रों पर अनुशासन बनाए रखना और नकल पर रोक लगाना है।सभी अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त उपायुक्त को जिला नोडल अधिकारी बनाया गया है, जबकि जिला शिक्षा अधिकारी परीक्षा कार्य का समन्वय करेंगे। प्रशासन ने कहा है कि सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभाएं।

सफाई कर्मियों का सम्मान

फरीदाबाद। फरीदाबाद में होली के अवसर पर पार्षद जसवंत पवार सैनी ने सफाई कर्मियों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने सफाई कर्मचारियों के पैर धोकर उनका अभिनंदन किया और उपहार भेंट किए। पार्षद ने कहा कि वे नरेन्द्र मोदी से प्रेरित होकर यह आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल के नेतृत्व में सफाई कर्मियों के हित में काम हो रहा है। अंत में लोगों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की गई।

न्यूड वीडियो से ब्लैकमेलिंग करने वाला गिरोह

बेनकाब, पलवल साइबर पुलिस ने दो आरोपी दबोचे

पलवल। पलवल के साइबर क्राइम थाना पुलिस ने न्यूड वीडियो बनाकर लोगों को ब्लैकमेल करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो फर्जी सिम कार्ड के जरिए लोगों को जाल में फंसाकर खुद को यू-ट्यूब अधिकारी बताकर ठगी करते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजस्थान के कामा स्थित धर्मशाला गांव निवासी मुकीम तथा नूंह जिले के झेराखेड़ा गांव निवासी सरफराज खान के रूप में हुई है। साइबर क्राइम थाना प्रभारी नवीन कुमार ने मंगलवार को बताया कि 2 मार्च को हवलदार निखिल कुमार की टीम मेडिकल मोड़ क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि ठगी की वारदातों में शामिल एक युवक केएमपी पुल के नीचे आगरा की ओर जाने वाले मार्ग पर किसी का इंतजार कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर मुकीम को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी फर्जी सिम कार्ड का इस्तेमाल कर लोगों से अश्लील वीडियो कॉल करवाता था और उनका न्यूड वीडियो रिकॉर्ड कर लेता था। इसके बाद वह खुद को यू-ट्यूब अधिकारी बताकर वीडियो वायरल करने की धमकी देता और उसे हटाने के नाम पर मोटी रकम वसूलता था। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और फर्जी सिम कार्ड बरामद किए गए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की 602 पंजीकृत गौशालाओं के लिए 68 करोड़ 34 लाख रुपये की अनुदान राशि की जारी

गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सोलर ऊर्जा, ई-रिक्शा, अनुसंधान एवं कानूनी संरक्षण पर प्रदेश सरकार कर रही है तेजी से कार्य

'राष्ट्रीय गोकुल मिशन' के माध्यम से नस्ल सुधार और संरक्षण पर दिया जा रहा विशेष बल

नई दिल्ली, आईडब्ल्युएनए

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिला सोनीपत के गांव भटगांव में आयोजित राज्यस्तरीय गौशाला चारा अनुदान राशि वितरण समारोह में प्रदेश की गौशालाओं के सशक्तिकरण के लिए 68 करोड़ 34 लाख रुपये की चारा अनुदान राशि जारी की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को होली के पर्व की शुभकामनाएं भी दी।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि गौमाता हमारी संस्कृति, आस्था और संवेदनशीलता की प्रतीक हैं। गौसेवा केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण से भी जुड़ा हुआ विषय है। सरकार का उद्देश्य गौशालाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भटगांव की दोनों ग्राम पंचायतों तथा धर्मार्थ गौशाला भटगांव को 21-21 लाख रूपये देने की भी घोषण की।

सोनीपत सहित प्रदेशभर की गौशालाओं को अनुदान राशि

मुख्यमंत्री ने बताया कि सोनीपत जिले की 27 पंजीकृत गौशालाओं के लिए 5 करोड़ 60 लाख रुपये की राशि जारी की गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश की 602 पंजीकृत गौशालाओं को यह अनुदान दिया जा रहा है, जिससे हजारों गौशालाओं में आश्रय ले रहे गौवंश को चारे की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित होगी।

उन्होंने जानकारी दी कि पिछले सवा 11 वर्षों में प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत गौशालाओं को 457 करोड़ 41 लाख रुपये की अनुदान राशि दी गई थी और आज की राशि मिलाकर यह आंकड़ा बढ़कर 525 करोड़ 75 लाख रुपये से अधिक हो चुका है। यह सरकार की गौसंवर्धन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

गौशालाओं की संख्या और क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2014 तक प्रदेश में केवल 215 पंजीकृत गौशालाएं थीं, जिनमें लगभग 1 लाख 75 हजार गोवंश का पालन-पोषण हो रहा था। वर्तमान में 697 पंजीकृत गौशालाएं कार्यरत हैं, जिनमें लगभग 4 लाख बेसहारा गोवंश को आश्रय दिया जा रहा है। यह वृद्धि प्रदेश सरकार की योजनाओं और समाज के सहयोग से संभव हुई है।

सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भर बनेंगी गौशालाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की 330 गौशालाओं में सोलर ऊर्जा प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं और वर्ष 2026-27 तक सभी पंजीकृत गौशालाओं को सौर ऊर्जा आधारित परिसरों में परिवर्तित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त गौशालाओं को 2 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे उनके खर्च में कमी आएगी।

ई-रिक्शा और पंचगव्य आधारित उत्पादों को बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने बताया कि गौशालाओं को ई-रिक्शा उपलब्ध करवाने की प्रक्रिया जारी है, जिससे गौशालाएं अपने उत्पादों की मार्केटिंग कर सकें और आय बढ़ा सकें। पंचगव्य आधारित उत्पादों–जैसे जैविक खाद, प्राकृतिक पेंट, दीया, धूपबत्ती, गोबर के गमले, गो अर्क आदि–के निर्माण हेतु आवश्यक मशीनरी के लिए 101 गौशालाओं को अनुदान दिया गया है।

उन्होंने कहा कि पंचगव्य आधारित उत्पादों के अनुसंधान और विकास के लिए पंचकूला स्थित हरियाणा गोवंश अनुसंधान केंद्र की स्थापना की गई है, जो नवाचार और गुणवत्ता सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

गौवंश के स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौशालाओं में गौवंश के स्वास्थ्य की जांच के लिए नियमित पशु चिकित्सक ड्यूटी पर तैनात किए जा रहे हैं। तीन हजार से अधिक गौवंश वाली गौशालाओं में सप्ताह में एक दिन पशु चिकित्सक की ड्यूटी और छोटी गौशालाओं में वीएलडीए की सेवाएं सुनिश्चित की गई हैं। मोबाइल पशु चिकित्सालय की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

गौ-अभयारण्यों की स्थापना

प्रदेश को बेसहारा गौवंश से मुक्त करने के उद्देश्य से दो गौ-अभयारण्यों की स्थापना की गई है, जिनमें हजारों गोवंश को आश्रय देने की क्षमता है। इनके लिए करोड़ों रुपये की राशि जारी की जा चुकी है, जिससे इन गौ-अभयारण्यों में शेड, पानी और चारे की समुचित व्यवस्था की गई है।

देसी नस्लों का संरक्षण

मुख्यमंत्री ने कहा कि देसी नस्लों–हरियाणा, साहिवाल एवं बेलाही–के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष प्रोत्साहन योजना चलाई जा रही है। दूध उत्पादन क्षमता के अनुसार 5 हजार से 20 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। 'राष्ट्रीय गोकुल मिशन' के माध्यम से नस्ल सुधार और संरक्षण पर विशेष बल दिया जा रहा है।

सख्त कानून से गौवंश की सुरक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'हरियाणा गौ-वध संरक्षण एवं गोसंवर्धन अधिनियम-2015' के माध्यम से गौवंश की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। इस कानून के तहत गोहत्या और अवैध तस्करी पर सख्त दंड का प्रावधान है। सरकार गौवंश की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

समाज से सहयोग की अपील

मुख्यमंत्री ने पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सक्रिय सहयोग करें। उन्होंने कहा कि गौशालाओं के संचालन में समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। हरियाणा सरकार गौसेवा, गोसंरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत।

समारोह में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने फाल्गुन पूर्णिमा के पावन अवसर को प्रेरणा और सद्भावना का पर्व बताते हुए कहा कि जैसे होलिका दहन दुर्भावनाओं के अंत और प्रह्लाद की विजय अटूट विश्वास का प्रतीक है, उसी प्रकार गौसेवा सनातन संस्कृति की जीवंत साधना है। उन्होंने कहा कि गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का प्राण है। वेदों में गांवों विश्वस्य मातर- कहकर गाय को संपूर्ण मानवता की मातृरूप में स्वीकार किया गया है। गाय का संरक्षण केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि मानवता, पर्यावरण संतुलन, पारिवारिक सद्भाव, स्वास्थ्य और राष्ट्र समृद्धि से जुड़ा हुआ है। उन्होंने भारतीय नस्ल के देसी गौवंश के औषधीय गुणों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज विश्व के अनेक देश भी इसकी महत्ता को स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा गौशालाओं के लिए प्रति गाय प्रतिदिन के आधार पर अनुदान सुनिश्चित करने तथा बजट में गौसेवा के लिए उदार प्रावधान करने पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को विशेष शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि गौमाता का संबंध भारत की सनातन संस्कृति, परंपरा और संस्कारों से गहराई से जुड़ा हुआ है। हरियाणा की ताकत, युवाओं की शारीरिक क्षमता और सेना में उनकी उल्लेखनीय भागीदारी का आधार दूध, दही, घी और पशुपालन की समृद्ध परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि देसी गाय का दूध और घी न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि यह हमारे पांच तत्वों की पूर्ति का माध्यम भी है। गोबर और गौ-उत्पाद प्राकृतिक खेती, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि गौशालाओं के साथ-साथ प्रत्येक परिवार कम से कम एक देसी गाय अवश्य पाले, जिससे स्वास्थ्य, पोषण और आय के नए स्रोत विकसित होंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देसी गाय पालन को बढ़ावा देने के लिए 30 हजार रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री प्रदेश की 600 से अधिक गौशालाओं के प्रतिनिधियों को साथ लेकर आए हैं, जो गौसेवा के प्रति सरकार की गंभीर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डॉ. शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत लगभग तीन घंटे से अधिक का बजट ऐतिहासिक है, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, सहकारिता, लोक निर्माण, जनस्वास्थ्य सहित हर वर्ग और हर क्षेत्र के लिए बजट में बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने इसे देश का नंबर वन बजट बताते हुए कहा कि पिछले बजट का प्रभावी व्यय हुआ और इस बार और अधिक राशि का प्रावधान कर विकास को नई गति दी गई है। उन्होंने गोहाना क्षेत्र की मांगों को बजट में शामिल करने पर मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर चलते हुए हर गांव और हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का जोरदार स्वागत करते हुए कहा कि यह पावन अवसर सामाजिक समरसता, भक्ति और सकारात्मक सोच का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्रहलाद की विजय और होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है, उसी प्रकार हमें अपने जीवन से नकारात्मक विचारों को दूर कर समाज को नई दिशा देने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा कल प्रस्तुत ऐतिहासिक बजट हरियाणा के किसान, युवा, महिला और गरीब वर्ग की आवाज को मजबूती देता है तथा विकसित भारत और विकसित हरियाणा के संकल्प को साकार करने वाला है। उन्होंने बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त करते हुए इसे सोनीपत का महाकुंभ बताते हुए कहा कि आज यहां से सभी गौमाता की रक्षा और उसकी देखभाल करते हुए अपनी संस्कृति को आगे बढ़ाने का संकल्प लेकर जाएंगे।

हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग ने समारोह में पहुंचने पर मुख्यमंत्री सहित मंत्रीगण व अन्य अतिथियों का धन्यवाद किया। इस मौके पर पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, पीडब्ल्यूडी मंत्री रणबीर गंगवा, विधायक कृष्णा गहलावत, विधायक निखिल मदान, विधायक देवेंद्र कादियान, विधायक पवन खरखौदा, मेयर राजीव जैन, मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र बडखालसा, पशुपालन विभाग के महानिदेशक डॉ0 प्रेम सिंह सहित अनेक गौभक्त व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

बाजारों में होली को लेकर जबरदस्त उत्साह

फरीदाबाद। स्मार्ट सिटी के बाजारों में इन दिनों होली को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। होलिका दहन के अगले दिन मंगलवार को चंद्र ग्रहण होने के कारण इस बार होली बुधवार को धूमधाम से मनाई जाएगी। ग्रहण के चलते स्मार्ट सिटी के लोगों को होली की और बेहतर तैयारी एक दिन और मिल गया। लोगों ने मंगलवार को ही रंग खेलने और उत्सव मनाने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी वजह से बाजारों में खरीदारी का खासा उत्साह नजर आया। दोपहर से देर शाम तक रंग, पिचकारी, मास्क और टी-शर्ट की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है।इस बार बाजारों में विभिन्न तरह के आकर्षक मास्क बच्चों को खूब लुभा रहे हैं। खासतौर पर कार्टून और सुपरहीरो किरदारों के मास्क की मांग अधिक पसंद आए। बच्चों को डोरेमोन, बैटमैन और छोटा भीम के मास्क बेहद पसंद आए और उनकी खरीदारी भी की। रंग-बिरंगे और हल्के वजन वाले ये मास्क 50 से 200 रुपये तक की कीमत में उपलब्ध हैं। दुकानदारों का कहना है कि हर साल की तुलना में इस बार बच्चों की पसंद को ध्यान में रखते हुए ज्यादा वैरायटी मंगाई गई है, जिससे बिक्री में भी इजाफा हुआ है। पिचकारियों की नई वैरायटी से बढ़ा उल्लास स्मार्ट सिटी के लोगों ने होली के रंगों के साथ पिचकारियों की भी खूब खरीदारी की। बाजारों में इस बार टैंक वाली पिचकारी, गन पिचकारी और प्रेशर पंप पिचकारी सहित कई नई वैरायटी उपलब्ध हैं। बच्चों में इन पिचकारियों को लेकर खासा उत्साह देखा गया। छोटी पिचकारियां 30-40 रुपये से शुरू होकर 500 रुपये तक की उपलब्ध हैं। अभिभावक बच्चों की पसंद और बजट के अनुसार खरीदारी कर रहे हैं। इसके अलावा लोगों ने पुरानी पिचकारियां भी ठीक कराई। हैप्पी होली टी-शर्ट भी खरीदी त्योहार के रंग में रंगने के लिए लोग हैप्पी होली प्रिंटेड टी-शर्ट भी बड़े चाव से खरीदारी की। बाजार में ये टी-शर्ट 100 रुपये से लेकर 150 रुपये तक की रेंज में आसानी से मिल रही हैं। युवाओं और बच्चों में खासकर सफेद रंग की टी-शर्ट पर रंग-बिरंगे स्लोगन वाली डिजाइन अधिक पसंद की जा रही है। कई परिवारों ने एक जैसी टी-शर्ट खरीदकर सामूहिक रूप से त्योहार मनाने की तैयारी की है। गुलाल और अबीर को दी प्राथमिकता स्मार्ट सिटी के लोगों ने इस बार गुलाल और अबीर को प्राथमिकता दी है। प्राकृतिक और हर्बल गुलाल की मांग में बढ़ोतरी हुई।

पलवल के गांव गहलब स्थित गौशाला का उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने किया दौरा

पलवल, (एजेंसी)। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने मंगलवार को गांव गहलब स्थित गौशाला का दौरा किया और वहां व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का जायजा लिया। दौरे के दौरान उन्होंने गौशाला प्रबंधन से देशी नस्ल की गायों के संरक्षण, उनके स्वास्थ्य प्रबंधन तथा दूध उत्पादन बढ़ाने को लेकर विस्तार से चर्चा की। उपायुक्त ने गौशाला में गऊ माता की पूजा कर उन्हें गुड़ खिलाया। इस मौके पर उन्होंने गौशाला परिसर में स्थित त्रिवेणी मंदिर के भी दर्शन किए।

उपायुक्त ने देशी गाय के दूध की गुणवत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देशी नस्ल की गायों का दूध स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने कहा कि देशी और अन्य नस्ल की गाय के दूध का स्वाद लिया जाए तो अंतर स्पष्ट रूप से महसूस किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि महानगरों में एटू दूध की मांग तेजी से बढ़ रही है और यह ऊंचे दामों पर बिक रहा है। ऐसे में यदि उत्पादन और विपणन पर ध्यान दिया जाए तो गौशालाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

उन्होंने गौशाला प्रबंधन को निर्देश दिए कि पशुओं को नियमित रूप से उत्पादन चक्र में लाया जाए। इसके लिए नियमित हीट डिटेक्शन, स्वास्थ्य परीक्षण, डी-वार्मिंग (कृमिनाशन), टीकाकरण तथा अन्य आवश्यक चिकित्सीय देखभाल समय पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि वास्तविक सेवा तभी है जब गाय नियमित रूप से उत्पादन में आए और उसका चक्र निरंतर चलता रहे।

उपायुक्त ने देशी नस्लों जैसे रेड सिंधी और साहिवाल का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि इन नस्लों को उत्पादन में लाने का प्रयास करें और इसी आधार पर इनका वर्गीकरण किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि कम से कम 100 पशुओं पर केंद्रित एक विस्तृत शोध तैयार किया जा सकता है, जिसमें उत्पादन क्षमता, स्वास्थ्य प्रबंधन और आर्थिक लाभ का विश्लेषण किया जाएउन्होंने आश्वासन दिया कि पशुओं के उपचार हेतु आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी और इस संबंध में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उपायुक्त ने गौशाला प्रबंधन से समर्पण भाव से कार्य करते हुए देशी नस्लों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में ठोस कदम उठाने का आह्वान किया।स अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी विभाग पलवल के उप निदेशक डा. विरेंद्र राठी, उदयवीर, धर्मेंद्र, श्रवण कुमार सहित गौशाला प्रबंधन समिति के सदस्यगण सहित अन्य गणमान्य जन मौजूद रहे।

अपहरण कर जबरन वसूली करने के मामले में एक गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपहरण कर जबरन वसूली करने के मामले में अपराध शाखा एवीटीएस-2 की टीम ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सन्नी के रूप में हुई है। इससे पूर्व इस मामले में पुलिस दो आरोपितों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि भूपानी निवासी अजय ने थाना भूपानी में शिकायत दी थी।

सुबह से ही यात्रियों का जमावड़ा शुरू हो गया था, जो देर रात तक जारी रहा

होली पर घर जाने वालों की उमड़ी भीड़

फरीदाबाद, (एजेंसी)। स्मार्ट सिटी में रह रहे विभिन्न राज्यों के लोगों ने होली का त्योहार अपने परिजनों के साथ मनाने के लिए मंगलवार को बड़ी संख्या में अपने गृह राज्यों की ओर रुख किया। इसके चलते शहर के फरीदाबाद रेलवे स्टेशन और बल्लभगढ़ स्थित बस अड्डे पर दिनभर भारी भीड़ देखी गई। सुबह से ही यात्रियों का जमावड़ा शुरू हो गया था, जो देर रात तक जारी रहा। ट्रेनों में भीड़ नहीं होने पर लोगों ने लटक कर सफर किया। इसी प्रकार बसों में बैठने की जगह नहीं मिलने पर लोगों छत पर बैठकर सफर किया। बसें नाकाफी नजर आई।

रेलवे स्टेशन पर सबसे अधिक भीड़ महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब और मध्य प्रदेश जाने वाली ट्रेनों में देखने को मिली। जनरल डिब्बों में हालात ऐसे रहे कि यात्रियों को खड़े रहने तक की जगह नहीं मिली। कई लोग दरवाजों पर लटक कर यात्रा करने को मजबूर नजर आए। यात्रियों का कहना था कि त्योहार के कारण अचानक भीड़ बढ़ने से आरक्षित

टिकट मिलना भी मुश्किल हो गया। बता दें कि फरीदाबाद से बिहार के लिए सीधे ट्रेन सुविधा न होने के कारण यात्रियों को अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ा। ऐसे में कई लोग पलवल से दिल्ली के बीच चलने वाली ईएमयू ट्रेनों के जरिए दिल्ली पहुंचे। वहां से उन्होंने आनंद विहार रेलवे स्टेशन से उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाली ट्रेनों को पकड़ा। इस रूट पर भी ट्रेनों में भारी भीड़ रही। बस अड्डे पर भी अफरा-तफरी उधर बल्लभगढ़ बस अड्डे पर भी कमोबेश यही स्थिति रही। उत्तर प्रदेश और राजस्थान जाने वाली बसों में यात्रियों की लंबी कतारें लगी रहीं। सीटें भरने के बाद भी लोग बसों में चढ़ते रहे। कई यात्रियों को खड़े होकर सफर करना पड़ा, जबकि कुछ लोग बसों की छत पर बैठकर अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। बल्लभगढ़ से अलीगढ़, मथुरा और वृंदावन के लिए जाने वाली बसों में विशेष भीड़ रही। वहीं राजस्थान के भरतपुर और कोटा जाने वाली बसें भी खचाखच भरी नजर आईं। हरियाणा रोडवेज की ओर से अतिरिक्त बसें भी चलाई गई। यात्रियों की भीड़ के आगे वह बसें नाकाफी साबित हुई। दिनभर रही चहल-पहल फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पर पूरे दिन गहमागहमी का माहौल बना रहा। प्लेटफॉर्म पर यात्रियों और उनके परिजनों की भीड़ से रौनक दिखाई दी। कोई अपने घर लौटने की खुशी में था तो कोई सफर की परेशानी को लेकर चिंतित नजर आया। बच्चों और महिलाओं को भी भीड़ के बीच संभलकर चलते देखा गया। यात्रियों का कहना है कि होली जैसे बड़े त्योहारों पर हर साल भीड़ बढ़ती है, इसलिए रेलवे और परिवहन विभाग को पहले से विशेष प्रबंध करने चाहिए। हालांकि भीड़भाड़ और असुविधा के बावजूद लोगों के चेहरों पर घर पहुंचने की खुशी साफ झलक रही थी। केमिकल युक्त रंग पहुंचा सकते हैं त्वचा, आंख और बालों को नुकसान रंगों के त्योहार होली पर जहां चारों ओर उत्साह और उमंग का माहौल रहता है, वहीं स्वास्थ्य विशेषज्ञ लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। इस उत्साह और उमंग में केमिकल युक्त रंग कई बार खलल डाल देते हैं। केमिकल युक्त रंग त्वचा, आंखों और बालों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। कई बार इन रंगों के कारण एलर्जी, खुजली, जलन और आंखों में संक्रमण जैसी समस्याएं सामने आती हैं। ऐसे में हर्बल या प्राकृतिक रंगों का ही प्रयोग करना बेहतर है। पेट रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित मिगलानी के अनुसार होली पर खानपान को लेकर भी संयम जरूरी है।

भारत और इंग्लैंड की टीमें एक दूसरे को बखूबी जानती हैं : सैम करन

मुंबई (एजेंसी)। भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड के सैम करन ने कहा कि दोनों टीमें एक दूसरे के खिलाफ इतना खेल चुकी हैं कि कुछ छिपाने के लिये नहीं है लेकिन उन्हें अपनी टीम से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है । इंग्लैंड ने 2022 में भारत को सेमीफाइनल में दस विकेट से हराने के बाद खिताब जीता था जबकि भारत ने 2024 में इंग्लैंड को 78 रन से हराने के बाद खिताब जीता था।

करन ने वानखेड़े स्टेडियम पर इंग्लैंड के अभ्यास सत्र से पहले कहा, 'इस मैदान पर हम काफी खेल चुके हैं लिहाजा कुछ छिपा नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हमारे पास अभ्यास के लिये दो दिन का समय है जिससे हालात के अनुकूल ढलने में मदद मिलेगी। इन स्टेडियमों में हम इतना खेल चुके हैं कि अलग अलग हालात की आदत हो गई है। हम भारतीय खिलाड़ियों के साथ बहुत खेलते हैं तो कुछ भी छिपा नहीं है।'

इंग्लैंड का इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन उतार चढाव भरा रहा है जिसने नेपाल को बमुश्किल चार रन से हराया। सुपर आठ में पाकिस्तान को दो विकेट से मात दी। करन ने कहा, 'पिछला प्रदर्शन अब मायने नहीं रखता। यह विश्व कप सेमीफाइनल है और हम इसमें अपना परफेक्ट खेल दिखाएंगे।'

वानखेड़े स्टेडियम पर भारत के समर्थकों का शोर रहेगा लेकिन करन को पता है कि उन्हें खामोश कैसे करना है। उन्होंने कहा, 'यह शानदार स्टेडियम है। मुझे यकीन है कि बृहस्पतिवार की रात यह स्टेडियम खामोश रहेगा। भारतीय टीम शानदार है लेकिन हमारे अधिकांश खिलाड़ियों ने उसके खिलाफ और आईपीएल में खेला है। हम किसी चीज से भयभीत नहीं हैं और दोनों टीमें सेमीफाइनल की चुनौती को लेकर रोमांचित होंगी।'

मध्य पूर्व संकट: 'बहुत शुक्रगुजार हूं', भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु सुरक्षित घर लौटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण फ्लाइट ऑपरेशन सस्पेंड होने के बाद तीन दिन तक दुबई में फंसी रहने के बाद सुरक्षित घर लौट आई हैं। सिंधु मंगलवार से शुरू होने वाले मशहूर ऑल इंग्लैंड ओपन के लिए बर्मिंघम जा रही थीं और रास्ते में दुबई में उनका एक लेओवर था। लेकिन दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण फ्लाइट में बड़ी रुकावट के कारण दुबई एयरपोर्ट पर फंस गईं।

सिंधु ने X पर पोस्ट किया, 'बैंगलोर में घर वापस आ गई हूं और सुरक्षित हूं। पिछले कुछ दिन बहुत मुश्किल और अनिश्चित रहे हैं, लेकिन मैं अपने घर वापस आकर सच में बहुत शुक्रगुजार हूं। शानदार ग्राउंड टीमों, दुबई अथॉरिटीज, एयरपोर्ट स्टाफ, इमिग्रेशन और हर उस इंसान का दिल से शुक्रिया जिन्होंने इस मुश्किल समय में आगे आकर हमारा इतना अच्छा ख्याल रखा। हमदर्दी और प्रोफेशनलिज्म शब्दों से कहीं ज़्यादा मायने रखता है। अभी के लिए आराम करने, खुद को रीसेट करने और अगले कदम तय करने का समय है।'

इससे पहले सिंधु ने सोमवार को दुबई से अपना डरावना अनुभव शेयर करते हुए कहा था कि पिछले कुछ घंटे 'बहुत टेंशन वाले' रहे हैं क्योंकि दुबई एयरपोर्ट पर जहां वह और उनकी टीम छिपी हुई थीं, उसके बहुत करीब इंटरसेप्शन और धमाकों की आवाजें आ रही थीं। सिंधु ऑल इंग्लैंड ओपन में हिस्सा नहीं ले पाईं, जहां उन्हें पहले राउंड में थाईलैंड की सुपनिडा कटेथोंग से भिड़ना था, लेकिन उनके कुछ साथी शटलर बिना किसी ट्रैवल प्रॉब्लम के बर्मिंघम पहुंचने में कामयाब रहे।

आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में मंधाना शीर्ष पर पहुंची

–गेंदबाजी रैंकिंग में अलाना किंग नंबर एक पहुंची

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी हैं। मंदाना को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट दूसरे नंबर पर खिसक गयी हैं। मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़ में 58 और 31 रन रन बनाये थे जिससे उनके रेटिंग अंक 790 हो गये हैं। । इसके साथ वह वोल्वार्ड्ट के 782 अंकों से आगे निकल गयी हैं। बेथ मूनी 745 अंकों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं।

वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तान एलीसा हीली चौथे नंबर पर बनी हुई हैं। हीली ने अपने करियर के अंतिम एकदिवसीय में शतक लगाया था। हीली के 744 रेटिंग पॉइंट्स हैं जबकि बेथ मूनी के 749 और एसलीगेह गार्डनर के 724 अंक हैं। वहीं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चार स्थान ऊपर आकर शीर्ष दस में पहुंच गयी हैं। वह नौवें स्थान पर हैं। भारत की ही मिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बनी हुई हैं।

वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में भी काफी बदलाव आया है। ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर अलाना किंग 775 रेटिंग अंक के साथ नंबर-1 बन गई हैं। उन्होंने लगभग चार साल तक नंबर एक पर रहीं। सोफी ऐसलेस्टोन को पीछे छोड़ दिया। अलाना ने सीरीज़ में 16.71 की औसत से सात विकेट लिए, जिसमें तीसरे एकदिवसीय में चार विकेट शामिल हैं। इसके अलावा

ऑलराउंडरों की रैंकिंग में एशलेगाह गार्डनर 516 अंकों के साथ नंबर-1 पर हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज की हेली मैथयूज (418) पर लगभग 100 अंकों की बढ़त बनायी है। भारत की दीप्ती शर्मा गेंदबाजी रैंकिंग में 10वें और ऑलराउंडर सूची में पांचवें स्थान पर मौजूद हैं।

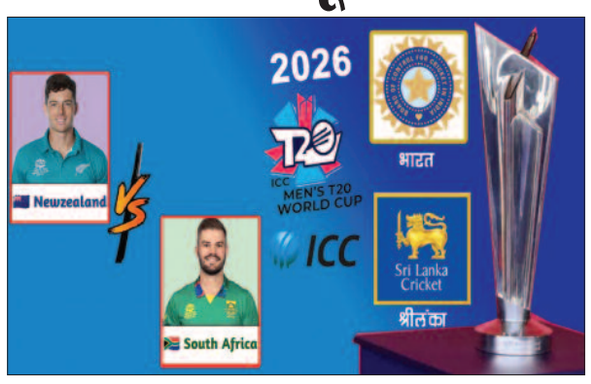

टी20 विश्वकप : आज पहले सेमीफाइनल में होगा दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड का मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 के पहले सेमीफाइनल में बुंधवार को पिछले बार की उपविजेता दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। इस मुकाबले को जीतकर दोनो ही टीमें फाइनल में पहुंचने के इरादे से उतरेंगी।

दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी मैच जीतकर यहां तक का सफर तय किया है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं। जिससे उसी जीत की दावेदारी मजबूत है। वहीं दूसरी ओर कीवी टीम भी कम नहीं है। वह भी इस बार खिताबी मुकाबले में पहुंचने पूरी ताकत लगा देगी। न्यूजीलैंड की टीम ग्रुप स्तर पर अफ्रीकी टीम के हाथों मिली हार से उबरकर इस मैच में अपनी ओर से जीत का पूरा प्रयास करेगी। वहीं न्यूजीलैंड की टीम मुश्किल से सेमीफाइनल तक पहुंची है। इससे उसे अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सुधार करना होगा।

अफ्रीकी टीम ने सुपर 8 स्टेज में शानदार प्रदर्शन के बाद यहां पहुंची हैं, इसमें उन्होंने पहले पिछले बार की विजेत भारत को 76 रन से हराया था। इसके बाद वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराने के बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ करीबी जीत के साथ सुपर 8 चरण का अंत किया।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड का सुपर 8 अभियन सामानय रहा जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ उनका पहला मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था। टीम ने श्रीलंका के खिलाफ अपने अगले मैच में 61 रन से जीत दर्ज की। वहीं उसे इंग्लैंड के खिलाफ करीबी हार का सामना करना पड़ा पर अच्छे नेट रन रेट के साथ वह अंतिम चार में आ गयी। आंकड़ों पर नजर डालें तो दक्षिण अफ्रीका का पलड़ा भारी है। अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में अब तक दोनों टीमों का 19 बार मुकाबला हुआ है, जिनमें 12 बार दक्षिण अफ्रीका जीती है जबकि 7 बार ही कीवी टीम जीत हासिल कर पाई है।

विश्वकप में कभी नहीं जीत पायी कीवी टीम

वहीं अगर टी20 विश्व कप के आंकड़ों को देखें तो दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड का 5 बार आमना-सामना हुआ है। विश्व कप में हर बार दक्षिण अफ्रीका जीता है।

इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम अब तक पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही है। पहले उसने ग्रुप स्टेज में चारों मैच जीतकर टॉप किया, फिर सुपर-8 में भी दबदबा बनाए रखा और अपने तीनों मैच जीते। इससे साफ है कि उसे रोकना कीवियों के लिए काफी कठिन होगा। .

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दक्षिण अफ्रीका- एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डी कॉक, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, मार्को यान्सन, केशव महाराज, कगिसो रबाडा, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी, जेसन स्मिथ, जॉर्ज लिंडे, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नॉर्खिया, ट्रिस्टन स्टब्स और रायन रिकल्टन।

न्यूजीलैंड- मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फॉर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, जिमी निशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सईफर्ट, ईश सोढ़ी, काइल जेमिसन, कॉल मैककॉन्ची

बावुमा को दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिताब जीतने की उम्मीदें

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर टेम्बा बावुमा इस बार टी20 विश्वकप में अपनी टीम के प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। वावुमा को उम्मीद है कि इस बार उनकी टीम खिताब अवश्य जीतेगी। दक्षिण अफ्रीका को अब बुधवार को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से खेलना है। टीम पिछले बार उपविजेता रही थी। तब उसे फाइनल में भारतीय टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। बावुमा ने कहा कि उनकी टीम ने अपनी सभी कमजोरियों को दूर कर लिया है और वह विश्वकप जीतने की प्रबल दावेदार है। साथ ही कहा कि टीम के पास हर क्षेत्र में मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ी हैं। बावुमा ने कहा है कि अब तक बल्लेबाज एडेन मारक्रम, डेविड मिलर और तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। कप्तान ने कहा, मैं इस विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के प्रदर्शन से काफी उत्साहित हूं। टीम खेल के हर पहलू में काफी मजबूत है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी में कोई कमी नहीं है और खिलाड़ी खिताब जीतने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

छक्के लगाने के मामले में शीर्ष पर हैं अभिषेक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन अब तक टी20 विश्वकप में अच्छा नहीं रहा है। इसके बाद भी अभिषेक सबसे कम 331 गेंदों में 50 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। वहीं दूसरे नंबर पर एविन लुइस और तीसरे पर डेवाल्ड ब्रेविस हैं। इन दोनो ने ही 366 और 368 गेंदों पर अपने 50 छक्के पूरे किये हैं। वहीं चौथे नंबर पर आंद्रे रसेल और पांचवे पर हजरतुल्लाह जजई है। इन दोनो ने ही 409 और 492 गेंदों में अपने 50 छक्के पूरे किये हैं।

छक्के लगाने के मामले में सबसे तेजी से आगे आने वालों में उभरते हुए बल्लेबाज

ब्रेविस हैं। उन्होंने आंद्रे रसेल जैसे दिग्गज को पीछे छोड़ा है। जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल सुपर 8 के मैच में ब्रेविस ने 18 गेंदों में ही 2 चौके और 4 छक्के लगाकर 42 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 233.33 का था। इसी दौरान ही इस बल्लेबाज ने टी20 क्रिकेट में अपने 50 छक्के भी पूरे किए।

अब सीओई में कोच के तौर पर तेज गेंदबाजों को निखारेंगे जहीर

मुम्बई । पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान अब कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। जहीर को बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में तेज गेंदबाजों को कोचिंग देने की जिम्मेदारी दी गयी है। जहीर को ऑस्ट्रेलिया के ट्रॉय कूली की जगह पर कोच बनाया गया है। कूल का चार साल का कार्यकाल समाप्त हो गय है। वह अब इंग्लैंड टीम के तेज गेंदबाजी विशेषज्ञ कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। जहीर कोचिंग भूमिका निभाने को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह पहले आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट के कोच रहे हैं। ऐसे में उन्हें कोचिंग का अच्छा अनुभव है। माना जा रहा है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र को देखते हुए जहीर को गेंदबाजों केा निखारने की जिम्मेदारी दी गयी है। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह सभी मैच नहीं खेल सके थे, जिससे टीम का संतुलन कमजोर पड़ा था। तब मोहम्मद सिराज ने गेंदबाजी की कमान संभाली थी पर बोर्ड चाहता है कि उसके पास बेहतर तेज गेंदबाजों का एक पूल होना चाहिये जो किसी भी प्रकार के कठिन हालातों पर नियंत्रण कर सके। नवंबर 2026 में न्यूजीलैंड दौरे को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम अपनी तेज गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर बनाना चाहती है। इसके अलावा चयन समिति की नजरें घरेलू क्रिकेट के उभरते सितारों पर भी है। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में जम्मू-कश्मीर के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले आकिब नबी पर भी उसकी नजरें हैं। अकीब आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स से खेलेंगे।

पाक के पूर्व क्रिकेटर आमिर ने भारतीय टीम के प्रदर्शन पर उठाये सवाल

लाहौर । टी20 विश्वकप से बाहर हुई पाकिस्तान टीम के पूर्व खिलाड़ी भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने से चिढ़े हुए हैं। इसका अंदाजा इसी से होता है कि पाक के पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद आमिर ने भारतीय टीम के समीफाइनल में पहुंचने के बाद भी उसके प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं पर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा की है। आमिर ने विश्वकप शुरु होने से पहले कहा था भारतीय टीम सेमीफाइन में नहीं पहुंच पायेगी। उन्होंने तब कहा था कि भारतीय टीम के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं है और उसके कई कमजोर पक्ष है जिससे वह अंतिम चार में नहीं पहुंच पायेगी पर पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी लेकिन आमिर की ये भविष्यवाणी गलत साबित हो गयी। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर उनका मजाक उड़ रहा है। वहीं आमिर ने सैमसन की नाबाद 97 रन की पारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की पारी खेलना आसन नहीं होता। आमिर के अनुसार सैमसन की कठिन हालातों में खेली पारी से भारतीय टीम जीती पर इसके बाद भी सेमीफाइनल उसके लिए आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि एक शानदार पारी टीम की कमजोरियों को समाप्त नहीं कर सकती। आमिर के अनुसार भारतीय टीम की फील्डिंग अच्छी नहीं है उसने मैच के दौरान कई कैच छोड़े हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा अन्य गेंदबाजों ने काफी अधिक रन दिये हैं। टीम एक ही गेंदबाज पर टिकी हुई है।

सूर्यकुमार बने टी20 मे सबसे सफल भारतीय कप्तान

-50 मैचों में जीत प्रतिशत के मामले में विश्व में दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अब इस प्रारुप में भारतीय टीम के नंबर एक कप्तान बन गये हैं। सूर्यकुमार ने सबसे सफल कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा समेत विराट कोहली और महेन्द्र सिंह धोनी को भी पीछे छोड़ दिया है। सूर्यकुमार का अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जीत का औसत कप्तान के तौर पर सबसे अच्छा हो गया है। अगर देखा जाये तो 50 मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले किसी भी कप्तान का जीत औसत इतना नहीं है, जितना की सूर्यकुमार यादव का है। वह सबसे अधिक जीत प्रतिशत के मामले में विश्व के दूसरे कप्तान हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर 8 के अंतिम मैच में उतरते ही सूर्यकुमार 50 मैचों में कप्तानी करने वाले भारतीय कप्तान बन गये। इस मैच में भारतीय टीम को जीत मिली और ये उनकी कप्तानी में टीम की 40वीं जीत थी। इसी के साथ उन्होंने रोहित और विराट का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सूर्यकुमार से पहले भारत के लिए सबसे अधिक जीत प्रतिशत का रिकॉर्ड रोहित के नाम 79.83 का था। सूर्यकुमार का जीत प्रतिशत टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 81.25 है और वह दूसरे नंबर पर हैं। वहीं अफगानिस्तान के असगर अफगान हैं ने 50 से अधिक मैचों में कप्तानी करते की है और उनका जीत प्रतिशत 81.73 का है। वहीं तीसरे नंबर पर भी भारत के ही विराट कोहली हैं, उनकी कप्तानी में जीत प्रतिशत 64.58 का रहा है। वहीं धोनी की कप्तानी में ये 59.28 प्रतिशत रहा है।

इजरायल-ईरान युद्ध का असर फुटबॉल विश्व कप पर, ईरान की जगह इस टीम को मिल सकता है मौका

जेनेवा (एजेंसी)। मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के बीच आगामी फुटबॉल विश्व कप में ईरान की भागीदारी पर संशय गहरा गया है। अमेरिका की पहल पर क्षेत्र में जारी तनाव को देखते हुए तीन महीने बाद होने वाली इस बड़ी प्रतियोगिता में ईरान का खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। ऐसी स्थिति में उसकी जगह इराक या संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को मौका मिल सकता है।

अमेरिका में होने हैं ईरान के ग्रुप मैच

ईरान को ग्रुप चरण के अपने तीनों मैच अमेरिका में खेलने हैं। उसे ग्रुप जी में रखा गया है, जहां 15 जून को इंग्लेवुड (कैलिफोर्निया) में न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम से मुकाबला करना है। इसके बाद 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ अंतिम ग्रुप मैच खेलना निर्धारित है।

बढ़ते संघर्ष से स्थिति जटिल

अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद ईरान द्वारा जवाबी कार्रवाई किए जाने से क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने कतर और सऊदी अरब जैसे अमेरिकी सहयोगी देशों पर मिसाइलें दागीं। इसी बीच, फीफा ने सऊदी अरब को 2034 विश्व कप की मेजबानी सौंपी है।

एशियाई फुटबॉल महासंघ के उपाध्यक्ष और ईरान के शीर्ष फुटबॉल अधिकारी Mehdi Taj ने कहा, 'इस हमले के बाद विश्व कप में भागीदारी को लेकर हम आशान्वित नजरिए से नहीं देख सकते।'

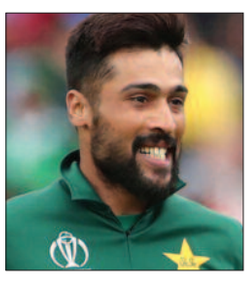

फीफा की चुप्पी, भविष्य अनिश्चित

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए टीम भेजेगा या नहीं, अथवा अमेरिका सरकार उसके प्रवेश पर रोक लगाएगी। फीफा ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। ईरान एशियाई फुटबॉल की मजबूत टीम मानी जाती है और उसने पिछले आठ में से छह विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है।

आर्थिक नुकसान और संभावित विकल्प

यदि ईरान विश्व कप से हटता है तो उसके फुटबॉल महासंघ को कम से कम 10.5 मिलियन डॉलर का नुकसान होगा और उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। ऐसी स्थिति में एशिया से इराक या यूएई संभावित विकल्प हो सकते हैं।

इराक एशियाई क्वालीफाइंग में नौवें स्थान पर रहा और उसने प्लेऑफ में यूएई को हराया। अब उसे 31 मार्च को बोलीविया या सूरीनाम के खिलाफ मुकाबला खेलना है। जीत की स्थिति में वह सीधे विश्व कप में पहुंच सकता है, जबकि हार की स्थिति में भी ईरान के हटने पर उसे मौका मिल सकता है।

टी20 विश्वकप के शीर्ष पांच बल्लेबाजों और गेंदबाजों में केवल एक-एक भारतीय

नई दिल्ली । आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट में भारत सहित चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। ऐसे में अब तक लीग स्तर से लेकर सुपर-8 तक के मुकाबलों को देखें तो अब तक पांच बल्लेबाजों और पांच गेंदबाजों का इस टूर्नामेंट में दबादबा रहा है। इन शीर्ष पांच बल्लेबाजों में एक ही भारतीय सूर्यकुमार यादव हैं। वहीं पांच गेंदबाजों में भारत के एकमात्र वरुण चक्रवर्ती भी शामिल है। शीर्ष 5 बल्लेबाजों की बात करें तो पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान नंबर एक पर हैं। उन्होंने 6 मैचों में 383 रन बनाए हैं हालांकि पाकी टीम हार के साथ ही टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। वहीं दूसरे नंबर पर ब्रायन बेनेट हैं, जिन्होंने जिम्बाब्वे के लिए 292 रन बनाए हैं और उनकी टीम भी इस टूर्नामेंट से हार हो गयी है। तीसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम हैं, जो 268 रन बना चुके हैं। उनकी टीम सेमीफाइनल में है और ऐसे में उनके पास और आगे जाने का अवसर है। चौथे नंबर पर वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर हैं, जिन्होंने 248 रन बनाए हैं पर उनकी भी टीम बाहर हो चुकी है। पांचवें नंबर पर 231 रनों के साथ सूर्यकुमार यादव हैं। सूर्या शीर्ष 5 में एकमात्र भारतीय हैं और टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने से उनके पास ओर रन बनाने का अवसर है।

वहीं दूसरी ओर गेंदबाजी की बात करें तो- सबसे अधिक विकेट लेने की सूची में अमेरिक के शैडली वैन शाल्कविक हैं उनकी टीम सुपर-8 तक भी नहीं पहुंची पर उनके नाम चार मैचों में सबसे अधिक 13 विकेट हैं। जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजारबानी के नाम 6 मैचों में 13 विकेट हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं उनकी टीम भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। तीसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एनगिडी हैं, उनके नाम 12 विकेट हैं और सेमीफाइनल में भी टीम पहुंची है। वही भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी 12 विकेट लेकर इस सूची में शामिल हैं। भारतीय टीम भी सेमीफाइनल में है उनके विकेटों की संख्या बढ़ना तय है। पांचवें स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के कोर्बिन बोस हैं, उनके नाम 11 विकेट हैं और उनकी टीम भी सेमीफाइनल में पहुंची है। ।

सेमीफाइल में जैक्स से भारतीय टीम को रहना होगा सावधान : गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारतीय टीम को गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे सेमीफाइनल में मेहमान टीम के ऑलराउंडर विल जैक्स से सतर्क रहना होगा। गावस्कर के अनुसार जैक्स अभी अच्छे फार्म में हैं, ऐसे में उनपर अंकुश लगाये रखना जरुरी होगा। गावस्कर ने कहा कि अगर पिच से थोड़ी भी स्पिन मिली तो जैक्स को खेलना भारतीय टीम के लिए काफी मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या को इस मैच में पूरी जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करनी होगी। गावस्कर के अनुसार सैमसन, सूर्यकुमार और पंड्या के प्रदर्शन से ही इस मैच का परिणाम तय होगा। उन्होंने कहा कि जैक्स सातवें नंबर पर उतरकर मैच की दिशा बदल सकते हैं, इसलिए उनपर दबाव बनाये रखना जरुरी रहेगा। वह वही भूमिका निभाते हैं जो भारत के लिए शिवम दुबे निभाते हैं।

जैक्स ने अब तक इस टूर्नामेंट में चार बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीता है। उन्होंने कई अवसरों पर टीम को कठिन हालातों से उबारा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जैक्स ने 18 गेंदों में नाबाद 32 रन बनाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया था। वहीं श्रीलंका के खिलाफ कम स्कोर वाले मुकाबले में भी उसने तेजी से रन बनाने के बाद 3 अहम विकेट श्रीलंकाई टीम को लक्ष्य तक पहुंचने से रोक दिया। पावरप्ले में वह ऑफ स्पिन गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को विकेट गंवाने के लिए ललचा सकते हैं। जैक्स आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते आये हैं। इसलिए वह वानखेड़े की मैदान को भली भांति जानते हैं। वह भारतीय टीम के खिलाफ पहली बार किसी टी20 मैच में खेल रहे हैं। ऐसे में वह और भी खतरनाक साबित हो सकते हैं क्योंकि अधिकतर बल्लेबाज पहली बार उनका सामना करेंगे। गावस्कर ने कहा कि दोनो ही टीमें आफी अच्छी हैं, ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। वहीं वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय टीम का सेमीफाइनल रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। उसे । 1987 एकदिवसीय विश्वप सेमीफाइनल में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था जबकि साल 2016 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में वह वेस्टइंडीज से हारी पर 2011 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में उसने इसी मैदान पर श्रीलंका को हराकर खिताब जीता था। गावस्कर का मानना है कि पुराने रिकॉर्ड से आज के हालातों में फर्क नहीं पड़ता और भारतीय टीम फाइनल तक जाने में सक्षम हैं।

होली में मस्ती करते बच्चों के साथ माता-पिता रखें इन खास बातों का ध्यान

होली पर बच्चों को कैमिकल वाले रंगों से दूर रखें, आंखों और त्वचा की सुरक्षा करें, बालों में तेल लगाएं, फिसलन से बचाएं और साफ-सफाई का ध्यान रखें ताकि होली सुरक्षित रहे.

होली रंगों का त्योहार है और बच्चों के लिए तो यह साल का सबसे मजेदार दिन होता है. लेकिन खेल-खेल में कई बार नज़रअंदाज़ की गई छोटी-छोटी बातें दुर्घटना, स्किन रिएक्शन या चोट का कारण बन सकती हैं. इसलिए बच्चों को होली खेलने से पहले और खेलते समय कुछ सावधानियाँ जरूर बतानी और अपनानी चाहिए.

1. कैमिकल वाले रंगों से दूर रखे

बाजार में मिलने वाले कई रंगों में कैमिकल, ग्लास पाउडर या सिंथेटिक डाई होती है, जो बच्चों की त्वचा को नुकसान पहुंचाती है.

बच्चों को नेचुरल/ऑर्गेनिक रंग दें.

घर पर हल्दी, चावल का आटा, पालक या चुकंदर से बने रंग भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं.

2. आंखों की सुरक्षा बेहद जरूरी

बच्चों की आंखें बहुत संवेदनशील होती हैं.

उन्हें समझाएं कि चेहरे और आंखों पर रंग न फेंकें.

चाहें तो बच्चों को सनग्लासेस पहनाकर भेजें.

अगर रंग आंख में चला जाए, तो तुरंत साफ पानी से धोएं, रगड़ने न दें.

3. त्वचा को सुरक्षित बनाएं

रंग खेलने से पहले बच्चे के चेहरे, हाथ-पैर और गर्दन पर तेल, नारियल तेल या मॉइश्चराइज़र अच्छे से लगा दें.

इससे रंग आसानी से नहीं चिपकता और बाद में हटाते समय त्वचा नहीं छिलती.

4. बालों की सुरक्षा

बच्चों के बालों में रंग चिपक जाता है और बाद में रूखापन पैदा करता है.

खेलने से पहले बालों में तेल अच्छे से लगा दें.

हो सके तो टोपी या कैप पहनाएं.

5. पानी की फिसलन से बचाएं

होली में पानी का इस्तेमाल आम है, लेकिन फर्श गीला होने से बच्चे फिसल सकते हैं.

उन्हें दौड़ने या छत पर खेलने से मना करें.

पिचकारी से खेलने दें लेकिन बहुत पास से पानी न मारें.

6. चेहरे पर जबरदस्ती रंग न लगाया जाए

कई बार बच्चे एक-दूसरे के चेहरे पर ज़ोर से रंग लगाते हैं, जिससे जलन, खरोंच या डर लग सकता है.

बच्चों को सिखाएं कि होली जबरदस्ती नहीं, मन से खेले जाती है.

7. कान, नाक और मुंह में रंग न जाए

बच्चों को बार-बार याद दिलाएं कि नाक या मुंह में रंग न जाने दें

पिचकारी का पानी सीधे चेहरे पर न चलाएं

8. साफ-सफाई का ध्यान रखें

होली के बाद बच्चे को गुनगुने पानी से स्नान कराएं.

स्क्रबर से जोर न लगाएं, इससे त्वचा छिल सकती है.

फेसवॉश या माइल्ड साबुन से हल्का मसाज करें.

9. छोटे बच्चों की खास निगरानी करें

2-5 साल के बच्चे रंगों से डर सकते हैं, इसलिए उन्हें बड़े बच्चों से दूर रखें और माता-पिता उनकी निगरानी करें.

सही तैयारी + हल्के रंग + सुरक्षा नियम = बच्चों की सुरक्षित और आनंदमय होली.

थोड़ी सतर्कता रखने से बच्चे बिना किसी नुकसान के रंगों की इस खूबसूरत त्योहार का पूरा मज़ा ले सकते हैं.

होलिका दहन क्यों मनाया जाता है? होलिका और भक्त प्रह्लाद से जुड़ी है होली की कथा

होलिका दहन का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। ऋषिकेश पंचांग के अनुसार, होलिका दहन 2 मार्च को मनाया जाएगा। पुराणों में इस पर्व से जुड़ी एक कथा बताई गई है जो हिरण्यकश्यप की बहन होलिका और विष्णु भगवान के भक्त प्रह्लाद से संबंधित है। होलिका को न जलने का वरदान होने के बावजूद वह इस दिन भस्म हो गई और भक्त प्रह्लाद सुरक्षित बाहर निकल आए। जानें क्या है यह पूरी कथा।

फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि पर होलिका दहन का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। जो हमें अपने मन के भय को दूर करके आंतरिक परिवर्तन के लिए प्रेरित करने वाला है। ऋषिकेश पंचांग की गणना के अनुसार, इस साल होलिका दहन 2 मार्च, सोमवार के दिन मनाया जाएगा। पुराणों के अनुसार, इसी दिन हिरण्यकश्यप की बहन होलिका विष्णुजी के भक्त प्रह्लाद को अपनी गोद में लेकर जलती हुई चिता पर बैठी थी। लेकिन कुछ ऐसा संयोग बना जिससे होलिका और हिरण्यकश्यप की योजना सफल नहीं हो सकी। आइए विस्तार से जानते हैं होलिका दहन की कथा।

होलिका और भक्त प्रह्लाद की कथा

पौराणिक कथाओं और मान्यताओं के अनुसार, प्राचीन काल में एक हिरण्यकश्यप नामक शक्तिशाली असुर था। जिसने घोर तपस्या करके ब्रह्माजी से एक विशेष वरदान प्राप्त किया था कि न उसे कोई मनुष्य मार सके, न कोई पशु, न अंदर मारा जा सके, न बाहर, न दिन में मारा जा सके, न रात में और किसी अस्त्र शस्त्र से भी उसकी मृत्यु न हो सके। ऐसा वरदान मिलने के कारण उसने अहंकार में खुद को ईश्वर बताना शुरू कर दिया और अपने राज्य में किसी भी व्यक्ति को भगवान विष्णु की पूजा करने से मना कर दिया।

भगवान विष्णु का परम भक्त था प्रह्लाद

हिरण्यकश्यप का एक प्रह्लाद नामक पुत्र था जो बचपन से भी भगवान विष्णु की भक्ति करता था और उनका परम भक्त बन गया। प्रह्लाद हमेशा विष्णुजी का स्मरण करता रहता था और उसके मुख भी पर केवल प्रभु का नाम था। हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को विष्णुजी की भक्ति से दूर रखने के लिए कई बार प्रयत्न किए। लेकिन फिर भी असुर कुल में जन्म लेने के बाद भी प्रह्लाद ने कभी भी भगवान श्रीविष्णु की भक्ति करना नहीं छोड़ा। महर्षि व्यास रचित, विष्णु पुराण में बताया गया है कि, हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को विषैले सांपों के पास छोड़ा, हाथियों के पैरों के नीचे डाला, ऊंचे पर्वत से नीचे गिरवाया और गहरे समुद्र तक में भी डुबोया। लेकिन भगवान विष्णु ने अपने भक्त को हर मुश्किल परिस्थिति से बाहर निकाल दिया।

होलिका भक्त प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठीं

सभी प्रयास नाकाम होने के पश्चात हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका को बुलाया जिसे अग्नि में कभी न जलने का वरदान प्राप्त था। उसे प्रह्लाद को अपनी गोद में लेकर चिता पर बैठने को कहा गया और होलिका ने ठीक ऐसा ही किया। वह भक्त प्रह्लाद को अपनी गोद में बिठाकर अग्नि में बैठ गई। लेकिन उस समय भी प्रह्लाद जरा भी न डरा और मन में केवल श्रीहरी का स्मरण करता रहा है। ऐसे में अपने वरदान को गलत तरीके से प्रयोग करने के कारण होलिका उसी अग्नि में जलकर भस्म हो गई। ब्रह्माजी के प्राप्त अग्नि से रक्षा करने वाला चादर उड़कर प्रह्लाद के ऊपर आ गया। ऐसे में होलिका जल गई और भगवान विष्णु की कृपा से उनका भक्त प्रह्लाद सुरक्षित अग्नि से बाहर निकल आया। इसी दिन को याद करते हुए होलिका दहन का त्योहार मनाया जाता है और इसे बुराई पर अच्छाई की जीत का दिन माना गया। इस घटने के बाद प्रभु भक्तों में भगवान का आभार प्रकट किया और होलिका की चिता के राख और रंगों से रंगोत्सव मनाया। इसलिए होलिका दहन के अगले दिन रंगोत्सव का त्योहार मनाया जाता है।

होली में खूब रंग खेले मगर सेहत को ध्यान में रखकर

रंगों के त्योहार होली की बहार है। हर तरफ उल्लास का वातावरण है। बाजारें,रंगों, गुलाल एवं खाने-पीने की चीजों से सज गया है। होली में खूब रंग खेले, खूब गुलाल उडाएँ परन्तु बाजार में सजे केमिकल वाले रंगो से बचे क्योकि यह रंग आपकी होली की बेरंग कर सकते है। इसीलिए कुछ सावधानियाँ अपनाकर होली मनाए जिससे होली का रंग बेरंग ना हो और होली की खुशियाँ बरकरार रहे।

होली में हर व्यक्ति एक-दूसरे को रंग लगाकर अपनी आत्मीयता का इज्हार करता है परन्तु उसे यह नहीं मालूम कि जो रंग वह लगा रहा है वह रसायनिक रंग है जिससे त्वचा को नुकसान पहुँच सकता है, श्वास एवं एल्र्जी की बीमारी हो सकती है। बाजार में बिकने वाले हरे रंग में तांबा, काले रंग में नाइट्रेट ऑक्साइड, परपिल रंग क्रोमाइड, सिल्वर कलर में एल्युमिनियम ब्रोमाइड, लाल रंग मारकरी सल्फेट रसायनों से बनता है। यह सभी रसायनिक रंग त्वचा पर जलन खुजली, दाने, एलर्जी, श्वास की तकलीफ उत्पन्न कर सकते है जो आपकी होली को बदरंग कर सकते है इसलिए रंग खेलने में प्राकृतिक रंगों का प्रयोग ही करना चाहिए।

होली में गुलाल भी खूब उड़ाया जाता है। बाजार में मिल रहे गुलाल में अवरक का इस्तेमाल होता है। इसमें बालू तथा अन्य रसायन पड़ें रहते है। इससे दमा का प्रकोप हो सकता है। इससे त्वचा में जलन, खुजली की समस्या हो सकती है। त्वचा खुरदरी हो सकती है इसलिए हर्बल गुलाल का प्रयोग करना चाहिए रंग के स्थान पर पेंट, तारकोल, कीचड़ आदि का प्रयोग बिल्कुल न करे इससे त्वचा बदरंग हो सकती है। रंग खेलने से पहले शरीर पर तेल आवश्य लगा लो रंग खेलते समय इन बातों पर जरूर ध्यान देना चाहिए-

रंग छुड़ाने के लिए उपटन का प्रयोग करना चाहिए रंग छुड़ाने के लिए बार-बार साबुन न रगड़े।

यदि त्वचा खुजली के साथ पानी निकले तो साफ पानी से धुले।

यदि ऑख मं रंग पड़ जाये तो रगड़े नहीं बल्कि साफ पानी से धोए।

रंग खेलते समय शरीर पर टोपी जरूर लगाए। पूरे आस्तीन के कपड़े पहने।

गीले आस्तीन के कपड़े ज्यादा देर ना पहने।

इस प्रकार कुछ सावधानियॉ अपनाकर सुरक्षित होली मनायी जा सकती है। होली के पर्व पर बाजार रंग-बिरंगी मिठाइयों सें सज गया है। मिठाइयों, अन्य खाने की चीजों जैसे खोया, दूध पनीर में मिलावट का खतरा हो सकता है। इनमें रसायनिक तत्वों पेंट, यूरिया, निरमा, मिलावटी तेल, मिला रहता है जिससे पीलिया, पेट में जलन, संक्रमण, दस्त, उल्टी, गैस, दर्द आदि की गंभीर समस्याएं हो सकती है इसलिए खाने-पीने की चीजें जांच-परखकर ही खरीदे। बाजार की बजाय घर की बनी चीजों का प्रयोग करो ड्राई फ्रूट का ज्यादा इस्तेमाल करे इससे सुरक्षित होली मनाई जा सकती है।

होली में शराब का नशा बहुत आम है। लोग भांग पीकर होली मनाते है। इस उल्लास पूर्ण होली के पर्व को नशे का सेवन बेमजा कर सकता है। आइए इस उल्लासपूर्व रंगों के पर्व होली को सुरक्षित तरीके से मनाकर चार चांद लगाए।

होली के रंगों का अलग-अलग ग्रहों से है संबंध

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, होलाष्टक से लेकर होलिका दहन तक की अवधि को प्रतिकूल माना गया है। मान्यता है की इस दौरान सभी ग्रह उग्र स्थिति में रहते हैं। पंडित राकेश झा बताते हैं कि, रंगों का अलग-अलग ग्रहों से संबंध होता है। रत्न भी अलग-अलग रंग के होते हैं और ग्रहों के रंग के अनुसार अलग-अलग ग्रहों का प्रतिनिधित्व भी करते हैं। होली के दिन अलग-अलग रंगों का इस्तेमाल करने से ग्रहों की प्रतिकूलता और नकारात्मकता दूर होती है। साथ ही, इससे सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। ऐसी मान्यता है की ये रंग हमारे अंदर ऊर्जा और उत्साह भरते हैं। साथ ही, इससे आरोग्य की भी प्राप्ति होती है। रंगों का त्योहार होली चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। चैत्र वह महीना है जब सर्दी समाप्त हो रही होती है और गर्मी चढान पर होती है यानी यह ऋतुओं का संक्रमण काल भी होता है। प्राचीन मान्यता है कि, इस समय संक्रामक रोग भी विकसित होते हैं, और प्राकृतिक रंग रोगों से रक्षा करते हैं, इसलिए कई क्षेत्रों में इस समय पशुओं को भी रंग लगाया जाता है।

वैसे आज कल केमिकल वाले रंग भी खूब प्रयोग किए जाने लगे हैं तो इनसे लाभ की बजाय नुकसान भी हो कता है। इसलिए शास्त्रीय मत यह कहता है कि प्राकृतिक रंगों का ही प्रयोग करना चाहिए जो सकारात्मकता बढते हैं।

गुलाल के अलग-अलग रंगों का महत्व

हरा रंग- ज्योतिषशास्त्र में हरे रंग को बुध ग्रह से संबंधित माना गया है। यह रंग विकास, समृद्धि, संतुलन और शांति का प्रतीक है।

पीला रंग- यह रंग गुरु ग्रह से संबंधित होता है। पीला रंग ज्ञान, पवित्रता, ऊर्जा और खुशी का प्रतीक है। होली पर इस रंग का प्रयोग करने से जीवन में सकारात्मकता आ सकती है। दरअसल यह गुरु के शुभ प्रभाव को बढाने का काम करता है।

लाल रंग- ज्योतिषशास्त्र में लाल रंग को मंगल ग्रह से संबंधित माना गया है। इसे ऊर्जा, शक्ति और साहस का प्रतीक माना गया है।

गुलाबी रंग- यह रंग शुक्र ग्रह से संबंधित होता है। गुलाबी रंग को प्रेम, कोमलता, शांति और स्नेह का प्रतीक माना गया है।

नारंगी रंग- ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, नारंगी रंग सूर्य ग्रह से संबंधित होता है। यह ऊर्जा, उत्साह, खुशी और रचनात्मकता का प्रतीक है।

होली पर क्यों खेलते हैं रंग गुलाल? अलग-अलग रंगों का होता है खास महत्व

रंग और उत्साह का पर्व होली वृंदावन, बरसाना सहित पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। देश के कई भागों में फुलेरा दूज से भी यूं तो होली का त्योहार शुरू हो जाता है। लेकिन होलिका दहन और और उसके बाद होने वाले रंगोत्सव का अपना अलग ही महत्व है क्योंकि यह मुख्य होली का त्योहार होता है जिसमें अलग-अलग रंगों से होली खेली जाती है, और ज्योतिषशास्त्र में हर रंग का अपना महत्व बताया गया है जो किसी न किसी ग्रह से संबंध रखते हैं।

होली के त्योहार का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन के साथ लोग उत्साह पूर्वक रंगोत्सव का त्योहार मनाते हैं। कुछ लोग होलिका की राख से भी होली खेलते हैं। कुछ लोग खास तौर पर बच्चे तो पानी से भी होली खेलते हैं लेकिन होली का मुख्य आकर्षण रंग होते हैं। और लोग एक दूसरे पर लाल, पीला, हरा, नीला, सफेद, चमकीले रंग लगाकर भी होली का आनंद मनाते हें। रंगोत्सव का यह त्योहार भारत सहित नेपाल में भी बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। साथ ही भारतीय दुनिया के किसी भी देश में रहें अपनी परंपरा के अनुसार रंगोत्सव का त्योहार मनाते हें। दरअसल होली का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत और अधर्म पर धर्म की जीत का भी प्रतीक माना गया है। और धार्मिक दृष्टि से होली के रंग इस बात को बयां करते हैं। वैसे होली पर रंग, गुलाल खेलने के और भी कई कारण हैं और इसके लाभ भी बताए जाते हैं। इसके पीछे ज्योतिषीय कारण और पौराणिक कथा छिपी हुई है। आइए विस्तार से जानें कि क्यों खेली जाती है रंगों वाली होली और अलग-अलग रंगों का क्या है महत्व।

राधा-कृष्ण से संबंधित है होली का त्योहार- पौराणिक कथाओं और मान्यताओं के अनुसार, भगवान कृष्ण जब बालक थे तब वह इस बात से चिंतित और परेशान थे की क्या गोरी राधा उनके सांवले रंग को पसंद करेंगी। तब यशोदा मईया ने कहा की राधा के पास जाओ और उनसे अपने मुख पर कोई भी रंग लगाने के लिए कहना। ऐसा सुनकर कान्हाजी राधा रानी के पास गए और उन्होंने भगवान कृष्ण को रंग लगाया। ऐसी मान्यता है कि तभी से होली के दिन रंग और गुलाल लगाने की परंपरा शुरू हुई। मथुरा वृंदावन की लोक कथाओं में इस तरह की कथा लोग कहते सुनाते हैं।

सनी देओल-बॉबी और अक्षय खन्ना के कमबैक पर फराह खान की टिप्पणी

फराह खान इन दिनों अपने कुकिंग व्लॉग्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में वे पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया से बात करती दिखीं। इस दौरान उन्होंने देओल भाई यानी सनी देओल और बॉबी देओल के इंडस्ट्री में दमदार कमबैक पर बात करते हुए दोनों की तारीफ की। इसके अलावा उन्होंने अक्षय खन्ना का भी जिक्र किया। फराह ने कहा कि यह चैलेंजिंग काम है।

नाकामी को बेकार मत जाने दो

दरअसल, व्लॉग के दौरान रणवीर ने फराह खान से कहा कि अक्षय खन्ना, सनी देओल और बॉबी देओल की जर्नी उन्हें बहुत इंस्पायर करती है। इस पर फराह खान ने भी रिएक्शन दिया। फराह खान ने कहा, 'यह बहुत अच्छा है। क्या कमाल की वापसी इनकी हुई है। वो बाहर होकर वापस आए हैं। यह तो और भी मुश्किल है। किसी ने कहा है, एक अच्छी नाकामी को कभी बेकार मत जाने दो। हमेशा उससे कुछ सीखो'।

सनी, बॉबी और अक्षय खन्ना का कमबैक

बता दें कि अक्षय खन्ना फिल्म 'छावा' और फिर 'धुरंधर' में अपने किरदारों को लेकर खूब सुर्खियों में रहे हैं। 'धुरंधर' में तो उन्होंने रहमान डकैत के किरदार में पूरी महफिल ही लूट ली। इसी तरह बॉबी देओल ने लंबे वक्त बाद फिल्म 'एनिमल' से दमदार वापसी की थी। इसके बाद वे आर्यन खान निर्देशित सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए। वहीं, सनी देओल ने 'गदर 2' से वापसी की और 'बॉर्डर 2' में भी उनका भौकाल रहा। इसे लेकर ही फराह ने तीनों सितारों की तारीफ की। 'तीस मार खान' को लेकर कही ये बात फराह खान ने इस दौरान अपनी फिल्म 'तीस मार खान' के बारे में भी बात की और बताया कि कैसे फिल्म को रिलीज के वर्षों बाद भी बहुत प्यार मिल रहा है। फराह ने इस बारे में बात करते हुए कहा, 'जब 'तीस मार खान' रिलीज हुई थी, तो मेरी तो बैंड ही बजा के रख दी थी। मैंने सोचा, मैं इतना गलत कैसे जा सकती हूं, क्योंकि मुझे तो बहुत फनी लगी थी। अब मुझे लगता है, वाह। अभी अक्षय खन्ना का फिर से आना हुआ है तो लोग मुझे यह कोट कर रहे हैं'।

'वाराणसी' फिल्म को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने किया बड़ा खुलासा

प्रियंका चोपड़ा ने ऐलान किया कि वे 'वाराणसी' फिल्म के साथ बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म उनके करियर में लगभग 6-7 साल बाद पहली इंडियन फिल्म होगी। 'वाराणसी' फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं, जिन्हें दीपिका पादुकोण ने 'भारत के सबसे टैलेंटेड डायरेक्टर्स में से एक' बताया है। फिल्म में महेश बाबू लीड रोल में हैं और प्रियंका फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी।

क्यों हैरान हुए जिमी फैलन

प्रियंका ने शो पर बताया कि फिल्म की शूटिंग 14 महीने से चल रही है और अभी इसके अगले 6 महीने की शूटिंग बाकी है। शो के होस्ट जिमी फैलन भी इतने लंबे समय को सुनकर हैरान रह गए।

फिल्म देगी नेक्स्ट लेवल

एक्सपीरियंस फिल्म को आईमैक्स फॉर्मेट में शूट किया जा रहा है, जिससे यह बड़े स्क्रीन अनुभव के लिए तैयार की जा रही है। प्रियंका ने कहा, 'हां, हम इसे शूट कर रहे हैं, तो बड़े थिएटर्स में ये फिल्म शानदार अनुभव देगी।' प्रियंका ने शूटिंग अनुभव को एक एडवेंचर बताया और कहा कि वह फिल्म को लेकर बहुत एक्साइटेड हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि वाराणसी अप्रैल 2027 में रिलीज होगी।

'द ब्लफ' में नजर आईं प्रियंका

प्रियंका फिलहाल फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आ रही हैं, जो 26 फरवरी को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन, वेदांतेन नायडू भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

'द व्हाइट लोटस' को ठुकराने की खबरों के बीच दीपिका का क्रिप्टिक पोस्ट

दीपिका पादुकोण इन दिनों एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट को ठुकरा देने को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल, बीते दिनों ऐसी खबरें आईं कि दीपिका हॉलीवुड की पॉपुलर ब्लैक कॉमेडी सीरीज 'द व्हाइट लोटस' के चौथे सीजन में नजर आ सकती हैं। मगर, अब मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अभिनेत्री ने इसमें काम करने से इनकार कर दिया है। ऐसी खबरों के बीच दीपिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा किया है।

क्यों ठुकराया दीपिका ने ऑफर?

दीपिका पादुकोण भारतीय फिल्मों 'कल्कि 2' और 'स्पिरिट' से पहले ही कुछ कारणों से इनकार कर चुकी हैं। अब उन्होंने हॉलीवुड सीरीज से भी किनारा कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका ने 'द व्हाइट लोटस' सीरीज में काम करने से इसलिए मना कर दिया, क्योंकि वे अपने किरदार के लिए ऑडिशन नहीं देना चाहती थीं। वहीं, सीरीज के मेकर्स ऑडिशन लेना चाहते थे।

चुप रहना मुश्किल है

इस तरह की तमाम खबरों के बीच दीपिका पादुकोण ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसका सार यह है कि जब लोग शोर मचा रहे हों, आपको लेकर बातें हो रही हैं, तब चुप रहना चुन पाना मुश्किल होता है और यही असली ताकत है। दीपिका के पोस्ट में लिखा है, 'शांत रहना सबसे बड़ा फ्लेक्स है। कोई भी अपना आपा खो सकता है, तुरंत रिएक्ट कर सकता है। जोर से बात कर सकता है और शोर मचा सकता है। इसके लिए जीरो ताकत चाहिए। असली ताकत तब दिखती है जब अफरा-तफरी मच जाती है और आप झुकते नहीं हैं। जब ड्रामा आपको अपनी ओर खींचने की कोशिश करता है और आप जमीन पर टिके रहते हैं।

शांत रहना एक सुपरपावर है

आगे लिखा है, 'शांत रहना कमजोरी नहीं है, यह मास्टरी है। यह जानना है कि आपको कुछ भी साबित करने, सब कुछ समझाने या हर किसी पर रिएक्ट करने की जरूरत नहीं है। जब दूसरे लोग घबराकर एनर्जी खर्च करते हैं, तो आप चुपचाप, साफ और जान-बूझकर आगे बढ़ते हैं। शोर की आदी दुनिया में, शांत रहना एक जबर्दस्त सुपरपावर है'। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑडिशन नहीं देने के फैसले के चलते दीपिका ने यह बड़ा प्रोजेक्ट ठुकरा दिया। साथ ही यह भी कहा गया है कि यह पहली बार नहीं है, जब दीपिका को इस सीरीज का ऑफर मिला हो। इससे पहले उन्हें तीसरे सीजन के दौरान भी ऑफर आया था।

'भाई तेरा यार है' में लीड रोल निभाएंगे राघव जुयाल

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की शानदार सफलता के बाद राघव अब पहली बार बतौर लीड एक्टर किसी फिल्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इससे पहले वे 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' और 'किल' फिल्म में काम कर चुके हैं।

वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, राघव फिल्म 'भाई तेरा यार है' में नजर आएंगे। इस हफ्ते फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू हुई है। पहले शूटिंग शेड्यूल को बीच में ही रोकना पड़ा था क्योंकि राघव का पैर टूट गया था। उस वक्त पूरी टीम को लंदन से वापस लौटना पड़ा था। अब राघव पूरी तरह ठीक हो चुके हैं और फिल्म की शूटिंग फिर से पटरी पर आ गई है। इस फिल्म का निर्देशन विवेक अग्रवाल कर रहे हैं, जो 'आई सी यू' के लिए जाने जाते हैं, जिसमें अर्जुन रामपाल नजर आए थे। राघव के लिए यह फिल्म खास है क्योंकि इससे पहले किल और 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में उन्होंने अहम भूमिकाएं निभाई थीं, लेकिन 'भाई तेरा यार है' में वह पहली बार लीड रोल में दिखाई देंगे।

ऋषभ शेट्टी ने 'जय हनुमान' की शूटिंग पर दी अपडेट

अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी अपनी पत्नी प्रगति शेट्टी के साथ कर्नाटक के रायचूर जिले में स्थित मंत्रालयम गए। दंपति ने गुरु राघवेंद्र स्वामी को समर्पित गुरु वैभवोत्सव में भाग लिया और क्षेत्र भर से आए श्रद्धालुओं के साथ उत्सव में शामिल हुए। उनका यह दौरा राघवेंद्र स्वामी के जन्मदिन के मौके पर हुआ। इस दौरान अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म 'जय हनुमान' को लेकर भी बात की।

अभी नहीं शुरू हुई 'जय हनुमान' की शूटिंग

इस दौरान ऋषभ शेट्टी राघवेंद्र स्वामी के वृंदावन के सामने बैठकर श्रद्धापूर्वक दर्शन करते हुए नजर आए। दर्शन के बाद मीडिया से बात करते हुए एक्टर ने कहा कि जब भी मैं मंत्रालयम आता हूं, मुझे मन की शांति मिलती है। रायरू के दर्शन होना मेरा सौभाग्य है। हम नियमित रूप से यहां आते रहते हैं। अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जय हनुमान' के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में मुहूर्त हुआ है। अभी शूटिंग शुरू होनी बाकी है। हम हनुमान जी पर एक शानदार फिल्म बना रहे हैं, जिसमें एक अच्छा संदेश है।

राघवेंद्र स्वामी पर फिल्म बना सकते हैं ऋषभ

अपने करियर के विकल्पों पर बात करते हुए ऋषभ शेट्टी ने कहा कि असल में, हम कलाकार हैं। अगर कोई निर्देशक कहानी सुनाता है और हमें किरदार पसंद आता है, तो हम उसे जरूर करेंगे। हर कलाकार अच्छे निर्माताओं के साथ ऐसे किरदार निभाने की उम्मीद रखता है। मंत्रालयम के रायरू यानी राघवेंद्र स्वामी पर आधारित फिल्म बनाने की संभावना के बारे में अभिनेता ने कहा कि मंत्रालयम के रायरू पर फिल्म बनाना आसान नहीं है, यह बहुत मुश्किल काम है। मैं अभी कुछ नहीं कह सकता, देखते हैं आगे क्या होता है।

ट्रेलर के बाद दर्शक फिल्म की भव्यता समझ पाएंगे

निर्देशक प्रशांत वर्मा द्वारा निर्देशित 'जय हनुमान' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फैंस इस फिल्म को लेकर काभी उत्साहित हैं। इस उत्साह पर ऋषभ शेट्टी ने कहा कि जब टीजर और ट्रेलर रिलीज होंगे, तब लोग इसकी भव्यता को समझ पाएंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी। ऋषभ शेट्टी को आखिरी बार 'कंतारा: चैप्टर 1' में देखा गया था, जो 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी।

भंसाली सर संग फिर काम करना है, शाहरुख खान के बगल में बैठना ही मेरा ऑस्कर

संजय लीला भंसाली की महत्वाकांक्षी वेब सीरीज 'हीरामंडी' के ताजदार आपको याद होंगे। एक्टर ताहा शाह बादुशा को इस किरदार ने खूब प्यार और नाम दिया। वह अपनी फिल्म 'पारो: द अनटोल्ड स्टोरी' ऑफ ब्राइड स्लेवरी को लेकर चर्चा में हैं, जो 98वें ऑस्कर अवॉर्ड के कंटेंशन सूची तक पहुंची। यह फिल्म खरीदी-बेची जाने वाली दुल्हनों की दुर्दशा को दिखाती है। हालांकि, ऑस्कर नॉमिनेशन में यह आगे नहीं बढ़ पाई, मगर ताहा का कहना है कि ऑस्कर में आगे पहुंचने से ज्यादा मायने इस फिल्म, इस विषय का लोगों तक पहुंचना है। बातचीत में ताहा बताते हैं शाहरुख खान को देखकर ही उन्हें एक्टर बनने का जुनून चढ़ा, फिर जब किंग खान की बगल में बैठने का मौका मिला, तो मानो जैसे उन्हें ऑस्कर मिल गया। अपनी फिल्म के बारे में वह कहते हैं, 'ब्राइड स्लेवरी यानी खरीदी गई गुलाम दुल्हनों की जिंदगी पर ना के बराबर फिल्में बनी हैं। जबकि, ऐसी करीब 7000 औरतें हैं, जिनका कोई वजूद ही नहीं है।'

ताहा शाह 'पारो' के बारे में आगे बताते हैं, 'ये औरतें अपनी उम्र से 30-35 साल बड़े आदमी के साथ ब्याह दी जाती हैं। कभी-कभी तो ये 10-15 बार बेची जाती हैं, पर इन्हें ना तो एक बीवी का हक मिलता है, ना इज्जत। आदमी का मन भर जाए तो वह उसे दोबारा बेच देता है। उस औरत, जिन्हें पारो बुलाया जाता है, उनका अपने घर, बच्चों, किसी चीज पर हक नहीं होता। हम चाहते हैं कि उन्हें वो हक और इज्जत मिले। इन औरतों को पहचान मिलना ही हमारी सबसे बड़ी कामयाबी होगी।'

शाहरुख खान को देखकर चढ़ा एक्टर बनने का जुनून

यूएई में पले-बढ़े ताहा शाह का हिंदी सिनेमा और एक्टिंग की ओर रुझान कैसे हुआ? यह पूछने पर वह बताते हैं, 'मेरी मम्मी जब यंग थीं तो एक्ट्रेस बनना चाहती थीं। उनको मौका भी मिला था, पर मेरी नानी ने मना कर दिया तो उनका सपना अधूरा रह गया। मां को फिल्मों का बहुत शौक था। वे फिल्में देखती थीं तो मैं भी देखता था। मगर एक्टिंग के बारे में नहीं सोचा था। फिर एक बार मैं वहां हो रहे अवॉर्ड शो में बहुत ही पीछे बैठा था। कुछ दिख नहीं रहा था, पर मजा आ रहा था, लेकिन तभी अचानक से लाइट्स बंद हुईं और मेरे बिल्कुल पीछे क्रेन पर शाहरुख खान खड़े थे। हम सब खुशी से चीखने लगे थे। उस वक्त मेरे अंदर भी एक्टिंग का जुनून जगा। मेरी खुशनसीबी रही कि मुझे शाहरुख खान की उपस्थिति में, उनके बगल में बैठने का मौका मिला है। वही मेरा ऑस्कर है।'

भंसाली सर संग दोबारा काम करना है

साल 2011 में फिल्म 'लव का द एंड' से करियर शुरू करने वाले ताहा को 13 साल बाद संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' से पहचान मिली। वह कहते हैं, 'मैं संजय सर का जितना शुक्रिया करूं, वह कम है, क्योंकि मैं आज जहां पर भी हूं, उनकी वजह से हूं। उन्होंने मुझे इस काबिल समझा कि मुझे ताजदार का इतना अहम रोल निभाने को दिया। मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उसके साथ न्याय किया हो और वह मुझे दोबारा अपने गाइडेंस में काम करने का मौका दें। मैं दोबारा उनके साथ काम करना चाहूंगा। संजय सर वो हीरा हैं, जिनकी चमक में रहकर हम भी बहुत कुछ सीख जाते हैं। एक बेहतर आर्टिस्ट, बेहतर क्रिएटिव इंसान बन जाते हैं।'

मेरे पास कोई प्लान बी नहीं, मेरी सफलता में मां का 80% योगदान

ताहा का सफर और सफलता की राह बड़ी लंबी रही है। जब उनसे पूछा गया कि इस लंबे इंतजार में वह कैसे डटे रहे? तो जवाब मिला, 'मैंने हार इसलिए नहीं मानी, क्योंकि मेरा कोई दूसरा प्लान बी कभी था ही नहीं। मैं बहुत क्रिएटिव किस्म का आदमी हूं। सिर्फ एक्टिंग में ही मुझे खुशी मिलती है तो डटे रहने के अलावा मेरे पास कोई विकल्प ही नहीं था। फिर, मेरी मम्मी कहती थीं कि जब मैं नहीं थक सकती तो तुम कैसे थक सकते हैं। मेरे इस सफर में मेरा योगदान 20 पर्सेंट है, उनका 80 पर्सेंट है। उनके बिना इस उतार-चढ़ाव भरे प्रफेशन में बिल्कुल सर्वाइव नहीं कर पाता।'

युवती का शव खेत में मिला, दर्ज कराया था दुष्कर्म का केस और कोर्ट में बयान होना था.....

फतेहपुर (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश में फतेहपुर जिले के गाजीपुर के एक गांव के बाहर एक युवती का शव खेतों में मिलने से सनसनी मच गई है। युवती ने इसके पहले दुष्कर्म का केस दर्ज कराया था। और इसके बाद युवती का कोर्ट में बयान भी होना था। लेकिन इसके पहले ही उसकी संदिग्ध हालात में मौत हो गई। युवती के गले और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान हैं, जिससे हत्या की आशंका है। पुलिस ने दुष्कर्म आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। केवगांव निवासी युवती का शव गांव से करीब एक किमी दूर चने के खेत में पड़ा मिला। परिजनों के मुताबिक रविवार की रात करीब 12 बजे वह लोग सो रहे थे। तभी बेटी घर से निकल गई। खोजबीन के बाद रात करीब ढाई बजे वह अचेत अवस्था में खेत में मिली। चेहरे व गले पर काले चोट के निशान भी मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका है। मृतक युवती की मां ने गांव के सुनील यादव पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने आरोप लगाया।

नेपाल चुनाव से पहले सील हुई भारत नेपाल सीमा, वाल्मीकिनगर बॉर्डर पर सन्नाटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में 5 मार्च को होने वाले संविधान सभा चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। प्रशासनिक आदेशों के तहत वाल्मीकिनगर-त्रिवेणी बॉर्डर सहित अन्य संवेदनशील सीमा क्षेत्रों को 72 घंटे के लिए पूरी तरह सील कर दिया गया है। यह पाबंदी 2 मार्च की मध्यरात्रि 12 बजे से प्रभावी हो चुकी है, जो 5 मार्च की मध्यरात्रि 12 बजे तक जारी रहेगी। इस दौरान सीमा पार से होने वाले सामान्य आवागमन और वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है।

नेपाल सशस्त्र पुलिस बल के अधिकारियों के अनुसार, यह कदम चुनाव सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत उठाया गया है। सीमा पर केवल एम्बुलेंस और अन्य अत्यंत आवश्यक आपातकालीन सेवाओं को ही गहन जांच के बाद आने-जाने की अनुमति दी जा रही है। यदि कोई नेपाली मतदाता भारतीय क्षेत्र से मतदान के लिए त्रिवेणी पहुंचता है, तो उसकी नागरिकता और मतदाता पहचान पत्र की कड़ाई से जांच करने के बाद ही उसे प्रवेश दिया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि 6 मार्च की सुबह से सीमा पर स्थिति सामान्य कर दी जाएगी और आवागमन पूर्व की भांति सुचारू हो जाएगा।

चुनाव के मद्देनजर नेपाल सरकार ने सीमावर्ती क्षेत्रों में शराब की बिक्री और वितरण पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। सीमा पार से किसी भी तरह की अवांछित गतिविधि को रोकने के लिए बिहार पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने संयुक्त रूप से मोर्चा संभाल लिया है। बगहा सहित सीमा से सटे जंगली रास्तों और नदी मार्गों पर गश्त तेज कर दी गई है। स्थानीय पुलिस प्रशासन के अनुसार, सीमावर्ती इलाकों में कड़ी चौकसी बरतने के निर्देश दिए गए हैं ताकि कोई भी असामाजिक तत्व चुनावी प्रक्रिया में बाधा न डाल सके। इस अंतरराष्ट्रीय सीलबंदी का मुख्य उद्देश्य सीमा पार से होने वाली घुसपैठ और तस्करी को रोकना है। नेपाल में संसदीय चुनाव की संवेदनशीलता को देखते हुए दोनों देशों के सुरक्षा निकाय निरंतर संपर्क में हैं। एसएसबी के जवान आधुनिक उपकरणों और खोजी कुत्तों की मदद से हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रख रहे हैं। प्रशासन का स्पष्ट संदेश है कि चुनावी निष्पक्षता बनाए रखने के लिए किसी भी तरह का जोखिम नहीं लिया जाएगा।

मुंबई में 4 जगहों पर एटीएस का छापा, चार गिर तार, आतंकी कनेक्शन का शक

मुंबई (एजेंसी)। एक ओर जहां पूरे देश में होली का त्योहार बड़े जोश के साथ मनाया जा रहा है। मुंबई समेत महाराष्ट्र में भी होली का उत्साह चरम पर है, वहीं महाराष्ट्र एंटी टेररिज्म स्क्वॉड यानि एटीएस ने मुंबई में एक बड़ी कार्रवाई की है। खबर है कि एट-ीएस ने मुंबई शहर के कुर्ला और गोवंडी में भीड़भाड़ वाली जगहों पर छापा मारा है। इस छापामारी से हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार एटीएस ने मुंबई में चार जगहों पर रेड मारी है। ये रेड शहर के गोवंडी और कुर्ला में भीड़भाड़ वाली जगहों पर की गई है। गोवंडी में तीन और कुर्ला में एक जगह पर छापा मारा गया है। इस कार्रवाई में पूछताछ के लिए चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

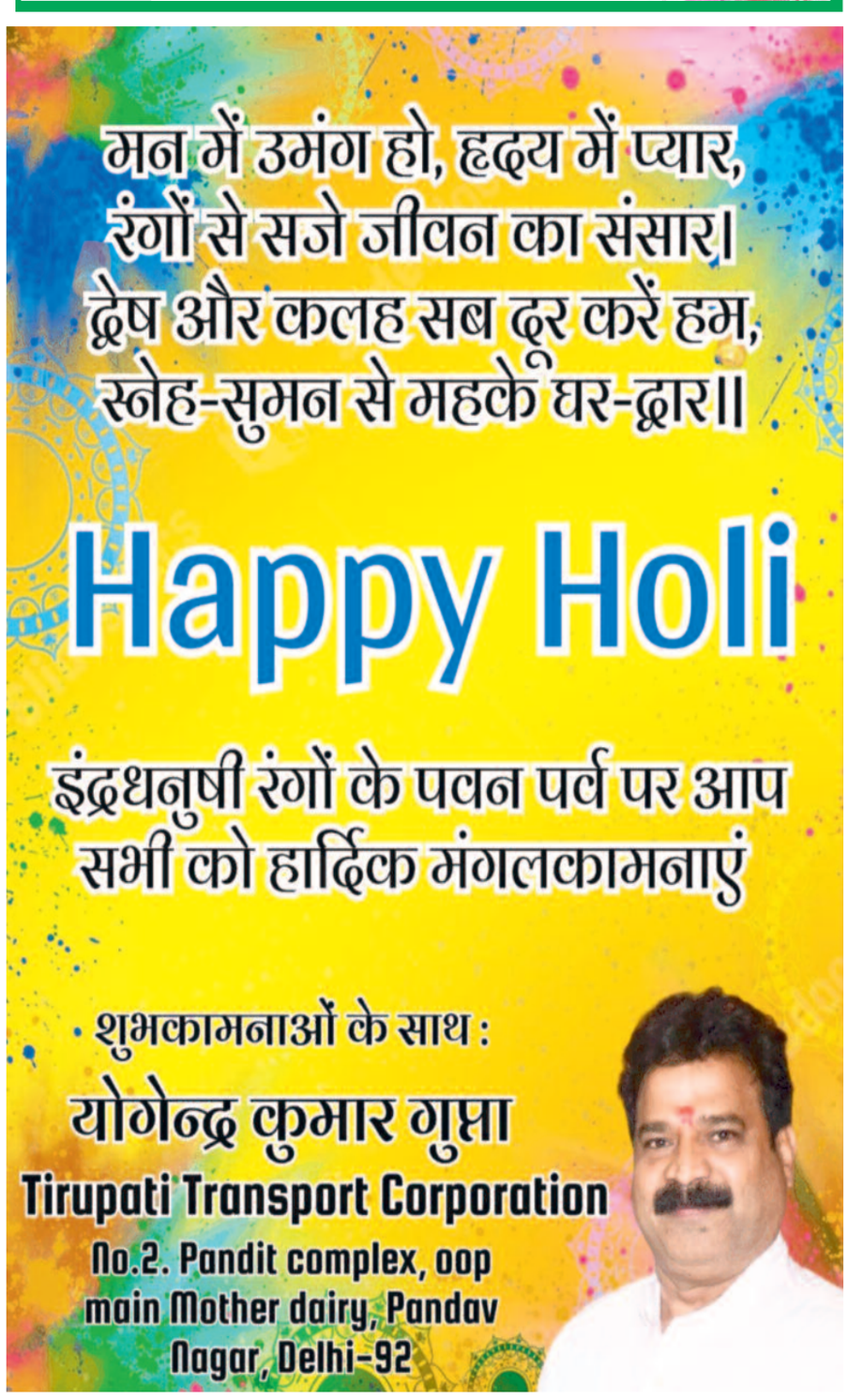

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)